बालाघाट
शनिवार 24 अक्टूबर 2026
अश्विन शुक्ल 12 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 33
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 73,249.39
निफ्टी - 22,687.65
सोना - 1,52,679
चांदी - 2,25,000
डॉलर - 94.72

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

श्रद्धा दुबे की जमानत याचिका खारिज



लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कारोबारी शिवा शर्मा की हत्या में मुख्य आरोपित लिव इन पार्टनर श्रद्धा दुबे को कोर्ट से भी राहत नहीं मिली है। शिवा शर्मा की हत्या की आरोपित श्रद्धा दुबे की जमानत अर्जी खारिज हो गई है। कारोबारी शिवा शर्मा की हत्या में लखनऊ जेल में बंद श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर दानिश की ओर से सीजेएम की कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की गई थी। सीजेएम के शुक्रवार को मौजूद न रहने पर प्रभारी सीजेएम आलोक वर्मा ने सुनवाई के बाद तीनों की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि जमानत का कोई आधार नहीं है और अपराध काफी गंभीर है। अब तीनों को ऊपरी अदालत में अपील करनी पड़ेगी।

आसाराम की तबीयत बिगड़ी, सीने में दर्द

उज्जैन। नाबालिग से बलात्कार के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम बापू की शुक्रवार को तबीयत खराब हो गई। सीने में दर्द की शिकायत के चलते वे धन्वंतरि आयुर्वेदिक चिकित्सालय में पंचकर्म कराने नहीं पहुंचे। उन्होंने अंकपात रोड स्थित आश्रम में आराम किया। स्वास्थ्य में सुधार होने पर शनिवार को दोबारा अस्पताल जाने की संभावना है। आसाराम 21 अक्टूबर (बुधवार) से उज्जैन में हैं। वे बुधवार और गुरुवार को पंचकर्म कराने के लिए अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन शुक्रवार को नहीं गए। चिकित्सालय के डॉ. निपेंद्र मिश्रा के मुताबिक, आसाराम लंबे समय से सिर और कमर दर्द से परेशान हैं। इसी के इलाज के लिए वे अस्पताल आए थे। उन्हें 14 दिन तक पंचकर्म कराने की सलाह दी गई है।

कोलकाता भगदड़ में 2 और गिरफ्तार

कोलकाता। कोलकाता भगदड़ मामले में शुक्रवार को दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि दोनों ने दुर्गा पंडाल गिरने की अफवाह फैलाकर अफरा-तफरी मचाई थी। इसके बाद भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई थी। इन गिरफ्तारियों के साथ ही मामले में पकड़े गए लोगों की संख्या 9 हो गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संजीब राहा और कुशल मजूमदार के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच के लिए एक टीम गठित करेगी, जो भगदड़ के कारणों का पता लगाने के साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपाय सुझाएगी।

कुछ ना कहना



चुनाव आयोग में अंदरूनी विवाद

आयोग के अधिकारियों के कामकाज को लेकर फिर उठे सवाल चुनाव, दो चुनाव आयुक्तों ने की शिकायत, आरटीआई से हुआ खुलासा

मनमाने फैसले ले रहे वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त मनीष गर्ग

नई दिल्ली। भारतीय चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर एक बार फिर सवाल उठे हैं। सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत मिली जानकारी के अनुसार, दो चुनाव आयुक्तों ने वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त मनीष गर्ग के खिलाफ कैबिनेट सचिवालय में शिकायत दर्ज कराई थी। उनका कहना था कि मनीष गर्ग मनमाने फैसले ले रहे हैं। आरोप था कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों से चर्चा किए बिना वरिष्ठ अधिकारियों के बीच कामकाज के बंटवारे में बदलाव का आदेश जारी किया।

दरअसल, रिटायर्ड कोमोडोर लोकेश के. बत्रा को आरटीआई के तहत मिले जवाब के मुताबिक, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 29 जुलाई 2026 को कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन को अलग-अलग पत्र लिखकर अपनी शिकायत दर्ज कराई थी। दोनों आयुक्तों ने आरोप लगाया कि मनीष गर्ग ने चुनाव आयोग या संबंधित अधिकारियों के साथ पर्याप्त चर्चा किए बिना कामकाज के बंटवारे में बदलाव किया। इस बदलाव को लेकर मतदाता सूची से जुड़े आईटी सिस्टम की निगरानी और उसके संचालन के केंद्रीकरण पर भी चिंता जताई गई थी।



कैबिनेट सचिवालय ने नहीं की कार्रवाई

3 अगस्त की फाइल नोटिंग में कहा गया कि शिकायतें दोनों चुनाव आयुक्तों ने व्यक्तिगत रूप से की थीं, न कि पूरे चुनाव आयोग की ओर से। ऐसे में इस मामले में हस्तक्षेप को संवैधानिक संस्था के कामकाज में दखल के रूप में देखा जा सकता था। इसी वजह से शिकायतों पर तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की गई। दोनों आयुक्तों को उनके पत्र मिलने की सूचना दी गई और शिकायतों की प्रतियां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यालय को भी भेजी गई थीं।

पहले भी उठा था ईआरओनेट सिस्टम को लेकर सवाल

मनीष गर्ग का नाम पहले भी मतदाता सूची के आईटी सिस्टम ईआरओनेट के संचालन और अधिकारियों को उसकी पहुंच मिलने से जुड़े विवाद में सामने आया था। चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू ने इस बात पर चिंता जताई थी कि कई निर्वाचन अधिकारियों को ईआरओनेट सॉफ्टवेयर का पूरा एक्सेस नहीं मिल रहा था। इससे मतदाता सूची से जुड़े उनके वैधानिक कार्य प्रभावित होने की आशंका जताई गई थी।

अगले ही दिन वापस लिया गया आदेश

मामले में एक अहम घटनाक्रम 30 जुलाई 2026 को सामने आया, जब दोनों चुनाव आयुक्तों ने मनीष गर्ग के कामकाज के बंटवारे से संबंधित आदेश को रद्द कर दिया। साथ ही, निर्देश दिया गया कि आयोग में किसी नए बदलाव पर सहमति बनने तक पुरानी व्यवस्था जारी रहेगी। मनीष गर्ग 1996 बैच के हिमाचल प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। अगस्त 2024 में कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने उन्हें चुनाव आयोग में उप चुनाव आयुक्त नियुक्त करने की मंजूरी दी थी। उन्होंने 2 सितंबर 2024 को पदभार संभाला था। इससे पहले वह हिमाचल प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में कार्यरत थे।

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल इस पूरे घटनाक्रम ने चुनाव आयोग के भीतर अधिकारियों के बीच समन्वय, कामकाज के बंटवारे और निर्णय लेने की प्रक्रिया पर चर्चा तेज कर दी है। हालांकि, मनीष गर्ग के खिलाफ लगाए गए आरोपों और कैबिनेट सचिवालय की कार्रवाई से जुड़ी जानकारी को उपलब्ध दस्तावेजों और संबंधित पक्षों के आधिकारिक बयानों के आधार पर ही अंतिम रूप से समझा जाना चाहिए।

विदेशी अदालत के कस्टडी आदेश का आंख मूंदकर पालन न करें, बच्चे का कल्याण सर्वोपरि

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों की कस्टडी से जुड़े अंतरराष्ट्रीय विवादों पर महत्वपूर्ण टिप्पणी कर कहा है कि भारतीय अदालतें विदेशी अदालतों के आदेशों का आंख मूंदकर पालन नहीं कर सकतीं। इसतरह के मामलों में बच्चे का कल्याण सबसे महत्वपूर्ण है और भारतीय अदालतों को सभी परिस्थितियों का स्वतंत्र आकलन करके फैसला लेना चाहिए। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि विदेशी अदालत के आदेशों को पूरी तरह नजरअंदाज किए जाए। उन पर उचित विचार करना जरूरी है।

जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि एनआरआई दंपतियों के बीच बच्चों की कस्टडी को लेकर होने वाले विवाद हमेशा बेहद संवेदनशील और भावनात्मक होते हैं। इसतरह के कई मामले सामने आते हैं, जिसमें विदेशी अदालत पहले ही फैसला सुना चुकी होती है, लेकिन एक पक्ष भारतीय अदालत का रुख करता है। इन मामलों का निपटारा आसान नहीं होता, क्योंकि इसमें बच्चे के भविष्य और हितों से जुड़े महत्वपूर्ण सवाल शामिल होते हैं।



सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने स्पष्ट किया कि बच्चे के कल्याण को व्यापक अर्थों में समझा जाना चाहिए। इस मामले को केवल आर्थिक स्थिति या भौतिक सुख-सुविधाओं तक सीमित नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने कहा कि अपने अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल करते समय अदालत को बच्चे के हितों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करना होता है। कस्टडी और संरक्षकता से जुड़े भारतीय कानून भी इसी सिद्धांत पर आधारित हैं। किसी व्यक्ति को कानूनी रूप से कस्टडी पाने का अधिकार होने के बावजूद यह अधिकार नहीं दिया जा सकता, यदि इससे बच्चे का कल्याण प्रभावित होता हो। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी सात साल की एक अमेरिकी नागरिक बच्ची से जुड़े मामले में की। बच्ची की मां उस कैलिफोर्निया की कस्टडी आदेश के आदेश का उल्लंघन कर भारत ले आई थी। मामले में अदालत ने बच्ची को वापस अमेरिका भेजने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि विदेशी अदालत के आदेश की अवहेलना होने मात्र से भारतीय अदालत उन्हें स्वत: लागू करने के लिए बाध्य नहीं हो जाती। साथ ही, बच्चे के कल्याण को प्राथमिकता देने का अर्थ विदेशी आदेश की अनदेखी करना भी नहीं है। अदालत को दोनों पहलुओं पर विचार करते हुए बच्चे के सर्वोत्तम हित में निर्णय लेना चाहिए।

एसआईआर विवाद- राष्ट्रीय राजधानी सहित देशभर में पीपुल अगेंस्ट एसआईआर गठबंधन के नेतृत्व में राजनीतिक पार्टियों, छात्र संगठनों, आदिवासियों, किसानों आदि ने प्रदर्शन कर लगाए नारे...

एसआईआर रद्द करो, ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो

नई दिल्ली। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शुक्रवार को सिविक सोसाइटी ऑर्गनाइजेशन, छात्र संघों, किसान संगठनों और अल्पसंख्यक संगठनों के एक साझा गठबंधन ने पीपल अगेंस्ट एसआईआर के बैनर तले देशव्यापी आंदोलन किया गया। दिल्ली में बंगला साहिब गुरुद्वारे के पास अशोका रोड पर हुए प्रदर्शन में राजनीतिक नेताओं, छात्र संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और अर्थशास्त्रियों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन में सीपीआई(एम) की वरिष्ठ नेता वृंदा करात, सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव और अन्य एक्टिविस्ट शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई और कहा कि जब तक वह अपने पद से इस्तीफा नहीं देते, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। प्रदर्शन का मुख्य मुद्दा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआरकी प्रक्रिया है। पीपुल अगेंस्ट एसआईआर गठबंधन से जुड़े प्रदर्शनकारियों ने इस प्रक्रिया को रद्द करने की मांग की। उनका कहना है कि मतदाता सूची से जुड़े किसी भी पुनरीक्षण में मतदाताओं के अधिकारों और उनकी भागीदारी की सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए।



प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग की भूमिका और एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर अपनी आपत्तियां उठाईं। उनका जोर इस मांग पर रहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने पद से इस्तीफा दें और एसआईआर की प्रक्रिया को वापस लिया जाए। पीपुल अगेंस्ट एसआईआर गठबंधन के नेतृत्व में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों ने अपनी मांगों को लेकर एकजुटता दिखाई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे एसआईआर को रद्द करने और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग पर पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

इस्तीफा होने तक आंदोलन रहेगा जारी

प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि उनकी लड़ाई केवल एक व्यक्ति के इस्तीफे तक सीमित नहीं है, बल्कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े सवालों को लेकर भी है। उन्होंने घोषणा की कि जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

हिरासत में 100 से अधिक प्रदर्शनकारी

दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे 100 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। ये सभी प्रदर्शनकारी सेंट्रल दिल्ली में भारतीय चुनाव आयोग के मुख्यालय की ओर बढ़ रहे थे। मार्च गोले डाक खाना के पास, कालीबाड़ी मार्ग और भाई वीर सिंह मार्ग के चौराहे पर शुरू हुआ, जिसमें शामिल लोग तिरंगा और बैनर लेकर वोटर लिस्ट में बदलाव का काम खत्म करने की मांग कर रहे थे।

2028 तक भारत के अपने मोबाइल फोन होंगे तैयार, अश्विनी वैष्णव का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली। भारत जल्द ही मोबाइल फोन के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2026 में घोषणा की कि 23 अक्टूबर 2028 तक देश में भारतीय डिजाइन, भारतीय निर्माण और भारतीय ब्रांड वाले मोबाइल फोन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारत भी एप्पल और सैमसंग जैसी वैश्विक कंपनियों के मुकाबले अपना मजबूत घरेलू ब्रांड विकसित कर सकता है। मंत्री ने कहा कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब लक्ष्य केवल दूसरे देशों की कंपनियों के लिए मोबाइल फोन बनाना नहीं, बल्कि अपने उत्पाद, डिजाइन और तकनीक विकसित करना है। इससे देश की तकनीकी आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलेगी और वैश्विक बाजार में भारतीय कंपनियों की भागीदारी बढ़ेगी। सरकार ने घरेलू मोबाइल फोन उद्योग को प्रोत्साहन देने के लिए मोबाइल फोन विनिर्माण योजना भी अधिसूचित की है। इस योजना के तहत भारतीय ब्रांडों, स्वदेशी डिजाइन, अनुसंधान एवं विकास और घरेलू घटकों के निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा।

सीवान के आलमापुर में पटाखा बनाने के दौरान भीषण विस्फोट, 7 लोगों की मौत; कई घायल

सीवान। बिहार के सीवान जिले के बड़हरिया प्रखंड अंतर्गत जामो थाना क्षेत्र के आलमापुर गांव में शुक्रवार शाम पटाखा बनाने के दौरान हुए भीषण विस्फोट से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। मृतकों में अमीरुद्दीन मियां (72) का नाम सामने आया है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, दीपावली के मद्देनजर पटाखे बनाने के दौरान अचानक विस्फोट हुआ। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए सीवान सदर अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की सूचना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। शुरुआती खबरों में मृतकों की संख्या को लेकर अलग-अलग जानकारी सामने आई है। प्रशासन की ओर से मृतकों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि और हादसे के विस्तृत कारणों की जानकारी का इंतजार है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भय का माहौल बना हुआ है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भाजपा को सलाह देते हुए कहा

राहुल को गंभीरता से ले, वे युवाओं में पापुलर

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को भाजपा को सलाह दी। उन्होंने कहा कि भाजपा को राहुल गांधी को गंभीरता से लेना चाहिए, क्योंकि पिछले कुछ महीनों में राहुल ने युवा मतदाताओं में पॉपुलैरिटी हासिल की है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि भाजपा ने राहुल पर ध्यान दिया है, इसलिए वह उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रही है। एक दिन पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा था कि पता नहीं कब तक कांग्रेस अपने फेल प्रोडक्ट की लॉन्चिंग के लिए देश को दांव पर लगाती रहेगी।

थरूर ने कांग्रेस से अलग विचार रखने पर भी बात की, लेकिन कहा कि वे पार्टी की नीतियों का पूरा समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी अक्सर इमरजेंसी और उसे खत्म किए जाने की बात करते हैं। इमरजेंसी कैसे खत्म हुई थी? विपक्ष के एकजुट होने से, जिसमें आरएसएस और भाजपा समाजवादियों और वामपंथियों के साथ आए थे। सभी ने मिलकर इमरजेंसी लगाने वाली सरकार को हराया था। यह भारत का हालिया राजनीतिक इतिहास है, महज आधी सदी पुरानी बात है।

भारत का पैरा एशियन गेम्स में बेस्ट प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारत ने पैरा एशियन गेम्स 2026 में 114 मेडल हासिल किए। शुक्रवार को भारतीय खिलाड़ियों ने 9 गोल्ड, 9 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज सहित 26 मेडल जीते। यह पैरा एशियाड में भारत का अब तक का बेस्ट प्रदर्शन है। 2023 में भारत ने 27 गोल्ड सहित 108 मेडल जीते थे। इसके साथ ही इस पैरा गेम्स में भारत का अभियान भी खत्म हो गया। भारत मेडल टैली में फिलहाल चौथे स्थान पर है। कल कुछ इवेंट्स के मुकाबले खेले जाएंगे, जिसके बाद फाइनल मेडल टैली आएगी। भारत के प्रणव सूरमा ने मेंस क्लब थ्रो एफ51 इवेंट में गोल्ड अपने नाम किया। इसी इवेंट में भारत के ही धरमबीर नैण ने ब्रॉन्ज जीता। पैरालिंपिक सिल्वर मेडलिस्ट प्रणव ने अपने दूसरे प्रयास में 32.87 मीटर का थ्रो किया। उन्होंने इन गेम्स में दूसरा गोल्ड जीता। नीतेश कुमार ने बैडमिंटन की मेंस सिंगल्स एसएल3 कैटेगरी के फाइनल में अपने ही देश के हमवतन प्रमोद भगत को सीधे गेमों में 21-18, 21-16 से हराया। नीतेश के पास अब थुलासिमथि के साथ मिक्स्ड डबल्स एसएल3-एसयू5 में भी गोल्ड जीतने का मौका है। वहीं, महिला एसयू5 में थुलासिमथि मुरुगेसन को सिल्वर मिला। उन्हें चीन की यांग क्यूशिया ने हराया। नवीन शिवकुमार ने पैरा बैडमिंटन के पुरुष सिंगल्स एसएल4 फाइनल में गोल्ड मेडल जीता।

अमिताभ बच्चन का बंगला उड़ाने की धमकी

दिलजीत दोसांझ को जान से मारने का मेल; 5 दिन पहले टाइगर श्रॉफ पर हुई थी फायरिंग

मुंबई। अमिताभ बच्चन और पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ को शुक्रवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। मुंबई की मेयर रितु तावड़े को यह धमकी भरा ई-मेल भेजा गया। इसमें अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा को बम से उड़ाने की बात लिखी गई। कहा गया कि 31 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच कभी भी बंगले को निशाना बनाया जा सकता है। हमला 1984 के ऑपरेशन ब्लू स्टार का बदला होगा। इसी मेल में गायक दिलजीत दोसांझ को भी आत्मघाती हमले में मारने की धमकी दी गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह मेल तब आया है, जब 5 दिन पहले रविवार को एक्टर टाइगर श्रॉफ पर मुंबई में फायरिंग की गई। इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी।

ई-मेल में खालिस्तान समर्थक नारे लिखे

मुंबई मेयर को भेजे गए मेल में खालिस्तान समर्थक नारे लिखे गए हैं। इसमें 1984 के सिख-विरोधी दंगों का भी जिक्र है। मेल में कहा गया कि दिलजीत ने अमिताभ बच्चन के पैर छूए थे इसलिए उस पर हमला किया जाएगा। मेल में लिखा है कि 27 नवंबर को दिलजीत को महालक्ष्मी रेस कोर्स में आत्मघाती हमले में मारना है। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद मुंबई पुलिस, पुलिस की डॉग स्क्वॉड और बम स्क्वॉड की टीमें बीएमसी मुख्यालय पहुंचीं।

कोचिंग संस्थान के संस्थापक के फोन में मिले सभी 45 केमिस्ट्री सवाल

नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले में सीबीआई की जांच से जुड़ा बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो की जांच से जुड़ा एक बड़ा खुलासा सामने आया है। जांच एजेंसी के मुताबिक, महाराष्ट्र के लातूर स्थित आरसीसी क्लासेस के संस्थापक के मोबाइल फोन से बरामद केमिस्ट्री के सवालों का मिलान नीट यूजी 2026 की मास्टर टेस्ट बुकलेट के सभी 45 सवालों से हुआ है। सीबीआई की सप्लीमेंट्री चार्जशीट में दिल्ली विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों की जांच रिपोर्ट का हवाला दिया गया है।

जांच एजेंसी का आरोप है कि परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र से जुड़ी सामग्री व्हाट्सएप, टेलीग्राम और एप्पल के एयरड्रॉप जैसे माध्यमों से साझा की गई थी। जांच में डिजिटल फाइलों, गवाहों के बयानों, हाथ से लिखे नोट्स और भुगतान से जुड़े संदेशों की भी पड़ताल की गई है। इस मामले में 13 आरोपियों के नाम चार्जशीट में शामिल किए गए हैं। हालांकि, आरोपियों के खिलाफ आरोपों पर अंतिम फैसला अदालत को करना है। सीबीआई ने अपनी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में बताया है कि लातूर के आरसीसी क्लासेस के संस्थापक के मोबाइल फोन से मिले सवालों और मास्टर टेस्ट बुकलेट के बीच मिलान किया गया। विशेषज्ञों की जांच में केमिस्ट्री के सभी 45 सवाल मेल खाते पाए गए। यह जानकारी जांच के उस हिस्से से जुड़ी है, जिसमें एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र की सामग्री किन लोगों तक पहुंची और उसे आगे कैसे साझा किया गया। जांच एजेंसी ने कथित तौर पर सामग्री साझा करने की प्रक्रिया को समझने के लिए डिजिटल फाइलों, संदेशों, भुगतान से जुड़े रिकॉर्ड और गवाहों के बयानों की पड़ताल की। इन जानकारियों के आधार पर यह पता लगाने की कोशिश की गई कि प्रश्न किस स्रोत से प्राप्त हुए और आगे किन लोगों तक पहुंचे।

सप्लीमेंट्री चार्जशीट में 13 आरोपी

नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले में सीबीआई ने पहले भी आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। अब सप्लीमेंट्री चार्जशीट में मोबाइल फोन से बरामद सवालों के मिलान और डिजिटल साक्ष्यों से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सप्लीमेंट्री चार्जशीट 28 जुलाई 2026 को दिल्ली की फास्ट ट्रैक अदालत में दाखिल की गई थी। इसमें 13 लोगों को आरोपी बनाया गया है।

परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

नीट यूजी पेपर लीक की जांच ने प्रश्नपत्र तैयार करने, उसकी गोपनीयता बनाए रखने और परीक्षा से पहले सामग्री तक पहुंच नियंत्रित करने की व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित किया है। जांच एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कथित तौर पर प्रश्नपत्र की सामग्री कैसे बाहर पहुंची और इसे साझा करने में किन लोगों की भूमिका रही।

कलेक्टर आदित्य सिंह ने मोहनपुर, कुल्पा, पालागोंदी और चालीसबोड़ी का किया औचक निरीक्षण

स्कूल, छात्रावास और निर्माण कार्यों का लिया जायजा, नक्सल प्रभावित रहे 100 गांवों में ई-लाइब्रेरी बनाने के निर्देश





पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर आदित्य सिंह 23 अक्टूबर की सुबह अचानक नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्र के ग्राम मोहनपुर, कुल्पा, पालागोंदी और चालिसबोड़ी पहुंचे। उन्होंने इन गांवों में स्कूल, कन्या छात्रावास और निर्माणाधीन विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने सबसे पहले ग्राम मोहनपुर पहुंचकर हायर सेकंडरी स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल तक पहुंचने के लिए सड़क निर्माण तथा स्कूल की बाउंड्रीवॉल के निर्माण की तकनीकी एवं प्रशासकीय स्वीकृति शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए।

छात्रावास अधीक्षिका को स्थापना दिवस पर सम्मानित करने के निर्देश

कलेक्टर ने मोहनपुर स्थित कन्या छात्रावास का भी निरीक्षण किया। छात्रावास में बेहतर व्यवस्थाओं और परिसर में की गई बागवानी को देखकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती श्यामवती उपरेती के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें एक नवंबर को आयोजित होने वाले मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह में सम्मानित करने की बात कही। कलेक्टर ने छात्रावास के सामने स्थित भूमि को समतल कर खेल मैदान तैयार करने, छात्राओं की सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवॉल पर कंटीले तारों की फेंसिंग कराने तथा छात्राओं को कोचिंग की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मोहनपुर-लत्ता मार्ग का निर्माण शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश

ग्राम मोहनपुर में कलेक्टर श्री सिंह ने विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने मोहनपुर एवं लत्ता को जोड़ने वाले मार्ग का निरीक्षण कर निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। वहीं, मोहनपुर के वार्ड क्रमांक-2 में छह माह से खराब पड़े दो हैंडपंपों की शिकायत पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को 15 दिनों के भीतर हैंडपंपों की मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्राम कुल्पा में कलेक्टर ने प्रस्तावित 200 मीटर लंबी सीमेंट कांक्रीट सड़क के निर्माण की तकनीकी एवं प्रशासकीय स्वीकृति शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए। ग्राम पालागोंदी के बैगा मोहल्ले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क इकाई द्वारा बनाई जा रही 1200 मीटर लंबी सड़क एवं पुलिया का निरीक्षण किया। इसके अलावा ग्राम चालिसबोड़ी में निर्माणाधीन पुलिया का भी जायजा लिया।

100 गांवों में ई-लाइब्रेरी बनाने के निर्देश

कलेक्टर आदित्य सिंह ने भ्रमण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्र के सभी गांवों में किसान चौपाल और ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाए, ताकि ग्रामीणों की समस्याओं की जानकारी लेकर उनका निराकरण किया जा सके। उन्होंने नक्सल प्रभावित रहे सभी 100 गांवों में ई-लाइब्रेरी स्थापित करने के निर्देश दिए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इसके साथ ही गांवों में हैंडपंपों के पास सोखपीट बनाने तथा रात्रि में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था के लिए सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर के इस भ्रमण के दौरान स्कूलों, छात्रावासों और निर्माणाधीन विकास कार्यों की स्थिति का जायजा लेने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और स्थानीय समस्याओं के निराकरण पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर, जनपद सीईओ डी आर उइके, सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग बालाघाट, कन्हैयालाल तेकाम तहसीलदार परसवाडा, तिलकचंद घोरमारे नायाब तहसीलदार परसवाडा, राधेश्याम चक्रवर्ती सहायक यंत्री परसवाडा, सुन्दरलाल पन्द्रे सरपंच ग्राम पंचायत मोहनपुर, सरपंच ग्राम पंचायत चालीसबोडी, एवं ग्राम पंचायत के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहें।

पंवार समाज का जिला स्तरीय शरद पूर्णिमा एवं जिला सम्मान समारोह आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंवार क्षत्रीय संगठन पंवार समाज जिला बालाघाट द्वारा आयोजित जिला स्तरीय शरद पूर्णिमा महोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आज बालाघाट मुख्यालय स्थित पंवार छात्रावास परिसर में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होकर देर रात तक आयोजित किया जाएगा,दिन के आयोजन में प्रतिभा सम्मान समारोह निर्धारित है इस वर्ष का प्रतिभा सम्मान समारोह पंवार समाज के भूतपूर्व जिला अध्यक्ष स्व. मदनलाल चौधरी जी की स्मृति में किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान चौधरी परिवार के परिजनों का सम्मान किया जाएगा,साथ ही समाज के युवा प्रतिभा अतिथियों का सत्कार किया जाएगा, आयोजन में। कक्षा 10वी एवं 12वी में 90ब से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं का सम्मान किया जाएगा साथ ही नीट आईआईटी, खेल कूद एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं का सम्मान किया जाएगा, शाम के आयोजन में पावरी बोली में देवी जागरण, पावरी नाटक एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में पंवार समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय पदाधिकारीगण, समाज के जनप्रतिनिधि, सांसद,विधायक,पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद, अन्य जिलों के जिला अध्यक्ष एवं जिले के समाज के पदाधिकारीगण विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे पंवार समाज जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने बताया कि समाज जनों द्वारा कार्यक्रम की पूर्ण तैयारियां कर ली गई है, समाज का यह जिला स्तरीय आयोजन भव्य एवं ऐतिहासिक होगा उन्होंने जिले के समस्त समाज जनों से कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

वॉलीवाल मैदान के सौंदर्यीकरण को लेकर बनाई रूपरेखा

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर स्थित बेसिक शाला के वॉलीवाल मैदान के सौंदर्यीकरण कार्य कराए जाने को लेकर 23 अक्टूबर को शाम एक विशेष बैठक का आयोजन वॉलीवाल ग्राउंड में किया गया। जनपद पंचायत उपाध्यक्ष एवं सूर्योदय वॉलीवाल क्लब के संरक्षक भुवन भाऊ राहंगडाले, अध्यक्ष डॉ नन्हे बहेकार, उपाध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान, राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव,सचिव शिव तारन, जनपद सभापति योगराज भास्कर,ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि जे.पी.रामटेके, पंचायत सदस्य अंकुश पचभैया, पंचायत सदस्य विजय लिल्हारे, अज्जू चापेकर, राकेश बोरकर, हरीश भूते, योगेन्द्र फूलबांधे सहित वॉलीवाल खिलाड़ियों की प्रमुख उपस्थिति मे वॉलीबॉल मैदान के



आसपास तीन तरफ एल्यूमिनियम या जीआई जाली लगाए जाने को लेकर विचार विमर्श किया गया जो कि मजबूत भी हो और टिकाऊ भी हो। इन सभी बिन्दुओं पर सभी से सुझाव लिए गए इसके अलावा छोटे बच्चों के खेल कूद सामग्री भी क्रिकेट ग्राउंड मे कॉम्प्लेक्स से सट कर लगाएं जाने पर चर्चा की गई जिसके कि उक्त मैदान मे कोई भी व्यक्ति कालर कचरा या गंदगी ना फेंक पाएं। साथ ही साथ यहां आरसीसी नाली एवं वार्ड नंबर 05 मे सीमेंट सड़क का भी निर्माण कार्य ग्राम पंचायत किरनापुर द्वारा कराया जाएगा और इन सभी कार्यों का बहुत जल्द आने वाले कुछ दिनों में क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक राजकुमार करहि के हस्ते भूमिपूजन कार्य सम्पन्न करवाकर कार्य भी प्रारंभ कर दिया जाएगा। वही इस दौरान सूर्योदय वॉलीवाल क्लब सचिव शिव तारन ने जानकारी मे आगामी जनवरी माह के अंतिम सप्ताह मे अन्तर्राज्यीय वॉलीवाल टूर्नामेंट आयोजित कराए जाने की संभावना भी बतलाई है। वही आगे उन्होने यह भी बताया कि किरनापुर की शान वॉलीवल खेल है। वॉलीवाल मैदान का सौन्दर्यीकरण हो जाने पर पर खिलाड़ियों को अनेक तरह की समस्याओं से छुटकारा भी मिल जाएगा। और उन्हें अनेक सुविधाएं इसी मैदान पर मिलने लगेगी।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार जैराज कमानी पिता श्री तरूण भुपतराय कमानी निवासी 24 राय स्ट्रीट एल.आर. सरानी कोलकाता वेस्ट बंगाल 700020 द्वारा भूमिस्वामी परवेज खान पिता जमील अहमद निवासी वार्ड नंबर 14 उकवा (सोनपुरी) तहसील परसवाड़ा जिला बालाघाट म.प्र. के स्वामित्व एवं कब्जे की भूमिस्वामी हक को भूमि मौजा मोहबट्टा प.ह.नं.-18/26, रा.नि.मं. बैहर तहसील बैहर जिला बालाघाट में स्थित भूमि खसरा नं. 24/2 रकबा 1.821 हेक्टेयर लगभग 0.65पै. भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा किया है और शीघ्र ही उक्त दर्शित भूमि के विक्रयपत्र का पंजीयन केता/मेरे पक्षकार द्वारा अपने पक्ष में निष्पादित कराया लिया जावेगा। उक्त भूमि के क्रय विक्रय/पंजीयन के संबंध में हित रखने वाले जिस किसी व्यक्ति को अथवा वित्तीय संस्था या बैंक को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर मेरे अधोलिखित पते पर मय मूल दस्तावेज सहित उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है निर्धारित समयावधि के पश्चात की गयी कोई भी दावा/आपत्ति मान्य नही की जावेगी एवं पक्षकारगण पर बंधनकारी नही रहेगा।

सबब सूचना जारी हो।

स्थान-बैहर
दिनांक-22.10.2026

एम जी एल गौतम अधिवक्ता
वार्ड नं0 04 नरसिंगटोला बैहर तह. बैहर
जिला बालाघाट

पुताई के पैसों को लेकर विवाद- ईंट मारकर युवक को किया घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के वार्ड नंबर 24 इंदिरा नगर में पुताई के पैसों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति पर ईंट से हमला कर उसे घायल कर दिया गया। घटना 22 अक्टूबर की रात करीब 9 बजे की है। घायल मनीष मोरे पिता रामाराव मोरे39 वर्ष वार्ड नंबर 24 इंदिरा नगर निवासी का जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार कराया गया। मामले में पुलिस ने घायल के बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई के लिए प्रकरण कोतवाली थाना भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मनीष मोरे पुताई और पेंटिंग का काम करता है। 22 अक्टूबर की रात करीब 9 बजे वह अपने घर के पालतू कुत्ते को घुमाने के लिए बाहर निकला था। इसी दौरान घर के बाहर उसकी मुलाकात रवि सोनवाने से हुई। रवि ने मनीष से पुताई के बकाया रुपये देने की बात कही। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद बढ़ने पर रवि ने ईंट उठाकर मनीष पर हमला कर दिया, जिससे उसके माथे, मुंह और चेहरे पर चोटें आईं।

मां ने बीच-बचाव किया-उपचार के लिए अस्पताल पहुंचा घायल

मारपीट की आवाज सुनकर मनीष की मां मौके पर पहुंची और बीच-बचाव कर विवाद शांत कराया। घटना के बाद मनीष अपने परिजनों के साथ शिकायत दर्ज कराने कोतवाली थाना पहुंचा। पुलिस ने उसे पहले उपचार कराने की सलाह दी जिसके बाद वह परिजनों के साथ जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचा और अपना इलाज कराया।जिला अस्पताल पुलिस ने मनीष के बयान दर्ज किए। इसके बाद मामले में आगे की कार्रवाई के लिए प्रकरण कोतवाली थाना बालाघाट भेज दिया गया है।

आईटीबीटी के डीजी के बयान पर मचा बवाल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार को घेरते हुए कहा...चीन को बहुत क्लीनचिट दी जा चुकी है, पीएम सच सामने रखें

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अरुणाचल प्रदेश में चीन आर्मी के साथ जवानों के टकराव को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चीन नीति पर पीएम मोदी से तीन सवाल पूछे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा पर अरुणाचल प्रदेश में लगातार टकराव और भारत की पेट्रोलिंग पहुंच पर चिंता जताई। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री को पार्लियामेंट और देश को भरोसे में लेना चाहिए।

मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार से सवाल करते हुए कहा कि 'चीन को क्लीन चिट बहुत हो गई, पीएम मोदी को भारत के सामने अपनी बात साफ करनी चाहिए।' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीटी) के डीजी का अरुणाचल प्रदेश में चीन के बीच लगातार टकराव की बात कन्फर्म करना बहुत चिंता की बात है। डोकलाम और गलवान के बाद, क्या एक और गंभीर टकराव हो रहा है?

क्या भारत की पेट्रोलिंग एक्सेस से कॉम्प्रोमाइज किया गया?

खरगे ने एक्स पोस्ट में कहा कि अगस्त में तवांग सेक्टर के पास चीनी घुसपैठ की खबरें सामने आईं। फिर भी, वाचा-दमाई में कोर कमांडर-लेवल की बातचीत के 47 दिन बाद भी, जो कथित तौर पर सिर्फ 180 यूनिट है, टकराव जारी है। क्या भारत की पेट्रोलिंग एक्सेस से कॉम्प्रोमाइज किया गया है? अरुणाचल प्रदेश भारत का एक अटूट हिस्सा है। देश को अंधेरे में क्यों रखा जा रहा है?

चीन से बढ़ते व्यापार घाटे और इम्पोर्ट पर भी सवाल

कांग्रेस प्रमुख ने दूसरा सवाल इकोनॉमिक सिक्योरिटी को लेकर पूछा है। उन्होंने कहा कि गलवान में 20 भारतीय सेना के बहादुर जवानों के बलिदान के बाद से, चीन से होने वाला इंपोर्ट 102 प्रतिशत बढ़ गया है। जबकि चीन के साथ भारत का ट्रेड डेफिसिट 155 प्रतिशत बढ़कर 112.16 बिलियन डॉलर हो गया है। फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण भी मानती हैं कि चीन भारतीय एक्सपोर्ट में रुकावट डालता है। उनका आरोप है कि फिर भी, सरकार चीन पर लगे इन्वेस्टमेंट पर लगी रोक हटा रही है। चीन से जुड़े एलिजिबल वेंचर्स के लिए पीएलआई बेनिफिट्स पर विचार कर रही है। क्या मेक इन इंडिया अब चीन से इंपोर्ट बन गया है?

डिप्लोमैटिक अकाउंटेबिलिटी को लेकर तीसरा सवाल

मल्लिकार्जुन खरगे ने डिप्लोमैटिक अकाउंटेबिलिटी की बात की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंगकी कम से कम 23 रिपोर्टेड मीटिंग्स और बातचीत हुई है। एनएसए अजीत डोभाल के साथ 25 स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव के राउंड, 36 डब्ल्यूएमसीसी मीटिंग्स, और लगातार एससीओ और ब्रिक्स समिट्स हुए हैं। लेकिन इन मुलाकातों के क्या ठोस नतीजे मिले हैं? उन्होंने पूछा- क्या भारत के मई 2020 से पहले के पेट्रोलिंग अधिकार पूरी तरह से वापस आ गए हैं? कांग्रेस अध्यक्ष ने पोस्ट के आखिर में लिखा किहमारी आर्म्ड फोर्सेज पर हमें पूरा भरोसा है। लेकिन नेशनल सिक्योरिटी के लिए जवाबदेही चाहिए, डिप्लोमैटिक फोटो खिंचवाने और हगप्लोमेसी नहीं। प्रधानमंत्री को विपक्ष पर हमला करने के बजाय पार्लियामेंट और देश को भरोसे में लेना चाहिए।

बेंगलुरु मर्डर केस- उम्रकैद काट रही शुभा की दया याचिका कैबिनेट ने की खारिज

मंगेतर की हत्या का है मामला

बेंगलुरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने वर्ष 2003 के चर्चित बेंगलुरु हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रही शुभा शंकरनारायण और उसके साथी डी. अरुण वर्मा की दया याचिकाओं को सर्वसम्मति से खारिज किया गया है। यह मामला 27 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर बी.वी. गिरीश की निर्मम हत्या से जुड़ा है, जो शुभा के मंगेतर थे। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में माना गया कि यह हत्या पूरी तरह से सुनियोजित, पूर्व-नियोजित और अत्यंत क्रूर थी। इसलिए मौजूदा कानूनी प्रावधानों के तहत दोषियों को किसी भी तरह की राहत या दया नहीं दी जा सकती। डीके मंत्रिमंडल द्वारा खारिज की गई इन याचिकाओं को अब अंतिम फैसले के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत के पास भेजा जाएगा। राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने बताया कि गृह विभाग ने पुलिस और जेल प्रशासन से विस्तृत रिपोर्ट लेने के बाद ही इस विषय को कैबिनेट के समक्ष रखा था। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 14 जुलाई 2025 को अपने ऐतिहासिक फैसले में मामले के चारों दोषियों की आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा था। हालांकि, अदालत ने उन्हें संविधान के अनुच्छेद 161 के तहत राज्यपाल के समक्ष दया याचिका दायर करने के लिए आठ हफ्ते की मोहलत दी थी। मामले की पृष्ठभूमि के अनुसार, 1 दिसंबर 2003 को इंटेल कंपनी के इंजीनियर गिरीश और लॉ छात्रा शुभा की सगाई हुई थी।

भाजपा का राष्ट्रव्यापी अभियान लोकतंत्र बचाओ, अराजकता दूर करो शुरू

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मतदाता सूची की सटीकता, इसके विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) और संवैधानिक प्रक्रियाओं के प्रति आम जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से लोकतंत्र बचाओ, अराजकता दूर करो नाम से बड़ा राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। इस वृहद अभियान को दो अलग-अलग चरणों में पूरा किया जाएगा। अभियान का पहला चरण 5 नवंबर तक आयोजित हो रहा है, जबकि इसका दूसरा चरण 11 नवंबर से शुरू होकर 30 नवंबर तक चलेगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के निर्देशन में शुरू हुए इस अभियान के पहले चरण में देशभर में पदयात्राएं, संवादात्मक सत्र और प्रेसवार्ता जैसे विभिन्न जनसंपर्क कार्यक्रम शामिल किए हैं। बीजेपी पार्टी ने देश के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर विशाल पदयात्राएं आयोजित करने की योजना तैयार कर रही है, जिसमें प्रत्येक पदयात्रा में 10,000 लोगों की भागीदारी का लक्ष्य तय किया है। इसके अतिरिक्त, देश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में संवादात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन सम्मेलनों में समाज के करीब 200 प्रतिष्ठित और आमंत्रित नागरिक एकत्रित होकर मतदाता सूची संशोधन और उससे संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इस अभियान के तहत भाजपा युवाओं और छात्रों को विशेष रूप से जोड़ने का काम कर रही है। इसके लिए विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) और कोचिंग सेंटरों जैसे शैक्षणिक संस्थानों में विशेष जनसंपर्क चलाया जाएगा। इस माध्यम से भाजपा का लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर पर 10 लाख से अधिक युवाओं और कार्यशील पेशेवरों तक अपनी पहुंच बनाना है। एसआईआर, मतदाता सूची की सटीकता और संवैधानिक प्रक्रियाओं पर पार्टी का रुख स्पष्ट करने के लिए राष्ट्रीय, प्रांतीय और जिला स्तरों पर नियमित प्रेसवार्ता आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही, सोशल मीडिया के जरिए भी चुनावी प्रक्रियाओं के बारे में व्यापक जन जागरूकता फैलाई जाएगी। 11 नवंबर से शुरू होने वाले दूसरे चरण में सार्वजनिक कार्यक्रमों के जरिए जनता को एकजुट किया जाएगा। इस दो-चरणीय अभियान के जरिए भाजपा जमीनी स्तर पर नागरिकों को संगठित कर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति उनकी समझ को और अधिक मजबूत करना चाहती है।

कुडनकुलम न्यूक्लियर प्लांट में लागू होगी नई रूसी हार्डवेयर तकनीक

चेन्नई। देश के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को सुरक्षित और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। न्यूक्लियर पावर प्लांट्स में सॉफ्टवेयर ऊर्श और साइबर हमलों के खतरों से निपटने के लिए भारत अब एक अत्याधुनिक तकनीक अपनाने जा रहा है। इसी कड़ी में तमिलनाडु स्थित देश के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र कुडनकुलम में रूसी निर्मित हार्डवेयर-आधारित सुरक्षा तकनीक का उपयोग शुरू किया जा रहा है। रूसी सरकारी परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसाटॉम ने कुडनकुलम परमाणु बिजली संयंत्र के लिए नई तकनीक पर आधारित सुरक्षा उपकरणों के करीब 300 सेट भारत भेज दिए हैं। सभी जरूरी जांच पूरी होने के बाद इन्हें संयंत्र की यूनिट 3 और 4 की सुरक्षा व्यवस्था में शामिल किया जाएगा। यह नई सुरक्षा प्रणाली आपात स्थिति में बिना किसी माइक्रोप्रोसेसर या एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर के सीधे काम करेगी। इसका मुख्य उद्देश्य सुरक्षा प्रणाली से सॉफ्टवेयर पर निर्भरता को घटाना है, ताकि साइबर हमले या किसी तकनीकी गड़बड़ी की स्थिति में भी प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह अप्रभावित रहे। इस नए सिस्टम में नॉन-प्रोग्रामेबल मॉड्यूल का इस्तेमाल किया गया है। इसका मतलब है कि यह उपकरण किसी भी तरह की डिजिटल कोडिंग के बजाय सीधे हार्डवेयर सर्किट के आधार पर काम करेगा। पहले इस्तेमाल होने वाले पारंपरिक डिजिटल सुरक्षा तंत्र में सॉफ्टवेयर बग, कोडिंग त्रुटि या ऑपरेटिंग सिस्टम क्रैश होने की स्थिति में सुरक्षा सिग्नलों की प्रोसेसिंग रुकने का जोखिम रहता था। कई बार एक यूनिट में खराबी आने से पूरा सेंट्रल सिस्टम ठप होने का अंदेशा बना रहता था। लेकिन यह नया सिस्टम पूरी तरह से सुरक्षित है। यदि रिएक्टर के भीतर तापमान या दबाव तय सीमा से अधिक बढ़ता है, तो यह ऑटोमेटेड सिस्टम तुरंत सक्रिय होकर बोरॉन इंजेक्शन पंप जैसे आपातकालीन सुरक्षा उपकरणों को आदेश भेजता है, जिससे रिएक्टर खुद-ब-खुद ठंडा होने लगता है और हादसा टल जाता है। इस प्रणाली में कोई डिजिटल प्रोग्रामिंग कोड न होने के कारण इसमें बाहर से सेंधमारी या साइबर घुसपैठ करना नामुमकिन है। कुडनकुलम की शुरुआती इकाइयों के अनुभवों के आधार पर तैयार यह सुरक्षा ढांचा प्लांट को अभेद्य बनाएगा।

आंचलिक छत्तीसगढ़ी प्रोग्राम
चुनभुनिया
आकर्षक झांकी के साथ
दामाद बाबू
राजनांदगांव के द्वारा
अनुपम प्रस्तुती
8085493332
7440787959

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

राज्य स्तरीय पर्यावरण शिक्षण प्रशिक्षण में बालाघाट के सौरभ कुमार शर्मा सम्मानित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को), पर्यावरण विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा 22 अक्टूबर 2026 को भोपाल स्थित एप्को सभागार में राज्य स्तरीय एक दिवसीय पर्यावरण



शिक्षण मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन के निर्देशन में शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा के प्रभारी प्राचार्य सौरभ कुमार शर्मा ने बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रम में लगभग 52 जिलों के प्रतिभागियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, ऑनलाइन रिपोर्टिंग, दस्तावेजीकरण और सतत जीवनशैली जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में कागज निर्माण, मिट्टी से पशु-पक्षियों की आकृतियां बनाने तथा पत्तियों से जैविक खाद तैयार करने जैसी गतिविधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। विद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता गतिविधियों में सराहनीय योगदान तथा टाइगर डे के अवसर पर कान्हा टाइगर रिजर्व में विद्यार्थियों के लिए पेंटिंग और मुखौटा निर्माण जैसी रचनात्मक गतिविधियां आयोजित कराने के लिए सौरभ कुमार शर्मा को सम्मानित किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं पर्यावरण शिक्षण किट प्रदान की गई। वहीं, प्रदेश के नौ टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में टाइगर डे के सफल आयोजन में योगदान देने वाले मास्टर ट्रेनर्स को भी प्रमाण-पत्र दिए गए। प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं अनुभव के आधार पर श्री शर्मा बालाघाट जिले के विद्यालयों के इको-क्लब प्रभारियों को प्रशिक्षित करेंगे। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता, वन्यजीव संरक्षण एवं सतत जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना और विद्यालयों में पर्यावरण संबंधी गतिविधियों को प्रभावी रूप से संचालित करना है।

महंगाई की मार, दीपावली पर घर सजाना हुआ महंगा

पेंट के दाम 15 प्रतिशत तक उछले, रंग-रोगन के लिए बाजार में बढ़ी रौनक, दुकानों पर जुटने लगे ग्राहक,कीमतों के साथ मजदूरी ने भी बढ़ाई चिंता, कारीगरों की किल्लत से लोग परेशान, सजावट की अन्य सामग्री भी महंगी



पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली की रोशनी से घर-आंगन जगमगाने की तैयारी शुरू हो गई है। पांच दिवसीय दीपोत्सव को लेकर शहर के पेंट बाजार में रौनक लौटने लगी है। सालभर मंदी से जूझ रहे कारोबारियों को इस बार त्योहारी सीजन से अच्छे कारोबार की उम्मीद है। घरों की साफ-सफाई के साथ रंग-रोगन का दौर शुरू होते ही पेंट दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने लगी है। लेकिन इस बार घरों को नया रंग देने के लिए लोगों को जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ रही है। पिछले साल की तुलना में पेंट के दाम 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। अलग-अलग कंपनियों के 04, 10 और 20 लीटर के डिब्बों पर करीब 200 से लेकर 1000 रुपए तक की बढ़ोतरी बताई जा रही है। इसके साथ ही रंगाई-पुताई के लिए मजदूरों की कमी और बढ़ी मजदूरी ने भी लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

दुकानों पर बढ़ी चहल-पहल, कारोबारी उत्साहित

दीपावली नजदीक आते ही शहर के रामगली सहित विभिन्न क्षेत्रों में पेंट की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने लगी है। दुकानदारों ने ग्राहकों की पसंद और मांग को देखते हुए विभिन्न कंपनियों तथा वेरायटी के पेंट का स्टॉक जुटा लिया है।बाजार में करीब 300 से 500 रुपए प्रति लीटर तक के पेंट उपलब्ध हैं। ग्राहक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार रंगों की कीमतों की जानकारी ले रहे हैं तथा अलग-अलग दुकानों पर दामों की तुलना भी कर रहे हैं। कारोबारियों का कहना है कि महंगाई के बावजूद दीपावली पर घरों को नया रूप देने की परंपरा के चलते फिलहाल बाजार में उठाओ नही है लेकिन आगामी समय मे बिक्री में तेजी आने की उम्मीद है।

मजदूरों की किल्लत, बढ़ गई रंगाई-पुताई की लागत

त्यौहारी सीजन में सिर्फ पेंट की कीमतें ही नहीं, बल्कि रंगाई-पुताई की मजदूरी भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है।घरों की सफाई के बाद अब रंग-रोगन कराने के लिए कारीगर आसानी से नहीं मिल रहे हैं। कई मजदूर पहले से ही काम में व्यस्त हैं, जबकि उपलब्ध मजदूर अधिक मजदूरी मांग रहे हैं। ऐसे में कुछ लोगों को दूसरे गांवों से कारीगर बुलाने की व्यवस्था करनी पड़ रही है। पेंट की बढ़ी कीमत और मजदूरी के खर्च ने घरों को नया रूप देने का बजट बढ़ा दिया है।

ग्राहकों की जुबानी-महंगाई है, लेकिन त्योहार पर घर तो सजाना ही है

दीपावली पर घरों की सफाई और रंगाई-पुताई को लेकर ग्राहकों में उत्साह है। हालांकि पेंट की कीमतों में बढ़ोतरी और मजदूरों की मनमानी मजदूरी को लेकर लोग परेशान भी हैं।ग्राहकों का कहना है कि साल में एक बार घरों में रंग-रोगन कराया जाता है, इसलिए महंगाई के बावजूद खरीदारी करनी पड़ रही है। वहीं, मजदूरों की कमी के कारण समय पर काम पूरा कराना भी चुनौती बनता जा रहा है।

अच्छा कारोबार की उम्मीद है- सुरेन्द्र जायसवाल

पेंट दुकानदार एस. भोयरकर और सुरेन्द्र जायसवाल, ने बताया कि इस बार ग्राहकी बढ़ने की उम्मीद है। ग्राहकों की मांग के अनुसार अलग-अलग कंपनियों और वेरायटी के पेंट उपलब्ध कराए गए हैं। त्योहारी सीजन में अच्छा कारोबार होने की उम्मीद है। हर त्योहार पर घरों की सफाई के साथ रंग-रोगन कराया जाता है। इन दिनों पेंट की मांग बढ़ी है और दुकानों पर ग्राहक पहुंच रहे हैं। इस बार भी अच्छी खरीदारी की उम्मीद है।

माता अन्नपूर्णा के दरबार में अजगर का डेरा, दर्शन को उमड़ी भीड़

मूर्ति के पीछे कुंडली मारकर बैठा विशाल अजगर, ग्रामीणों ने आस्था से जोड़ा, वन विभाग-पुलिस पहुंची, पहाड़-जंगल से मंदिर तक आने का अनुमान



पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माता के मंदिर में विशाल अजगर पहुंचा तो देखते ही देखते यह नजारा गांव में चर्चा का विषय बन गया। कोई इसे माता रानी का संदेश मान रहा है, तो कोई भगवान भोलेनाथ का अंश बताकर पूजा-अर्चना में जुटा है। मंदिर में अजगर को देखने और माता अन्नपूर्णा के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। मामला बालाघाट जिले के खैरलांजी तहसील अन्तर्गत आने वाले बिटोड़ी गांव स्थित माता अन्नपूर्णा मंदिर का है, जहां सुबह के वक्त मंदिर के पुजारी ने माता की प्रतिमा के सामने अजगर को बैठे देखा। इसके बाद गांव में खबर फैली और मंदिर परिसर में लोगों का जमावड़ा लग गया।

माता की प्रतिमा के पीछे जमाया डेरा

जानकारी के अनुसार, शारदीय नवरात्रि के ज्वारा विसर्जन के दौरान रात में अजगर कहीं से मंदिर परिसर में पहुंच गया। सुबह जब पुजारी मंदिर पहुंचे तो विशाल अजगर माता अन्नपूर्णा की प्रतिमा के सामने दिखाई दिया। बाद में वह प्रतिमा के पीछे कुंडली मारकर बैठ गया। मंदिर में अजगर की मौजूदगी की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु वहां पहुंचने लगे। लोगों ने इस घटना को धार्मिक आस्था से जोड़कर देखना शुरू कर दिया।

ग्रामीण बोले- माता रानी का कोई संदेश होगा

मंदिर में अजगर को देखकर ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं हैं। कुछ लोग इसे माता रानी का संदेश मान रहे हैं, तो कुछ का कहना है कि पहाड़ पर विराजे बाबा भोलेनाथ का अंश यहां पहुंचा है और वह अपनी मर्जी से ही वापस चला जाएगा। मंदिर के पुजारी सुरेश लिल्हारे के अनुसार, अजगर रात में मंदिर से चला जाता है और सुबह फिर दिखाई देने लगता है। उनका कहना है कि मंदिर आने वाले श्रद्धालु पूजा करते हैं और अब तक अजगर ने किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया है।

वन विभाग-पुलिस भी पहुंची, मंदिर से लगा है पहाड़

मंदिर परिसर में अजगर के पहुंचने की जानकारी मिलने पर वन विभाग और पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। वन विभाग की ओर से अजगर को पकड़ने की बात कही गई, लेकिन ग्रामीण उसे आस्था से जोड़कर देख रहे हैं। मंदिर के पास पहाड़, तालाब और जंगल होने के कारण अनुमान लगाया जा रहा है कि अजगर इसी प्राकृतिक क्षेत्र से निकलकर मंदिर तक पहुंचा होगा।

आस्था अपनी जगह, सुरक्षा भी जरूरी

माता के मंदिर में अजगर की मौजूदगी ने जहां ग्रामीणों की धार्मिक भावनाओं को आकर्षित किया है, वहीं वन्यजीव सुरक्षा का सवाल भी महत्वपूर्ण है।बताया गया कि अजगर सामान्यतः विषहीन होता है, लेकिन बड़ा होने के कारण उसके पास जाना या उसे छूने की कोशिश करना खतरनाक हो सकता है। ऐसे में श्रद्धालुओं को सुरक्षित दूरी बनाए रखनी चाहिए और वन विभाग की निगरानी में ही स्थिति को संभालना जरूरी है।

लामता में गूंजा पहलवानों का दम! संकट मोचन विशाल इनामी दंगल प्रतियोगिता संपन्न

विजेता पहलवानों को किया पुरस्कृत, दूर-दराज से पहुंचे पहलवानों ने दिखाए कुश्ती के शानदार दांव-पेंच

पद्मेश न्यूज लामता। परंपरा, शौर्य और दमखम का शानदार नजारा उस समय देखने को मिला, जब लामता में संकट मोचन विशाल इनामी दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संकट मोचन दुर्गा समिति लामता के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचे पहलवानों ने अखाड़े में उतरकर अपने दमखम और कुश्ती के बेहतरीन दांव-पेंच का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता को लेकर कुश्ती प्रेमियों में उत्साह का माहौल रहा। आयोजित इस विशाल इनामी दंगल में विभिन्न क्षेत्रों से आए पहलवानों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती देते हुए अपनी कुश्ती कला का प्रदर्शन किया। अखाड़े में पहलवानों के दांव-पेंच और दमखम ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता ने क्षेत्र में पारंपरिक कुश्ती की लोकप्रियता और खेल भावना को भी प्रदर्शित किया।



पहलवानों को वितरित किए गए इनाम

कार्यक्रम में परसवाड़ा विधायक मधु भगत ने विशेष रूप से पहुंचकर प्रतियोगिता के विजेता पहलवानों को इनामी राशि वितरित की। जिसमे 70से 80 किलोग्राम मे प्रथम स्थान मो. रजिक उज्जैन, 60से 70किलो ग्राम मे अमन राहीन महाकाल घाटी उज्जैन, 50 से 60 किलोग्राम मे धरम बंशकार जेडी नगर कटनी, 40 से 50 किलोग्राम मे लक्की यादव कोसमी बालाघाट को प्रथम स्थान विजेता का पुरुष्कार दिया गया।उन्होंने पहलवानों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पारंपरिक कुश्ती को बढ़ावा देने का सराहनीय प्रयास

संकट मोचन दुर्गा समिति लामता द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता के माध्यम से पहलवानों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला बताया गया कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण अंचलों में पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहन मिलता है तथा युवाओं में शारीरिक क्षमता, अनुशासन और खेल भावना का विकास होता है।प्रतियोगिता के समापन पर विजेता पहलवानों को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। संकट मोचन दुर्गा समिति का यह आयोजन क्षेत्र में कुश्ती की परंपरा को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया गया है।

मायके से रहस्यमय ढंग से लापता हुई महिला

अपहरण का मामला दर्ज, मलाजखंड पुलिस ने शुरू की तलाश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम पौनी में अपने मायके में रह रही एक महिला के रहस्यमय ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है। महिला के पिता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध अपहरण कर गुप्त स्थान पर बंदी बनाकर रखने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पौनी निवासी परसराम मरावी खेती-किसानी करते हैं। उनकी छोटी बेटी उर्मिला मरकाम का विवाह ग्राम छिन्दीटोला निवासी श्याम शाह मरकाम के साथ हुआ था। परिजनों के मुताबिक वर्ष 2011 से स्वास्थ्य खराब रहने और मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उर्मिला अपने मायके ग्राम पौनी में अलग कमरे में रह रही थी। उसका इलाज पहले रायपुर में और वर्तमान में बालाघाट में चल रहा था।बताया गया कि 13 अक्टूबर की सुबह करीब 5:30 बजे परसराम ने देखा कि उर्मिला अपने कमरे में नहीं थी और कमरे में ताला लगा हुआ था। इसके बाद उन्होंने घर, मोहल्ले और आसपास के क्षेत्र में उसकी तलाश की। रिश्तेदारों से भी फोन पर संपर्क कर जानकारी जुटाई गई, लेकिन महिला का कोई पता नहीं चल सका। परिजनों के अनुसार इससे पहले भी उर्मिला इलाज कराने के लिए बिना बताए रायपुर या बालाघाट चली जाती थी और दो-तीन दिन में वापस लौट आती थी। इस बार काफी तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं चलने पर पिता ने किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपहरण कर उसे गुप्त स्थान पर बंदी बनाकर रखने की आशंका जताई।उर्मिला की लंबाई करीब 5 फीट, रंग सांवला और शरीर दुबला-पतला है। लापता होते समय उसने लाल-कत्थई रंग का सलवार-सूट पहना हुआ था। मलाजखंड पुलिस ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के एसएलपी क्रमांक 11263/25 के आदेश के पालन में कार्यवाही करते हुए अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज किया है। पुलिस द्वारा महिला की पतासाजी की जा रही है तथा जिलेवासियों से उसकी तलाश में सहयोग करने की अपील की गई है।

लोक नृत्य के मंच से जनसंख्या शिक्षा का संदेश, राज्य स्तर पर चमकेगी बालाघाट की विजेता टीम

डाईट बालाघाट में जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन, विद्यार्थियों ने लोक कला और संस्कृति के जरिए दिखाई प्रतिभा





पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लोक कला और संस्कृति के रंगों के बीच विद्यार्थियों ने जनसंख्या शिक्षा का संदेश दिया। राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना के तहत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाईट), बालाघाट में जिला स्तरीय लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों एवं माध्यमिक शालाओं में कक्षा आठवीं और नौवीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

चार टीमों ने दिखाया हुनर

प्रतियोगिता में सादिपनी विद्यालय बालाघाट, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट, नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास बैहर तथा बालक छात्रावास बालाघाट की टीमों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने लोक नृत्य के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिला स्तर पर चयनित विजेता टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बालाघाट का प्रतिनिधित्व करेगी।

लोक नृत्य से जागरूकता का प्रयास-तितिरमारे

डाईट बालाघाट की बालिका शिक्षा प्रभारी श्रीमती स्मिता तितिरमारे ने औपचारिक चर्चा में बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य किशोरवय विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा से जुड़े मुद्दों के प्रति समझ और जागरूकता विकसित करना है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में जीवन की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के कौशल विकसित करने के साथ स्थानीय कला एवं संस्कृति को पहचानने और उसे नवीन संदर्भों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में श्री एन.पी. मलगाम, एमएलबी बालाघाट के प्राचार्य श्री मनोज जैन तथा नूतन कला निकेतन की श्रीमती ज्योति परिहार उपस्थित रहे। आयोजन में डाईट स्टाफ से श्री एस.एन. पंडित, श्री के.डी. तितिरमारे, श्रीमती सरला भारद्वाज, सहनाज खान, सावित्री बिसेन, प्रशिक्षण सहायक सजल मस्की, सुधा लाडे, विशाखा चौधरी, शशिकला शेंडे एवं पुष्पा ओसले की सहभागिता रही।

24 अक्टूबर को जिले में होगी साक्षरता परीक्षा, 28,100 परीक्षार्थी होंगे शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में 24 अक्टूबर 2026 को उक्षस नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इस परीक्षा में 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के असाक्षर व्यक्तियों को बुनियादी साक्षरता प्रदान करने के उद्देश्य से शामिल किया जाएगा। प्रदेश को वर्ष 2027 तक पूर्ण साक्षर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिला शिक्षा केंद्र बालाघाट के जिला परियोजना समन्वयक जी.पी. बर्मन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में एक साथ यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। जिले में कलेक्टर एवं मिशन संचालक आदित्य सिंह के निर्देशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बालाघाट के मार्गदर्शन में परीक्षा की तैयारियां की गई हैं। जिले में परीक्षा के आयोजन के लिए कुल 1,856 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। राज्य से जिले को 28,100 परीक्षार्थियों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए अधिक से अधिक परीक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। परीक्षा के सुचारू संचालन एवं व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए जिला स्तर से अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। इस अभियान का उद्देश्य असाक्षर व्यक्तियों को बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता का ज्ञान प्रदान कर उन्हें साक्षर बनाना और प्रदेश को वर्ष 2027 तक पूर्ण साक्षर बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति में योगदान देना है।

अंतर्राज्यीय गरबा प्रतियोगिता का हुआ आयोजन, उकवा के एसडीएसएस ग्रुप ने मारी बाजी

माँ सरस्वती महोत्सव में हो रहे विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, माँ सरस्वती की दर्शन करने उमड़ रहा जनसैलाब

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय में माँ सरस्वती महोत्सव समिति के तत्वाधान में गत दिवस विद्या की देवी माँ वीणा वादिनी की प्रतिमा विराजित कर माँ सरस्वती महोत्सव भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। महोत्सव के आठवें दिन गुरूवार को रात 10 बजे अंतर्राज्यीय गरबा डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वहीं अंतर्राज्यीय गरबा डांस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी शानदार नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। रंग-बिरंगे परिधानों, आकर्षक नृत्य शैली और संगीत की मधुर धुनों के बीच आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या में क्षेत्र की प्रतिभाओं ने अपनी कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बालाघाट-सिवनी सांसद श्रीमती भारती पारधी, कार्यक्रम की अध्यक्षता सुधीर जैन एवं जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, थाना प्रभारी राजमल दायम विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों



ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। वहीं आयोजित अंतर्राज्यीय गरबा नृत्य प्रतियोगिता में पहुंचे गरबा नृत्य प्रतिभागियों के द्वारा शानदार गरबा नृत्यों की प्रस्तुती दी गई। जिसमें एसडीएसएस ग्रुप उकवा ने प्रथम, विशाल नृत्यशाला बालाघाट ने द्वितीय एवं शक्ति ग्रुप लालबर्रा ने तृतीय स्थाना प्राप्त किया है, जिन्हे अतिथियों के हस्ते पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं माँ सरस्वती महोत्सव के अंतर्गत आयोजित इस प्रतियोगिता ने न केवल प्रतिभागियों को अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर दिया, बल्कि क्षेत्र में सांस्कृतिक गतिविधियों, लोकनृत्य और संगीत के प्रति उत्साह को भी नई ऊर्जा प्रदान की है। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए



अतिथियों ने कहा कि लालबर्रा का माँ सरस्वती महोत्सव धार्मिक कार्यक्रम बन चुका है और मातारानी की कृपा सभी पर बनी रहती है। इसी वजह से महोत्सव में हजारों की संख्या में श्रध्दालुजन मातारानी का आशीर्वाद लेने पहुंच रहे है। प्रतियोगिता के निर्णायक की भूमिका श्रीमती अर्चना गुप्ता एवं नूतन कला की शान, कला शिल्पी दीपक भट्ट ने निभाई।

आपसी एकजुटता एवं सेवा भाव के चलते महोत्सव एक नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है - भारती

कार्यक्रम को संबोधित करते बालाघाट-सिवनी सांसद श्रीमती भारती पारधी कहा कि आयोजकों की अद्भुत एकजुटता और सेवा भाव के कारण ही हर वर्ष यह माँ सरस्वती महोत्सव एक नया कीर्तिमान स्थापित करता है। जब से मैं इस क्षेत्र में ब्याह कर आई हूं तब से लगातार इस माँ सरस्वती महोत्सव को देख रही हूं, हर बार लगता है कि शायद इस बार इस महोत्सव की भव्यता कुछ फीकी पड़ेगी, लेकिन जब भी मैं यहां आती हूं इसकी भव्यता और गरिमा पहले से कई गुना बढ़ी हुई नजर आती है। इसका एकमात्र कारण आयोजकों की आपसी एकजुटता है। श्रीमती पारधी ने कहा कि इतने विशाल और व्यापक स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन करना कोई सामान्य बात नहीं है। आज केवल लालबर्रा या बालाघाट ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मध्यप्रदेश और अन्य पड़ोसी राज्यों में भी लालबर्रा के माँ सरस्वती महोत्सव की विशिष्ट पहचान एवं चर्चा है। इस आयोजन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि संरक्षक भले ही एक हों, लेकिन हर बार नये-नये चेहरों को आगे बढ़ने और आयोजन की कमान संभालने का अवसर दिया जाता है। इस महोत्सव के माध्यम से हमारे छोटे-छोटे दुकानदारों को रोजगार मिलता है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का भी यही सपना है कि समाज के अंतिम छोर पर बैठा व्यक्ति रोजगार से जुड़े और आत्मनिर्भर बने। प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि गरबा हो या अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम हर-जीत तो खेल और प्रतियोगिता का हिस्सा है। जैसा कि निर्णयकों ने भी कहा कि किसी को भी मन छोटा नहीं करना चाहिए। निश्चित तौर पर ऐसे बड़े मंच हमारी युवा प्रतिभाओं को निखारने और अपनी कला को आगे बढ़ाने का एक स्वर्णिम अवसर प्रदान करते हैं।

बहियाटिकुर में धूमधाम से मनाया गया विजयादशमी पर्व

शारदेय नवरात्र पर्व का माँ आदिशक्ति की प्रतिमा विसर्जन के साथ हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत बहियाटिकुर में शारदेय नवरात्र एवं विजयादशमी का पर्व भक्तिभाव एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। दशहरा





पर्व के दूसरे दिन माँ दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन कर उन्हे नम आंखों से विदाई दी गई। जिसके साथ ही माँ आदिशक्ति की प्रतिमा विसर्जन के साथ ही शारदेय नवरात्र पर्व का समापन हुआ। चर्चा में निलेश चौधरी ने बताया कि ग्राम में शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया है। जिसमें माँ भगवती के नौ दिनों तक विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। साथ ही प्रतिदिन धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें नन्हें-मुन्ने बच्चों ने डांस, कुर्सी दौड़, मटकी फोड़ प्रतियोगिता में भाग लिये। श्री चौधरी ने बताया कि विजयादशमी (दशहरा) पर्व के पावन अवसर पर भगवान श्री राम, लक्ष्मण और हनुमान जी की झांकी के साथ भजन मंडल के माध्यम से ग्राम भ्रमण कर माँ भगवती प्रांगण स्थल पर रावण के पुतले का दहन किया गया। तत्पश्चात आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। आगे बताया कि विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल ग्राम समिति के द्वारा शस्त्र पूजन कार्यक्रम माँ भगवती स्थल पर किया गया जिसमें बजरंग दल जिला सहसंयोजक निलेश चौधरी के द्वारा शस्त्र पूजन के महत्व एवं विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की गतिविधियों और कार्यों पर प्रकाश डाला गया। साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं राष्ट्र सेविका समिति की स्थापना दिवस कार्यक्रम की भी जानकारी दी गई एवं संघ की स्थापना के उद्देश्यों को भी बताया गया। उसके बाद राति में सामूहिक गरबा एवं नन्हें मुन्ने बच्चों की डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अंत में माँ भगवती का विसर्जन धूमधाम और श्रध्दा-भक्तिभाव के साथ किया गया एवं रात में खप्पर आरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

बकोड़ा में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई सांई बाबा की 108 वीं पुण्यतिथि

डोला और कलश शोभायात्रा के साथ गूंजे 'सच्चिदानंद सदगुरु' के जयकारे, सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। 'बोलो सच्चिदानंद सदगुरु साईनाथ महाराज की जय' के गगनभेदी जयकारों के साथ ग्राम बकोड़ा के साईंग्राम स्थित शिर्डी सांई मंदिर में बाबा की 108 वीं पुण्यतिथि 22 अक्टूबर को अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाई गई। इस दो दिवसीय पावन आयोजन के दौरान मंदिर प्रांगण में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक अनुष्ठान संपन्न हुए। जिसमें बड़ी संख्या में श्रध्दालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दो दिवसीय उत्सव के पहले दिन से ही मंदिर परिसर में विविध धार्मिक कार्यक्रमों का दौर शुरू हो गया था। प्रात:काल बाबा का सुप्रभातम्, नगर संकीर्तन, अभिषेक, हवन-पूजन और विशेष भजनों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। वहीं कार्यक्रम के दूसरे दिन 22 अक्टूबर की शाम 7.30 बजे मंदिर प्रांगण में पारंपरिक परंपरा का निर्वहन करते हुए सांई बाबा की चादर की नीलामी की गई। जिसके पश्चात डीजे की मधुर धुनों और गाजे-बाजे के साथ सांई बाबा का भव्य डोला एवं कलश शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा पूरे ग्राम का भ्रमण करते हुए वापस सांई मंदिर पहुंची।

महाआरती और महाप्रसादी का वितरण

सांई बाबा का डोला (पालकी) यात्रा के मंदिर पहुंचने पर उपस्थित श्रध्दालुओं ने विधि-विधान से बाबा की पालकी की पूजा-अर्चना की। तत्पश्चात महंत हंसराज मिश्रा द्वारा महाआरती संपन्न करवाई गई। जिसके बाद उपस्थित भक्तों को महाप्रसादी का वितरण किया गया। रात 9 बजे से पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल बकोड़ा के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री शिर्डी सांई मंदिर समिति के अध्यक्ष श्याम कौशल के मुख्य आतिथ्य, बकोड़ा सरपंच श्रीमती पुष्पा नागेश्वर की अध्यक्षता तथा विशेष अतिथि के रूप में अनुप गौचंद, आशीष तोमर, समिति उपाध्यक्ष श्रीराम नागेश्वर, श्री गोंदुडे एवं सचिव रतनलाल एड़े की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान स्कूल के छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक आकर्षक झांकियों के साथ मनमोहक नृत्य, नाटक और देशभक्ति, देवी गीतों की प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं शिर्डी सांई बाबा की 108 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मंदिर को बेहद आकर्षक और भव्य ढंग से सजाया गया था, जो क्षेत्रवासियों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। चर्चा में सांई मंदिर ट्रस्ट समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी परंपरा का निर्वहन करते हुए दो दिवसीय शिर्डी वाले सांई बाबा की 108 वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम का आयोजन किया गया और विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। साथ ही समिति ने सांईनाथ महाराज से सभी के जीवन में सुख, शांति, खुशहाली और समृध्दि बनाये रखने की प्रार्थना की है। इस अवसर पर सांई मंदिर ट्रस्ट समिति के पदाधिकारी, सदस्य व श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

धन्नू (पेंटर) अड़मे का शोकाकुल माहौल में किया गया अंतिम संस्कार

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर की पुरानी सांस्कृतिक संस्था पूजांजलि कला मंदिर के लोकप्रिय कलाकार, कॉमेडियन और नृत्य कला में निपुण लालबर्रा निवासी 58 वर्षीय धन्नू अड़मे (धन्नू पेंटर) का गुरूवार को निधन हो गया, जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार धन्नू अड़मे का गत माह से स्वास्थ्य खराब था और स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे, गुरूवार की सुबह हृदयगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। निधन की खबर लगते ही चित-परिचितों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। उनके असमय चले जाने से कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक हंसमुख एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी कलाकार का अभाव महसूस किया जा रहा है। वहीं स्व. धन्नू अड़मे का माँ सरस्वती महोत्सव समिति लालबर्रा से भी पुराना और आत्मीय जुड़ाव रहा। महोत्सव के शुरू आती दौर में वे एक कलाकार के रूप में समिति से जुड़े और विभिन्न झाँकियों के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। अपनी कला और रचनात्मक योगदान के माध्यम से उन्होंने महोत्सव की शुरूआती सांस्कृतिक यात्रा को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई। स्व. अड़मे सरल, स्वभाव एवं मृदुभाषी के धनी थे, अपने पीछे पत्नी, दो बेटे, एक बेटी सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गये है। जिनका अंतिम संस्कार गुरूवार को दोपहर में लालबर्रा के मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति एवं परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से कामना की है।

लोधी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने कैबिनेट मंत्री प्रहलादसिंह पटेल से की मुलाकात

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लोधी समाज लालबर्रा के एक प्रतिनिधि मंडल ने शुक्रवार को बालाघाट प्रवास पर पहुंचे मध्यप्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रहलादसिंह पटेल से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आगामी समय में लालबर्रा में आयोजित होने वाले वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा लोकार्पण के भव्य कार्यक्रम में मंत्री पटेल को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का औपचारिक न्यौता दी गई और कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की गई। गौरतलब है कि कैबिनेट मंत्री प्रहलादसिंह पटेल शुक्रवार को गर्रा, बालाघाट क्षेत्र में विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों के लोकार्पण तथा भूमिपूजन कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे। इस अवसर पर ब्लॉक लोधी समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उनसे भेंट की। लोधी समाज लालबर्रा के पदाधिकारी लता एलकर के निवास पहुंचकर केबिनेट मंत्री श्री पटेल से सौजन्य भेंट की गई और उन्हे अवगत करवाया गया कि लालबर्रा स्थित हाई स्कूल मार्ग पर अमर शहीद वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। इस प्रतिमा के गरिमामय लोकार्पण समारोह को लेकर क्षेत्र के समाजजनों और ग्रामीणों में खासा उत्साह है। कैबिनेट मंत्री प्रहलादसिंह पटेल से आग्रह किया कि वे इस लोकार्पण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होगें। श्री पटेल ने लोधी समाज के प्रतिनिधियों की बातों को बेहद आत्मीयता से सुना और विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की। इस अवसर पर लोधी समाज लालबर्रा के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।



कोसमी में माँ दुर्गा की प्रतिमा का हुआ विसर्जन

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोसमी में बुधवार को माता रानी की प्रतिमा की शोभायात्रा निकालकर अगले बरस तू जल्दी आना माँ के जयकारों के साथ विसर्जित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे। कोसमी नवदुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शारदेय नवरात्र पर्व के प्रथम दिन माँ जगदम्बे की प्रतिमा विराजित कर श्रध्दा, उत्साह के साथ मातारानी की आराधना की गई। वहीं रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। आगे बताया कि पर्व के दसवें दिन माँ दुर्गा की प्रतिमा की शोभायात्रा निकाली गई। इस विसर्जन शोभायात्रा के भावुक पल में एक ही भावुक गीत बज रहा था। नवरात्रि नव दिन माई, दशम दिन विदाई, विसर्जन माँ चली। आंगन डगर घर सुना, अधिर भये नैना, निरस हुई हर गली। इस गीत के साथ विसर्जन स्थल पर मौजूद प्रत्येक दर्शनार्थी की आंखे नम होती दिखाई दी। जिसके बाद विसर्जन घाट स्थल पहुंचे जहां आरती के पश्चात प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर नवदुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।



गुमशुदा बेटी की तलाश में ३ साल से दर दर भटक रहा पिता

थानों और प्रशासनिक दफ्तरों के चक्कर काट रहा बेबस परिवार, न्याय की लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम भेंडारा निवासी एक बेबस पिता अपनी लाडली बेटी का सुराग पाने के लिए पिछले करीब तीन वर्षों से थाने और प्रशासनिक अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। पुलिस की सुस्ती और लगातार मिल रहे सांदिग्ध सुरागों के बावजूद कोई ठोस कार्यवाही नहीं होने से परेशान पीड़ित परिवार ने अब पुलिस व प्रशासन पर गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

२१ मई २०२३ से लापता है २१ वर्षीय करिश्मा उपवंशी

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भेंडारा वार्ड नंबर १० निवासी किसान शंकरलाल उपवंशी ने २२ मई २०२३ को थाना रामपायली में अपनी २१ वर्षीय बेटी करिश्मा उपवंशी की गुमशुदगी गुम इंसान की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शंकरलाल उपवंशी ने बताया कि २१ मई २०२३ की सुबह लगभग ९ बजे जब वह अपने घर के पीछे बाड़ी में काम कर रहे थे तब उनकी बेटी करिश्मा उनके पास आई और गांव की ही खुशबू उपवंशी के घर काम से जाने की बात कहकर निकली। उस वक्त परिवार के अन्य सदस्य एक शादी समारोह में गए हुए थे। जब काफी देर तक करिश्मा घर वापस नहीं लौटी तो शंकरलाल ने खुशबू के घर जाकर पूछताछ की। खुशबू ने फोन पर बताया कि वह बालाघाट में है और करिश्मा उसके पास नहीं आई है। इसके बाद परिजनों ने आसपास के गांवों और रिश्तेदारों में काफी खोजबीन की लेकिन बालिका का कोई पता नहीं चला। आखिरकार रिश्तेदार प्रेमलाल रनगिरे के साथ थाने पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

फिरौती की मांग और संदिग्ध पार्सल ने बढ़ाए सवाल

लापता बालिका के मामले में पुलिसिया कार्यप्रणाली पर उस वक्त गंभीर सवाल खड़े हुए जब घटना के कुछ समय बाद थानेगांव निवासी प्रवीण पिता मूलचंद नगपुरे उम्र ३७ वर्ष ने लापता बालिका के भाई से संपर्क कर बेटी को वापस लौटाने के एवज में ५०००० रुपयों की मांग की। इस संबंध में पीड़ित पिता शंकरलाल उपवंशी ने १९ जून २०२३ को थाना रामपायली में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। मामले में नया और चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब कुछ दिनों पहले शंकरलाल उपवंशी को डाक पोस्ट ऑफिस के माध्यम से एक पार्सल प्राप्त हुआ। यह पार्सल पंजाब राज्य के किसी पते से भेजा गया था। पार्सल खोलने पर उसमें उनकी बेटी करिश्मा उपवंशी का आधार कार्ड निकला जिसमें विवरण पंजाबी भाषा में दर्ज था। आधार कार्ड में घर का पता तो ग्राम भेंडारा ही दर्ज था लेकिन मोबाइल नंबर बदला हुआ था। जब उस नंबर पर संपर्क किया गया तो अज्ञात व्यक्तियों ने फोन पर बातचीत की और संदिग्ध रूप से शंकरलाल उपवंशी के बैंक खाते में कुछ राशि भी ट्रांसफर की।

पिता की गुहार हर सुराग दिया, फिर भी खाली हाथ हैं

बेटी के गायब होने के बाद से परिवार लगातार पुलिस और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं। फिरौती की मांग करने वाले व्यक्ति से लेकर पंजाब से आए आधार कार्ड और बैंक खाते में पैसे आने तक की हर एक संदिग्ध गतिविधि की जानकारी उन्होंने तुरंत पुलिस प्रशासन को उपलब्ध कराई है। तमाम अहम सुराग मिलने के बावजूद तीन साल बीत जाने पर भी पुलिस



की ओर से कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया है। आज भी एक लाचार पिता की आंखें अपनी बेटी के सुरक्षित घर लौटने की राह तक रही हैं। पीड़ित परिवार ने पुलिस और प्रशासन पर महिला एवं बालिका संबंधी अपराधों को लेकर संवेदनहीनता और लापरवाही बरतने का सीधा आरोप लगाया है। परिजनों ने मांग की है कि पंजाब से आए पार्सल, बदले हुए मोबाइल नंबर, कॉल डिटेल तथा पैसों के लेन देन जैसी सभी कड़ियों को आपस में जोड़कर उच्चस्तरीय व गंभीर जांच की जाए और उनकी बेटी को सकुशल ढूंढकर घर वापस लाया जाए।

थानेगांव निवासी प्रवीण नगपुरे ने मेरे बेटो को कहा था की आपकी बहन हमारे कब्जे में है ५०००० रूपये लगेंगे-शंकरलाल उपवंशी

शंकरलाल उपवंशी ने बताया कि मैं भेंडारा रहता हूं मेरी बेटी बिना बताए २१ मार्च २०२३ को लापता हो गई थी। हमने इसकी शिकायत थाने में की कुछ दिन बाद थानेगांव निवासी प्रवीण नगपुरे का मेरे बेटे को फोन आया कि तुम्हारी बहन हमारे कब्जे में है ५०००० रूपये मांगा यह बात भी हमने थाने में बताई। तो टीआई ने पैसे देने से मना कर उसे थाने लाकर पूछताछ किया वहां वह झूठ बोलने लगा कि मैंने कब ऐसा बोला पुलिस फॉड बता रही है। इस मामले में हमने पुलिस अधीक्षक ,जिला कलेक्टर ,एसडीएम और सभी अधिकारियों को शिकायत की है। पंजाब से हमें पोस्ट ऑफिस के माध्यम से बेटी का आधार कार्ड आया था जिसमें सब कुछ वैसा ही है सिर्फमोबाइल नंबर बदला है। जिस पर हमने बातचीत किया तो आगे से पंजाब से कोई व्यक्ति बात कर रहा था उसने कहा कि मैं मदद करना चाहता हूं। कंफर्म करने हमने रुपये डलवाए तो उसने ३००० रुपए भी डाले थे। यह दोनों घटना हमने थाने में बताएं पुलिस अधिकारी ने बात भी किया हमें ऐसा लगता है कि पंजाब में उक्त व्यक्ति के पास ही हमारी लड़की है । उसका हमें नाम पता तो नहीं मालूम है इंदौर में मिलने की बात हुई थी फिर उसने मना कर दिया। हम लगातार थाने और प्रशासनिक अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं ,पर अभी तक कुछ हुआ नहीं है अभी नए एसपी से भी हम मिलने वाले थे पर जा नहीं पाए हैं। हम यही चाहते हैं कि हमारी लड़की हमें वापस मिल जायें।

आवारा मवेशी की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दंपति गंभीर रूप से घायल

सिविल अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के कोस्ते मार्ग स्थित पेट्रोल पंप के पास शुक्रवार की सुबह आवारा मवेशियों की धमाचौकड़ी के कारण एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मवेशी की टक्कर से मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई जिससे उस पर सवार नेवारे दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया महाराष्ट्र जिले के ग्राम मुर्री निवासी मदन नेवारे अपनी पत्नी फुलनबाई नेवारे के साथ मोटरसाइकिल से डोंगरमाली होते हुए वारासिवनी आ रहे थे। वे वारासिवनी निवासी महेश नेवारे के निवास पर आयोजित एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे थे। वारासिवनी पहुंचने से ठीक पहले कोस्ते मार्ग पर पेट्रोल पंप के सामने अचानक आवारा मवेशियों की आपाधापी शुरू हो गई। इसी दौरान एक मवेशी ने उनकी मोटरसाइकिल को जोर से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई और दंपति जमीन पर जा गिरे। हादसे में फु लनबाई नेवारे के सिर पर गंभीर चोटें आईं हैं। घटना घटते ही आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों को संभाला और १०८ संजीवनी एंबुलेंस व उनके परिचितों को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिचितों और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को सिविल



अस्पताल वारासिवनी ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया। फुलनबाई के सिर पर गंभीर चोट होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें आगे की जांच के लिए जिला अस्पताल में दिखाने निर्देशित किया है। नगर और आसपास के मुख्य मार्गों पर आवारा मवेशियों की संख्या काफी बढ़ गई है। ये मवेशी हर तरफ घूमते रहते हैं और राहगीरों तथा वाहन चालकों के लिए हादसों का कारण बन रहे हैं। आए दिन आवारा पशुओं की वजह से सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं जिससे नागरिकों की जान पर जोखिम बना रहता है।

राजेश ताम्रकार का निधन आज होगा अंतिम संस्कार



पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वरिष्ठ पत्रकार आनंद ताम्रकार के छोटे भाई राजेश पिता स्व.ठाकुर प्रसाद ताम्रकार का २३ अक्टूबर को अचानक निधन हो गया। वें ६४ वर्ष के थे और पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। वे एक मृदुभाषी और शानदार व्यक्तित्व के धनी थे जिनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। परिजनों के अनुसार उनका अंतिम संस्कार शनिवार को दोपहर १ बजे स्थानीय मोक्ष धाम में किया जाएगा।

नारवांजपार में भव्य सार्वजनिक बैल जोड़ी पट प्रतियोगिता संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्राम पंचायत नारवंजपार में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पारंपरिक रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल शामिल हुए। मध्य भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बेहद लोकप्रिय इस प्रतियोगिता का किसान और ग्रामीण बड़ी बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस बार इस रोमांचक मुकाबले में बालाघाट, सिवनी, भंडारा और अमरावती जिलों के प्रतियोगियों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। कई राउंड चले कड़े मुकाबले के बाद प्रथम पुरस्कार धुर्वे लाइनमैन चिचबांध जोरावर बादल की जोड़ी रही। वहीं द्वितीय पुरस्कार चंदू राजा की जोड़ी आष्टी मोहगांव रही, वहीं अन्य स्थान प्राप्त करने वाली विजयी बैल जोड़ियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया और उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान बैल पट प्रतियोगिता में खैरलांजी मोहाडी क्षेत्र के और वारासिवनी क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रदीप शरणागत, कन्हैया पारधी, धार्मिक इनवाती ,महेश कडपेती,समद खान,सुरेंद्र जैतवार सहित सैकड़ों ग्रामीण और किसान उपस्थित रहे।





सार्वजनिक बैल जोड़ी.पट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के

पात्र शिक्षक संगठन ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

उच्चतम न्यायालय में लंबित याचिका की कमियां समय सीमा में दूर करने की मांग



पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा पात्र शिक्षक संगठन मध्य प्रदेश के तत्वावधान में संगठन ने अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी को प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग भोपाल के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने मध्य प्रदेश शासन के द्वारा उच्चतम न्यायालय में दायर विविध आवेदन मिसलेनियस एप्लीकेशन में दर्ज तकनीकी आपत्तियों का तुरंत निराकरण कराने की मांग उठाई है। शिक्षकों ने सौंपे गए ज्ञापन में बताया की मध्य प्रदेश शासन के द्वारा उच्चतम न्यायालय में २९ जुलाई २०२६ को एक मिसलेनियस एप्लीकेशन प्रस्तुत की गई थी। इस आवेदन में न्यायालय के द्वारा कुल १० डिफेक्ट्स न्यायालयीन आपत्तियां दर्ज की गई हैं ,जिनका समय सीमा के भीतर निराकरण किया जाना अनिवार्य है। आवेदन प्रस्तुत किए जाने की निर्धारित ९० दिवसीय अवधि की अंतिम समय.सीमा अब अत्यंत निकट है। यदि समय रहते इन आपत्तियों को दूर नहीं किया गया तो मामले में आगे की न्यायालयीन और न्यायिक कार्यवाही गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा पात्र शिक्षक संगठन की ओर से भी इसी प्रकरण में एक इंटरलोक्यूटरी एप्लीकेशन दायर की गई है। शासन स्तर पर हो रही देरी के कारण संगठन के द्वारा प्रस्तुत आवेदन की सुनवाई और उसके प्रभावी निराकरण पर भी विपरीत प्रभाव पड़ने की आशंका जताई गई है। पात्र शिक्षक संगठन ने ज्ञापन के जरिए स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से आग्रह है कि प्रकरण की संवेदनशीलता और निकट आती अंतिम तिथि को देखते हुए विधिक प्रकोष्ठ एवं संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए जाएं। उच्चतम न्यायालय के द्वारा दर्ज सभी १० आपत्तियों का बिना किसी विलंब के समय सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। शिक्षकों ने बताया की मध्य प्रदेश शासन द्वारा उच्चतम न्यायालय में दायर विविध आवेदन में न्यायालय द्वारा १० तकनीकी आपत्तियां दर्ज की गई हैं। आवेदन प्रस्तुत किए जाने को ९० दिवसीय अवधि की अंतिम समय सीमा अब बहुत निकट आ चुकी है। यदि शासन और संबंधित विभाग द्वारा इन आपत्तियों का समय रहते निराकरण नहीं किया गया तो मामले की आगे की पूरी न्यायालयीन प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। जिस पर इस देरी का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की पूरी आशंका है। इसीलिए आज हमने एसडीएम कार्यालय वारासिवनी के माध्यम से स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को ज्ञापन सौंपा है। हमारी शासन और विभाग से मांग है कि विधिक प्रकोष्ठ एवं संबंधित अधिकारियों को तुरंत आवश्यक निर्देश जारी कर इन सभी १० डिफेक्ट्स का बिना किसी विलंब के समय सीमा के भीतर निराकरण कराया जाए, ताकि पात्र शिक्षकों के हितों की रक्षा हो सके।

मनोज जरांगे के 500 करोड़ रुपये वाले ऑडियो क्लिप की होगी फॉरेंसिक जांच

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे द्वारा जारी उस कथित ऑडियो क्लिप की फॉरेंसिक जांच कराएगी, जिसमें शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे के माध्यम से जरांगे को 500 करोड़ रुपये देने का दावा किया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि सामने आई ऑडियो रिकॉर्डिंग और बातचीत की जांच वैज्ञानिक तरीके से कराई जाएगी, ताकि मामले की वास्तविकता सामने आ सके। सीएम फडणवीस नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद चुनाव में मतदान करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मामले को लेकर शिवसेना और भाजपा के नेताओं ने भी जांच की मांग की है। जांच के बाद जो तथ्य सामने आएंगे, उन्हें सार्वजनिक किया जाएगा। दरअसल, मराठा आरक्षण आंदोलन से जुड़े जरांगे ने आरोप लगाया था कि उन्हें चुप करने और उनके आंदोलन को कमजोर करने की साजिश रची गई। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर कथित ऑडियो क्लिप जारी की। रिकॉर्डिंग में एक महिला के कथित तौर पर यह दावा करने की बात सामने आई है कि शिवसेना सांसद शिंदे के जरिए जरांगे को 500 करोड़ रुपये दिए गए थे। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जरांगे को अपने आरोप साबित करने की चुनौती दी थी। उन्होंने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने को कहा था। इसके बाद शिवसेना के पदाधिकारियों और विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात कर मामले की जांच की मांग की। सीएम फडणवीस ने ऑडियो क्लिप के सामने आने के समय पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बातचीत कथित तौर पर ढाई साल पुरानी है, इसके बाद अब सार्वजनिक करने के पीछे की मंशा और उद्देश्य की जांच जरूरी है। उन्होंने सवाल किया कि इस मामले में किसे निशाना बनाया जा रहा है और इसके पीछे क्या कारण हैं।

भारतीय सेना को मिला स्वदेशी नागास्त्र-2, 50 किमी दूर तक दुश्मन के टैंकों को करेगा तबाह

नई दिल्ली। भारतीय सेना की मारक क्षमता बढ़ाने की दिशा में स्वदेशी रक्षा तकनीक के क्षेत्र में अहम उपलब्धि हासिल हुई है। नागपुर स्थित सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड ने सेना को स्वदेशी एंटी-टैंक लोइटरिंग म्यूनिशन सिस्टम 'नागास्त्र-2' सौंप दिया है। यह आधुनिक प्रणाली निगरानी और सटीक हमला करने की क्षमता से लैस है। कंपनी के अनुसार, इस युद्धक्षेत्र में दुश्मन के बख्तरबंद वाहनों और टैंकों को निशाना बनाने के लिए तैयार किया गया है। नागास्त्र-2 में दिन और रात दोनों समय निगरानी करने वाले कैमरे लगे हैं। इसमें चार किलोग्राम का टैंडम शेप्ड-चार्ज वॉरहेड है, इस 650 मिलीमीटर तक की रोल्ड होमोजीनियस आर्मर सुरक्षा को भेदने के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी तकनीकी क्षमताएं बख्तरबंद लक्ष्यों के खिलाफ प्रभावी हथियार बनाती हैं। कंपनी के मुताबिक, यह सिस्टम दो परिचालन मोड में काम करता है। रिकवर करके फिर इस्तेमाल किए जाने वाले मोड में इसकी परिचालन दूरी 25 किलोमीटर है, जबकि 'फायर-एंड-फॉरगेट' मोड में यह 50 किलोमीटर तक के लक्ष्य को निशाना बना सकता है। इसकी अधिकतम उड़ान अवधि 60 मिनट तक है। फिर इस्तेमाल की सुविधा से इसकी परिचालन उपयोगिता बढ़ती है। नागास्त्र-2 की प्रमुख विशेषता इलेक्ट्रॉनिक काउंटर-काउंटरमेजर्स क्षमता है। इस इंसतरह के युद्धक्षेत्रों में काम करने के लिए तैयार किया गया है, जहां इलेक्ट्रॉनिक हस्तक्षेप का खतरा रहता है। जीपीएस जैमिंग, जीपीएस स्पूफिंग और संचार व्यवस्था में बाधा जैसी चुनौतियों के बीच इसकी परिचालन क्षमता बनाए रखने पर जोर दिया गया है। सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड के अनुसार, नागास्त्र-2 का विकास देश में स्वदेशी लोइटरिंग म्यूनिशन तकनीक को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लंबी परिचालन दूरी, उन्नत निगरानी और सटीक निशाना लगाने की क्षमता से लैस यह प्रणाली भारतीय सेना की आधुनिक युद्ध संबंधी जरूरतों को पूरा करने में योगदान दे सकती है।

पुंछ में सेना ने 7 संदिग्ध आईईडी बरामद किए, बारामूला में 2 संदिग्ध गिरफ्तार

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सेना ने तलाशी अभियान के दौरान सात संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और 7.62 मिमी लाइट मशीन गन (एलएमजी) की मैगजीन बरामद की हैं। खुफिया जानकारी के आधार पर 156 टेरिटोरियल आर्मी और 37 राष्ट्रीय राइफल्स ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। सूत्रों के मुताबिक, तलाशी के दौरान भूरे टेप से लिपटे छह कंटेनर, नीले टेप से लिपटा एक कंटेनर और एक संदिग्ध मैगजीन कंटेनर मिला। इसके अलावा काला बैग, कॉम्बैट पाउच, पावर अडैप्टर, बिजली का स्रोत, एल्युमिनियम कंटेनर और टिफिन भी बरामद किए हैं। सुरक्षा एजेंसियां बरामद सामग्री की जांच कर रही हैं। इसके पहले 22 अक्टूबर को बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने दो संदिग्ध आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से तुर्किये में बनी कनिक पिस्टल, 10 कारतूस वाली मैगजीन और दो आईईडी बरामद हुए थे। दोनों संदिग्ध सोपोर के चिंकोपोरा इलाके के निवासी हैं। खुफिया सूचना के आधार पर 52 राष्ट्रीय राइफल्स और बारामूला पुलिस ने दोनों को डेलिना घाट के पास डारपुरा नर्सरी इलाके से पकड़ा। उन पर आतंकियों तक हथियार और विस्फोटक पहुंचाने में मदद करने का संदेह है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से जुड़े नेटवर्क पर कार्रवाई लगातार जारी है। पिछले 60 दिनों में 18 संदिग्ध आतंकी मददगारों की गिरफ्तारी की जानकारी भी सामने आई है।

नई दिल्ली में एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन, ज्ञानेश कुमार गद्दी छोड़' के नारे

नई दिल्ली। नई दिल्ली में शुक्रवार को बंगला साहिब गुरुद्वारे के करीब स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के विरोध में सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पोस्टर लेकर उनके इस्तीफे की मांग की और 'ज्ञानेश कुमार गद्दी छोड़' के नारे लगाए। प्रदर्शनकारी चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च निकालने वाले थे, लेकिन पुलिस ने रास्ते में ही उन्हें हिरासत में ले लिया। विरोध प्रदर्शन 'पीपल अगेंस्ट एसआईआर' और छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए) की ओर से आयोजित हुआ। आयोजकों का उद्देश्य मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ विरोध दर्ज कराना है। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन को देखकर यातायात संबंधी एडवाइजरी जारी की। पुलिस के मुताबिक, बंगला साहिब गुरुद्वारे और जंतर-मंतर के आसपास बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की आशंका है। इसके चलते आसपास के मार्गों पर यातायात प्रभावित होने और जाम लगने की संभावना जाहिर की थी। 'पीपल अगेंस्ट एसआईआर' का गठन बीते सप्ताह किया था। इस मंच का उद्देश्य एसआईआर के विरोध में विभिन्न संगठनों और नागरिक समूहों को एकजुट करना है। इसमें नागरिक संगठनों के साथ किसान यूनियनों, मजदूर संगठनों तथा महिला और युवा संगठनों को शामिल किया है।

प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ में परचालित होता मानव

आज का मानव स्वयं को स्वतंत्र मानता है। वह अपनी इच्छानुसार जीवन जीने, निर्णय लेने और अपनी पसंद के अनुसार कार्य करने का दावा करता है, लेकिन यदि उसके विचारों और व्यवहार का गहराई से विश्लेषण किया जाए तो एक अलग ही तस्वीर सामने आती है। व्यक्ति के जीवन का बड़ा हिस्सा दूसरों से प्रभावित होकर संचालित हो रहा है। वह क्या पहने, कैसे रहे, कितना खर्च करे, किस प्रकार का घर बनाए, विवाह में कितना प्रदर्शन करे और समाज में अपनी प्रतिष्ठा कैसे स्थापित करे, इन सभी विषयों पर उसके निर्णयों में दूसरों की भूमिका बढ़ती जा रही है। यही परचालित जीवन है, जिसमें व्यक्ति स्वयं निर्णय लेने के बजाय दूसरों को देखकर अपने जीवन की दिशा निर्धारित करता है। इस परचालित प्रवृत्ति के मूल में प्रतिस्पर्धा का भाव छिपा है। प्रतिस्पर्धा अपने आप में बुरी नहीं है। जब यह व्यक्ति को अपनी योग्यता बढ़ाने, ज्ञान प्राप्त करने, परिश्रम करने और जीवन में बेहतर बनने की प्रेरणा देती है, तब यह विकास का माध्यम बनती है। लेकिन जब प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य अपनी क्षमताओं को निखारने के बजाय दूसरों से आगे निकलना, उन्हें पीछे छोड़ना और उनके बराबर या उनसे अधिक प्रदर्शन करना बन जाता है, तब यही प्रवृत्ति मानसिक अशांति का कारण बन जाती है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति अपनी उपलब्धियों से संतुष्ट होने के बजाय दूसरों की उपलब्धियों से अपनी तुलना करने लगता है। आज समाज में इस मानसिकता के अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं। पड़ोसी ने बड़ा मकान बनाया तो दूसरा व्यक्ति भी अपनी आर्थिक क्षमता का विचार किए बिना बड़ा मकान बनाने की योजना बनाने लगता है। किसी परिचित ने महंगी गाड़ी खरीदी तो दूसरे के मन में भी वैसी ही गाड़ी खरीदने की इच्छा जाग उठती है। किसी परिवार ने विवाह में भव्य सजावट और महंगे आयोजन किए तो दूसरे परिवार को भी उससे अधिक खर्च करने की चिंता सताने लगती है। इस प्रकार आवश्यकताएं पीछे छूट जाती हैं और दिखावे की प्रतिस्पर्धा जीवन का उद्देश्य बन जाती है। दहेज, विवाह समारोहों में अनावश्यक खर्च, आभूषणों का प्रदर्शन, महंगे वस्त्रों की होड़ और सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए किए जाने वाले आडंबरों को इसी दृष्टि से समझने की आवश्यकता है। अनेक बार व्यक्ति अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार निर्णय नहीं लेता, बल्कि यह सोचकर खर्च करता है कि समाज क्या कहेगा। उसे भय रहता है कि यदि उसने दूसरों जैसा आयोजन नहीं किया तो उसकी प्रतिष्ठा कम हो जाएगी। यही भय उसे विवेकपूर्ण निर्णय लेने से रोकता है। परिणामस्वरूप कई परिवार अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च करते हैं और बाद में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करते हैं। प्रश्न उठता है कि आखिर व्यक्ति दूसरों की नकल करने और उनसे आगे निकलने के लिए इतना व्याकुल क्यों रहता है? इसका एक बड़ा कारण सामाजिक स्वीकृति की इच्छा है। प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि लोग उसका सम्मान करें, उसकी प्रशंसा करें और उसे सफल मानें। जब सम्मान का आधार चरित्र, ज्ञान, व्यवहार और सेवा के बजाय धन-संपत्ति तथा बाहरी प्रदर्शन बन जाता है, तब व्यक्ति अपनी वास्तविक पहचान छोड़कर दूसरों की अपेक्षाओं के अनुसार जीने लगता है। वह अपने सुख के लिए नहीं, बल्कि दूसरों को प्रभावित करने के लिए कार्य करता है। दूसरा कारण हीनभावना और असुरक्षा है। जब व्यक्ति अपनी उपलब्धियों को पर्याप्त नहीं मानता और लगातार दूसरों से अपनी तुलना करता रहता है, तब उसके भीतर असंतोष बढ़ता जाता है। उसे लगता है कि उसके पास जो कुछ है, वह दूसरों की तुलना में कम है। यह सोच धीरे-धीरे ईर्ष्या को जन्म देती है। दूसरों की सफलता उसे प्रेरणा देने के बजाय बेचैन करने लगती है। वह अपनी प्रगति पर ध्यान देने के बजाय दूसरे की स्थिति पर नजर रखने लगता है।

संयुक्त राष्ट्र की एमिशन गैप रिपोर्ट 2026 ने बजाई खतरे की घंटी!

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ आज विकास, आधुनिकता और तकनीकी प्रगति के नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है,लेकिन इसी विकास की कीमतहमारा ग्रह बढ़ते तापमान, भीषण गर्मी,अनियमित वर्षा,बाढ, सूखे और चरम मौसमी घटनाओं के रूप में चुका रहा है।वैश्विक मंचों पर जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं, अंतरराष्ट्रीय समझौते किए जा रहे हैं और कार्बन उत्सर्जन घटाने के संकल्प दोहराए जा रहे हैं, लेकिन इन प्रयासों की रफ्तार जलवायु संकटकी गंभीरता के अनुरूप नहीं है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि इसी चिंताजनक स्थिति के बीच संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने बुधवार दिनांक 21 अक्टूबर 2026 को अपनी नई इमिशयंस गैप रिपोर्ट 2026- द पॉइंट ऑफ रिटर्न जारी की है।रिपोर्ट का संदेश स्पष्ट है दुनियाँ के सामने अब केवल ग्लोबल वार्मिंग को रोकने की चुनौती नहीं,बल्कि तापमान में होने वाली संभावित वृद्धि को सीमित करने और भविष्य में उसे फिर से सुरक्षित स्तर तक लाने की कठिन परीक्षा भी है। रिपोर्ट के अनुसार,औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर की तुलना में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य बिना या बहुत सीमित सीमा तक तापमान बढ़ने की स्थिति में हासिल करना अब संभव नहीं रह गया है। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि मानवता के पास कुछ करने का अवसर समाप्त हो गया है।अब सबसे बड़ी जरूरत तापमान में होने वाली अतिरिक्त वृद्धि को न्यूनतम रखने, उसके दुष्प्रभावों को कम करने और इस सदी के अंत तक तापमान को दोबारा 1.5 डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे लाने की दिशा में ठोस कार्रवाई करने की है। साथियों बात अगर हम 1.5 डिग्री का लक्ष्य क्यों बना दुनियाँ के लिए सबसे बड़ी चिंता? को समझने की करें तो अब पेरिस जलवायु समझौते के तहत दुनियाँ के देशों ने वैश्विक तापमान वृद्धि को औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर की तुलना में 2 डिग्री सेल्सियस से काफी नीचे रखने और इसे 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के प्रयास करने का संकल्प लिया था। लेकिन वर्षों से जारी अपर्याप्त जलवायु कार्रवाई ने परिस्थितियों को बेहद गंभीर बना दिया है। यूएनईपी की 2026 की रिपोर्ट बताती है कि 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को बिना या बहुत सीमित ओवरशूट के भीतर बनाए रखने की संभावना अब समाप्त हो चुकी है। इसका मतलब है कि आने वाले दशकों में तापमान इस सीमा से ऊपर जा सकता है।हालांकि वैज्ञानिकआकलन यह भी बताता है कि अगर उत्सर्जन में तेजी से और बड़े पैमाने पर कटौती की जाए, तो तापमान में अधिकतम वृद्धि को सीमित करना और इस सदी के अंत तक फिर से 1.5 डिग्री सेल्सियस के स्तर पर लौटने की लगभग 50 प्रतिशत संभावना वाला रास्ता अभी भी मौजूद है।रिपोर्ट के सबसे कम संभावितओवरशूट वाले परिदृश्य में मध्य शताब्दी के आसपास तापमान वृद्धि लगभग 1.7 से 1.8 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने की परिकल्पना की गई है। लेकिन इस दिशा में सफलता हासिल करने के लिए दुनिया को केवल घोषणाएं नहीं,बल्कि अभूतपूर्व गति से वास्तविक उत्सर्जन कटौती करनी होगी। साथियों बात अगर हम 2030, 2035 और 2040 के लिए संयुक्त राष्ट्र का सबसे बड़ा अल्टीमेटम को समझने की करें तो,रिपोर्ट का सबसे महत्वपूर्ण और चिंताजनक पहलू ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लिए निर्धारित समयसीमा है। यूएनईपी के मुताबिक, तापमान वृद्धि को न्यूनतम रखने और भविष्य में 1.5 डिग्री सेल्सियस तक लौटने के सबसे कम ओवरशूट वाले परिदृश्य के लिए वर्ष 2025 के स्तर की तुलना में वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 2030 तक 18 प्रतिशत, 2035 तक 45 प्रतिशत और 2040 तक 69 प्रतिशत की कटौती आवश्यक होगी। इन आंकड़ों का सीधा अर्थ है कि दुनिया के देशों को आने वाले वर्षों में अपने ऊर्जा उत्पादन, उद्योग,परिवहन,भवन निर्माण और कृषि संबंधी गतिविधियों में बड़े बदलाव करने होंगे।जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम किए बिना और स्वच्छ ऊर्जा के विकल्पों को तेजी से अपनाए बिना इतनी बड़ी कटौती करना संभव नहीं होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उत्सर्जन में कटौती का लक्ष्य केवल कागजों पर निर्धारित करना पर्याप्त नहीं है। सरकारों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि घोषित नीतियों का वास्तविक परिणाम कार्बन उत्सर्जन में दिखाई दे। समय निकलने के साथ चुनौती और कठिन होती जाएगी, क्योंकि जितनी देर से कटौती शुरू होगी, उतनी ही तेजी से और अधिक कठोर कदम उठाने पड़ेंगे। साथियों बात अगर हम मौजूदा नीतियां जारी रहीं तो 2.8 डिग्री तक पहुंच सकता है तापमान को समझने की करें तो,जलवायु संकट की गंभीरता समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि वर्तमान नीतियों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के आधार पर दुनिया किस दिशा में बढ़ रही है। उपलब्ध आकलनों के अनुसार, यदि मौजूदा नीतियां बिना बड़े बदलाव के जारी रहती हैं, तो इस सदी के अंत तक वैश्विक तापमान वृद्धि लगभग 2.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकती है। यदि देशों की घोषित जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरी तरह लागू कर दिया जाए, तब भी तापमान वृद्धि लगभग 2.6 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। यह स्थिति पेरिस समझौते के लक्ष्यों से काफी दूर है। यहां सबसे बड़ी समस्या संकल्प और क्रियान्वयन के बीच का अंतर है। दुनिया के अनेक देश नवीकरणीय ऊर्जा, कार्बन उत्सर्जन में कमी और नेट-जीरो के लक्ष्य घोषित कर चुके हैं,लेकिन मौजूदा प्रतिबद्धताएं उस स्तर की कटौती सुनिश्चित नहीं करतीं जिसकी वैज्ञानिक दृष्टि से आवश्यकता है। यही अंतर एमिशन गैप कहलाता है यानी जितना उत्सर्जन वास्तव में होने की आशंका है और जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जितना उत्सर्जन होना चाहिए, उनके बीच की खाई। इस खाई को पाटने के लिए सरकारों को अल्पकालिक लक्ष्यों, निवेश, ऊर्जा नीतियों और जवाबदेही को एक साथ मजबूत करना होगा। साथियों बात अगर हम जलवायु परिवर्तन के बढ़ते दुष्परिणाम- खतरे की घंटी बज चुकी है, इसको समझने की करें तो,वैश्विक तापमान में वृद्धि केवल पर्यावरण से जुड़ा आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों के भविष्य से जुड़ा हुआ प्रश्न है। तापमान बढ़ने से भीषण गर्मी की घटनाओं का जोखिम बढ़ता है और लंबे समय तक चलने वाली गर्म लहरें मानव स्वास्थ्य तथा श्रम उत्पादकता को प्रभावित कर सकती हैं। दूसरी ओर, कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है, जबकि दूसरे क्षेत्रों में सूखे और जल संकट की स्थिति गंभीर हो सकती है। कृषि उत्पादन पर पड़ने वाले प्रभाव खाद्य पदार्थों की उपलब्धता और कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं। समुद्र के स्तर में वृद्धि तटीय क्षेत्रों और वहां रहने वाली आबादी के सामने नई चुनौतियां खड़ी करती है। इन प्रभावों का बोझ सभी देशों और समुदायों पर समान रूप से नहीं पड़ता। सीमित संसाधनों वाले देश, कमजोर बुनियादी ढांचे वाले क्षेत्र और जलवायु के प्रति संवेदनशील समुदाय अक्सर अधिक जोखिम झेलते हैं। इसलिए जलवायु कार्रवाई का अर्थ केवल उत्सर्जन घटाना नहीं है, बल्कि बाढ़ नियंत्रण, जल संरक्षण, टिकाऊ कृषि, समय पर चेतावनी प्रणालियों और जलवायु-अनुकूल बुनियादी ढांचे में निवेश करना भी है। साथियों बात अगर हम भारत की जलवायु प्रतिबद्धताएं लक्ष्य क्या हैं और प्रगति कितनी हुई? इसको समझने की करें तो,भारत जैसे विशाल और तेजी से विकसित होते देश के लिए जलवायु परिवर्तन से निपटना एक बहुआयामी चुनौती है। एक तरफ देश को करोड़ों लोगों की ऊर्जा आवश्यकताएं पूरी करनी हैं,उद्योगों और परिवहन का विस्तार करना है तथा आर्थिक विकास को गति देनी है; दूसरी तरफ उत्सर्जन घटाने और पर्यावरणीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी निभानी है। भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरोउत्सर्जन का दीर्घकालिक लक्ष्य घोषित किया है। इसके साथ ही भारत की अद्यतन राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित जलवायु प्रतिबद्धताओं (एनडीसी 3.0) में 2035 तक वर्ष 2005 के स्तर की तुलना में सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता में 47 प्रतिशत कमी और कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता में गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्त्रोतों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य शामिल है।

उत्सर्जन तीव्रता में कमी का अर्थ है कि अर्थव्यवस्था के प्रत्येक इकाई उत्पादन के लिए होने वाला उत्सर्जन घटाया जाए; यह कुल उत्सर्जन में उसी अनुपात की कमी होने के समान नहीं है।भारत सरकार के अनुसार, वर्ष 2022 तक की उत्सर्जन तीव्रता में 2005 की तुलना में 37.38 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई थी। इसके अतिरिक्त, जून 2025 में स्थापित बिजली क्षमता में गैर-जीवाश्म स्त्रोतों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक हो गई थी और 30 जून 2026 तक यह 54.18 प्रतिशत बताई गई। वर्ष 2005 से 2022 के बीच अतिरिक्त कार्बन सिंक का निर्माण 2.44 अरब टन सीओ २- समतुल्य आंका गया, जबकि 2030 तक 2.5 से 3 अरब टन का लक्ष्य रखा गया है। ये उपलब्धियां प्रगति का संकेत देती हैं, लेकिन आगे की राह में ऊर्जा परिवर्तन, वन संरक्षण और वास्तविक उत्सर्जन कटौती पर निरंतर काम करना जरूरी है। साथियों बात अगर हम वैश्विक पर्यावरण सूचकांक में भारत की स्थिति- उपलब्धियों के साथ गंभीर सवाल को समझने की करें तो, भारत की जलवायु नीति का मूल्यांकन करते समय उसके घोषित लक्ष्यों और हासिल की गई प्रगति को देखना जरूरी है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सूचकांक भी कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं। येल विश्वविद्यालय के पर्यावरण कानून एवं नीति केंद्र से जुड़े शोधकर्ताओं द्वारा तैयार इंविरोंमेन्टल परफॉरमेंस इंडेक्स 2026 में भारत को 177 देशों में 176 वां स्थान मिला और उसका कुल स्कोर 100 में से 22.46 रहा। जलवायु परिवर्तन शमन श्रेणी में भारत 130 वें स्थान पर था। यह सूचकांक वायु गुणवत्ता, पर्यावरणीय स्वास्थ्य, पारिस्थितिकी तंत्र और जलवायु संबंधी कई संकेतकों को मिलाकर तैयार किया जाता है। इसलिए इसे केवल कार्बन उत्सर्जन या किसी एक जलवायु लक्ष्य की उपलब्धि का सूचक नहीं समझना चाहिए। भारत की इस रैंकिंग से स्पष्ट होता है कि आर्थिक विकास और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में प्रगति के बावजूद पर्यावरणीय प्रदर्शन में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। साथ ही, किसी देश की कुल रैंकिंग को समझते समय उसकी पद्धति, संकेतकों और राष्ट्रीय परिस्थितियों को भी ध्यान में रखना चाहिए। भारत के लिए चुनौती यह है कि गैर-जीवाश्म बिजली क्षमता में बढ़ोतरी को वास्तविक स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, कोयले पर निर्भरता में क्रमिक कमी, वायु प्रदूषण नियंत्रण, वन संरक्षण और उत्सर्जन में मापनीय गिरावट के साथ जोड़ा जाए।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

जानलेवा होती हवा-सर्दियों से पहले ही प्रदूषण की चुनौती

-ललित गर्ग

सर्दियों ने अभी पूरी तरह दस्तक भी नहीं दी है कि देश के अनेक शहरों की हवा में प्रदूषण का जहर घुलने लगा है। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का तेजी से बिगड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदूषण का संकट अब केवल सर्दियों की मौसमी समस्या नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर-नवंबर में दमघोंटू धुंध, आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विडंबना यह है कि समस्या के कारणों की पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम हर वर्ष उसी त्रासदी



को दोहराने के लिए विवश दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ हवा में सांस लेना भी अब नागरिकों के लिए एक दुर्लभ सुविधा बनकर रह जाएगा? वायु प्रदूषण किसी एक कारण या किसी एक राज्य की देन नहीं है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, कचरा और जैविक पदार्थ जलाना, ताप विद्युत संयंत्रों से होने वाला उत्सर्जन तथा कृषि अवशेषों का दहन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। सर्दियों में तापमान गिरने, हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। इससे प्रदूषण का प्रभाव अधिक गंभीर हो जाता है। इस प्रकार मौसम समस्या को बढ़ाता अवश्य है, लेकिन प्रदूषण पैदा करने वाले मूल कारण मुख्यत: मानवीय गतिविधियों और उनके अपर्याप्त नियमन से जुड़े हैं। दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक-दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। हवा किसी प्रशासनिक सीमा को नहीं मानती, वह प्रदूषण को भी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाती है। अत: समाधान भी क्षेत्रीय सहयोग, साझा जवाबदेही और समन्वित कार्ययोजना पर आधारित होना चाहिए। वायु प्रदूषण का सबसे भयावह पक्ष उसका स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव है। विशेष रूप से पीएम 2.5 जैसे अत्यंत सूक्ष्म कण फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में रक्तप्रवाह तक प्रवेश कर सकते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से हृदय एवं फेफड़ों संबंधी बीमारियों, स्ट्रोक और समयपूर्व मृत्यु का जोखिम बढ़ता है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पहले से बीमार लोगों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है। यह संकट केवल सांस के मरीजों तक सीमित नहीं है। स्वस्थ दिखाई देने वाले लोगों की कार्यक्षमता, एकाग्रता और जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को खुले मैदान में खेलने से रोकना पड़े, बुजुर्ग सुबह की सैर छोड़ने को विवश हों और श्रमिकों को जहरीली हवा में काम करना पड़े, तो यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जीवन की गरिमा और नागरिकों के स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। एयर प्यूरीफायर या मास्क कुछ परिस्थितियों में व्यक्तिगत बचाव में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे स्वच्छ हवा की सार्वजनिक व्यवस्था का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण बढ़ने पर ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू करना आवश्यक है। इसके अंतर्गत प्रदूषण की गंभीरता के अनुसार निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध, वाहनों और उद्योगों पर नियंत्रण तथा अन्य आपातकालीन कदम उठाए जाते हैं। लेकिन इन उपायों की सफलता केवल आदेश जारी करने से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और निरंतर निगरानी से सुनिश्चित होती है। यदि प्रतिबंधों का उल्लंघन होता रहे, निर्माण स्थलों पर धूल उड़ती रहे और कचरा खुले में जलता रहे, तो सरकारी घोषणाएं अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकतीं। सरकार को प्रदूषण के चरम पर पहुंचने की प्रतीक्षा करने के बजाय सितंबर-अक्टूबर से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। प्रदूषण के स्त्रोतों की पहचान, औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण, सड़कों की नियमित सफाई, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण और वाहनों के उत्सर्जन की जांच पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई करना दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। कृषि क्षेत्र में पराली जलाने की समस्या का समाधान किसानों पर जुर्माना लगाने भर से नहीं होगा। उन्हें फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए सस्ती मशीनें, तकनीकी सहायता, आर्थिक प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर उपयोग की सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। किसानों को समस्या का भागीदार नहीं, समाधान का सहयोगी बनाना होगा। प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। नागरिकों को निजी वाहनों का अनावश्यक उपयोग कम करने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने, कचरा और पत्तियां न जलाने तथा ऊर्जा की बचत करने जैसे कदम उठाने होंगे। पर्यावरण संबंधी नियमों के उल्लंघन की सूचना संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना और स्थानीय स्तर पर स्वच्छता एवं हरित क्षेत्र बढ़ाने के प्रयासों में भाग लेना भी आवश्यक है। मीडिया, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों को जनजागरूकता अभियान चलाने चाहिए, ताकि स्वच्छ हवा का महत्व केवल प्रदूषण के चरम पर ही याद न आए। साथ ही, वायु गुणवत्ता के आंकड़े पारदर्शी ढंग से सार्वजनिक किए जाएं और नागरिकों को प्रदूषण के स्तर के अनुरूप स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी जाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकारें, उद्योग, किसान और नागरिक अपनी-अपनी जिम्मेदारियों से पीछे न हटें। चीन के बीजिंग जैसे शहरों में प्रदूषण घटाने के अनुभव यह बताते हैं कि निरंतर नीतिगत प्रयास, स्वच्छ परिवहन, औद्योगिक नियंत्रण और प्रभावी निगरानी से उल्लेखनीय सुधार संभव है। भारत को भी अपनी परिस्थितियों के अनुरूप ऐसे उपायों को दृढ़ता से लागू करना होगा। हर साल सर्दियों में प्रदूषण से जूझना और फिर मौसम बदलने पर समस्या को भूल जाना किसी भी संवेदनशील समाज की नियति नहीं हो सकती। स्वच्छ हवा कोई विलासिता नहीं, जीवन की बुनियादी आवश्यकता है। यदि आज ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसलिए प्रदूषण का मुकाबला संकट गहराने के बाद नहीं, उससे पहले करना होगा। सरकार की सक्रियता, प्रशासन की जवाबदेही और जनता की जागरूकता ही वह त्रिकोण है, जिसके आधार पर हम दमघोंटू हवा से मुक्ति की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ-भूमिका एवं वर्तमान प्रासंगिकता

शांति, सुरक्षा और मानवता की रक्षा बहुत ही जरूरी है और द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका ने विश्व समुदाय को यह एहसास कराया कि इन सबकी रक्षा के लिए विश्वे में एक प्रभावी, मजबूत एवं निष्पषक्ष अंतरराष्ट्रीय संगठन का होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई। पाठकों को बताता चलूं कि वर्तमान में इस संगठन के 193 सदस्य देश हैं। कहना गलत नहीं होगा कि यू0एन0ए0(संयुक्त राष्ट्र संघ) केवल राष्ट्रों का ही संगठन नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शांति, बहुपक्षवाद, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और साझा मानव भविष्य की सामूहिक आकांक्षा का प्रतीक है। आज जब पूरा विश्व युद्ध, भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता, जलवायु संकट, आतंकवाद, आर्थिक असमानता और विभिन्नस तकनीकी एवं अन्यआ चुनौतियों का लगातार सामना कर रहा है, तब संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और प्रासंगिकता पर विचार करना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

संयुक्त राष्ट्र संघ की मुख्य्र भूमिका-

इस संगठन की भूमिका के बारे में यदि हम यहां पर चर्चा करें तो इसका काम विश्व के विभिन्नि देशों के बीच आपसी सहयोग और मित्रता को बढ़ावा देना है। पाठक जानते होंगे कि यह संगठन अंतरराष्ट्रीय विवादों को बातचीत के माध्यम से सुलझाने या यूं कहें कि देशों के बीच विवादों का शांतिपूर्ण समाधान, कूटनीतिक संवाद, शांति स्थापना और संघर्षों की रोकथाम करने, युद्धों को रोकने, मानवाधिकारों की रक्षा करने(मानव गरिमा, स्वतंत्रता, समानता तथा भेदभावरहित समाज की स्थापना को प्रोत्साहन) तथा गरीब और जरूरतमंद देशों की सहायता करने में (गरीबी, भुखमरी, अशिक्षा और असमानता को कम करने में सहयोग) या यूं कहें कि वैश्विक सामाजिक-आर्थिक विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इतना ही नहीं यह संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी कार्य करता है। इसके अलावा, यह प्राकृतिक आपदाओं और मानवीय संकटों(जैसे कि युद्ध, विस्थापन, महामारी और प्राकृतिक आपदाओं) के समय प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करता है। अंतरराष्ट्रीय कानून का विकास करने में भी इस संगठन की भूमिका बहुत ही महत्तसवपूर्ण है। दरअसल, यह संगठन राष्ट्रों के बीच नियम-आधारित व्यवस्था, संधियों और कानूनी सहयोग को प्रोत्साहित करता है। इसके अतिरिक्तध, जलवायु परिवर्तन से निपटने, जैव-विविधता बचाने और सतत विकास को बढ़ावा देने या यूं कहें कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी इस संगठन की भूमिका बहुत विशेष है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में ही नहीं, विभिन्नि वैश्विक समस्याओं जैसे कि स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, साइबर सुरक्षा तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी चुनौतियों पर सामूहिक कार्रवाई के लिए भी यह संगठन मंच उपलब्ध कराता है। कुल मिलाकर, यह बात की जा सकती है कि, संयुक्त राष्ट्र विश्व में शांति, सुरक्षा, समानता और सहयोग स्थापित करने का प्रयास करता है।

वर्तमान समय में संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता-

आज संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता केवल उसके उद्देश्यों से नहीं, बल्कि इस बात से निर्धारित होती है कि वह बदलती विश्व व्यवस्था की चुनौतियों का समाधान कितनी प्रभावशीलता से कर पाता है। जैसा कि इस आलेख में पूर्व में भी चर्चा कर चुका हूं कि यहे संगठन वैश्विक शांति एवं सुरक्षा के लिए काम करता है। कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया के संघर्ष और अन्य क्षेत्रीय संकटों के बीच संयुक्त राष्ट्र कूटनीतिक संवाद, मानवीय सहायता तथा शांति स्थापना के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। हालाँकि, यह बात अलग है कि सुरक्षा परिषद में महाशक्तियों के मतभेद इसकी प्रभावशीलता को सीमित करते हैं। बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में संतुलन भी इस संगठन का प्रमुख कार्य है। आज विश्वक में विकासशील देशों की संख्यास बढी है एवं विश्व में अनेक शक्तियां उभरकर सामने आ रहीं हैं, ऐसे समय में इस संगठन ने सभी देशों को संवाद का अवसर देकर अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सामूहिक निर्णय-प्रक्रिया को मजबूत करने का काम किया है।सतत विकास एवं सामाजिक न्याय की दिशा में इस संगठन की भूमिका की बात करें तो इसके सतत विकास लक्ष्य गरीबी उन्मूलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के लिए साझा वैश्विक दिशा प्रदान करते हैं। इतना ही नहीं, आज के समय में, जलवायु परिवर्तन किसी एक देश की समस्या नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के अस्तित्व से जुड़ी चुनौती है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ताओं और अंतरराष्ट्रीय समझौतों के माध्यम से देशों को साझा जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। मानवाधिकार एवं मानवीय गरिमा के क्रम में शरणार्थियों, महिलाओं, बच्चों, अल्पसंख्यकों तथा संघर्ष प्रभावित नागरिकों के अधिकारों की रक्षा में संयुक्त राष्ट्र की संस्थाएँ महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और यह बात किसी से छिपी नहीं है। इतना ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआइ), साइबर अपराध, डिजिटल असमानता और महामारी जैसी सीमापार चुनौतियों के क्रम में बहुपक्षीय विमर्श को लगातार प्रोत्साहित करता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ के समक्ष मौजूद चुनौतियाँ-

कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान समय में यह संगठन कई अभूतपूर्व और जटिल चुनौतियों का सामना कर रहा है। आज तेजी से बदलती वैश्विक व्यवस्था, महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता और नए प्रकार के संकटों ने इसके कामकाज और प्रासंगिकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सुरक्षा परिषद में प्रमुख शक्तियों द्वारा वीटो पावर के दुरुपयोग और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के कारण यह वैश्विक संघर्षों में त्वरित निर्णय लेने में अक्सर विफल रहता है।सरल शब्दों में कहें तो पाँच स्थायी सदस्यों की विशेष शक्ति सुरक्षा परिषद में सामूहिक कार्रवाई को बाधित कर सकती है। इसके अतिरिक्त, 1945 के पुराने ढांचे में वर्तमान विश्व व्यवस्था के अनुसार उचित प्रतिनिधित्व का अभाव है, जिसके ढांचागत सुधार की मांग लगातार हो रही है। यह संस्था गहरे वित्तीय संकट, संसाधनों की कमी, जटिल नौकरशाही(प्रशासनिक जटिलताएँ) और सदस्य देशों द्वारा राष्ट्रीय संप्रभुता के नाम पर मानवीय हस्तक्षेप के विरोध जैसी समस्याओं से भी जूझ रही है। साथ ही, जलवायु परिवर्तन, साइबर खतरे, आतंकवाद और वैश्विक महामारियों जैसी 21वीं सदी की नई बहुआयामी समस्याओं पर सभी 193 सदस्य देशों के बीच आम सहमति बनाना इसके लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। वास्तेव में, निर्णयों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सदस्य देशों की राजनीतिक इच्छाशक्ति और सहयोग आवश्यक है। इन चुनौतियों के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की दिशा में अंतर-सरकारी वार्ताएँ जारी हैं। यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि वर्ष 2026 में भी सुरक्षा परिषद की अधिक प्रतिनिधिपूर्ण और प्रभावी संरचना के लिए सुधार पर चर्चा जारी है।

आगे की राह- संयुक्त राष्ट्र को अधिक प्रभावी कैसे बनाया जाए ?

वास्तीव में, आज सुरक्षा परिषद का विस्तार कर एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व बढ़ाये जाने की आवश्य कता है। सच तो यह है कि पांच बड़े देशों (अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस) को मिले वीटो (विशेषाधिकार) या यूं कहें कि किसी भी फैसले को अकेले रोक देने का विशेष अधिकार को सीमित करना होगा। कम से कम युद्ध, आतंकवाद या बड़े मानवाधिकार हनन के मामलों में किसी एक देश को फैसला रोकने का अधिकार नहीं होना चाहिए। वीटो शक्ति के दुरुपयोग को सीमित करने के उपाय विकसित किए जाने की भी आवश्यशकता महत्तीक है। आज भी सुरक्षा परिषद में 1945 के समय के कुछ गिने-चुने ताकतवर देशों का ही दबदबा है। इसे सही मायनों में दुनिया का प्रतिनिधि बनाने के लिए भारत और अफ्रीकी महाद्वीप जैसे नए सदस्यों को भी स्थायी जगह मिलनी चाहिए। वास्तीव में, ताकतवर देशों के वीटो पावर (किसी भी फैसले को अकेले रोक देने का विशेष अधिकार) पर लगाम लगनी चाहिए, जिसके कारण अक्सर दुनिया की भलाई के अहम फैसले अटक जाते हैं। इसके अतिरिक्तस, आज शांति स्थापना और संघर्षों की रोकथाम के लिए कूटनीतिक तंत्र को मजबूत करने, विकासशील देशों को वैश्विक आर्थिक एवं तकनीकी निर्णयों में अधिक भागीदारी दिये जाने, वित्तीय पारदर्शिता, जवाबदेही और संस्थागत दक्षता में सुधार किये जाने के साथ ही साथ मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुपालन में दोहरे मानदंडों से भी बचने की आवश्याकता है। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र जो भी नियम बनाए या इसकी अंतरराष्ट्रीय अदालत जो भी फैसला दे, उसे सभी देशों से सख्ती से मनवाने का कोई ठोस तरीका होना चाहिए, ताकि इसके फैसले सिर्फ कागजी सलाह बनकर न रह जाएं। अभी यह संगठन अपने फंड के लिए कुछ अमीर देशों पर बहुत ज्यादा निर्भर है, जिसका फायदा उठाकर वे देश इसकी नीतियों पर दबाव डालते हैं। अगर सभी देश अपना हिस्सा समय पर दें, तो यह बिना किसी दबाव के काम कर सकेगा। इसके अलावा, इसके कार्यालयीन कामकाज को और अधिक तेज व त्वरित करने की सख्त जरूरत है ताकि किसी आपदा, अकाल या युद्ध के समय प्रभावित लोगों तक तुरंत मदद पहुंचाई जा सके। इसकी पीसकीपिंग फोर्स(शांति बनाए रखने वाली सेनाओं) को भी आज की आधुनिक तकनीक से लैस करने की जरूरत है, ताकि वे केवल मूक दर्शक न रहें और आतंकवाद या आधुनिक युद्धों का डटकर सामना कर सकें। आज दुनिया के सामने जलवायु परिवर्तन, जल संकट, साइबर खतरे और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) जैसी बिल्कुल नई चुनौतियां हैं। संयुक्त राष्ट्र को इन मुद्दों पर सिर्फ बैठकें करने या लक्ष्य तय करने के बजाय सख्त अंतरराष्ट्रीय नियम बनाने होंगे, जिन्हें तोड़ने वाले देशों पर कार्रवाई हो सके।

-सुनील कुमार महला

कच्चे तेल में भारी उछाल, घरेलू ईंधन महंगा होने का खतरा

दिल्ली। एजेंसी। भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति चिंताओं के बीच कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में लगातार जबरदस्त उछाल देखा जा रहा है। ब्रेंट क्रूड 114 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है, जिससे घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने की आशंका तेज हो गई है। यह लगातार तीसरा हफ्ता है जब ब्रेंट क्रूड की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई है और बीते एक हफ्ते में इसमें 8 फीसदी तक का उछाल आया है। हालिया आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 0.45 फीसदी बढ़कर 114.02 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.42 फीसदी उछलकर 100 डॉलर पर पहुंच गया। इस तेजी के पीछे कई भू-राजनीतिक कारक जिम्मेदार हैं। दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल सप्लायर सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच जारी संघर्ष एक प्रमुख कारण है। हूती समूह लाल सागर के महत्वपूर्ण शिपिंग रूट बाब अल-मंदेब की ओर बढ़ रहा है, जो स्वेज नहर के माध्यम से एशिया को यूरोप से जोड़ता है। इसी मार्ग से दुनिया के लगभग 10 फीसदी से 12 फीसदी समुद्री तेल का व्यापार होता है। इस मार्ग के बाधित होने की आशंका ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिससे मालभाड़े की लागत और रिटेल स्तर पर पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने की संभावना है। सऊदी अरामको ने सुरक्षा कारणों से अपने धहरान स्थित मुख्यालय को भी खाली करने का आदेश दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और इजरायल एक बार फिर ईरान पर नए सिरे से हमले की योजना बना रहे हैं, जिसके लिए दोनों देशों की सेनाएं अभ्यास कर रही हैं। इजरायली वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने सीरिया और इराक के एयरस्पेस का उपयोग करते हुए ईरान की सीमा तक एक बड़ी अभ्यास उड़ान भी भरी है।

अहमदाबाद में सीएनजी महंगी, अडानी गैस ने 4.45 रुपए बढ़ाई कीमत

नई दिल्ली। एजेंसी। दीवाली से ठीक पहले अहमदाबाद के लाखों ड्राइवरों और आम जनता को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगा है। अडानी गैस ने कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमत में 4.45 रुपये प्रति किलोग्राम की अचानक बढ़ोतरी कर दी है। इस वृद्धि के बाद अहमदाबाद में अडानी सीएनजी की नई कीमत बढ़कर 98.47 रुपये प्रति किलो हो गई है, जिससे त्योहारों के इस मौसम में लोगों का बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अहमदाबाद में दीवाली जैसे बड़े त्योहार से ठीक पहले अडानी गैस द्वारा सीएनजी की कीमतों में की गई यह वृद्धि रिक्शा चालकों और रोज की कमाई पर निर्भर रहने वाले वाहन चालकों की जेब पर सीधा असर डालेगी। त्योहारों के दिनों में खरीदारी और घूमने-फिरने की योजना बना रहे आम लोगों को भी अब अपनी जेब और ढीली करनी पड़ेगी। यह इस साल की दूसरी बड़ी बढ़ोतरी है। इससे पहले अगस्त 2023 में भी कंपनी ने सीएनजी की कीमत में 4 रुपये प्रति किलो की वृद्धि की थी, जिससे उस समय दाम 94.20 रुपये तक पहुंच गए थे। लगातार बढ़ती कीमतों से खासकर ऑटो-रिक्शा चालकों में भारी नाराजगी और गुस्सा देखा जा रहा है। उनका तर्क है कि गैस की कीमत लगातार बढ़ रही है, लेकिन ट्रांसपोर्ट कमिश्नर इसके मुकाबले रिक्शा किराए में पर्याप्त बढ़ोतरी को मंजूरी नहीं दे रहे हैं। पहले भी किराया बढ़ोतरी और ऑनलाइन कैब/रिक्शा एप्लीकेशन के विरोध में रिक्शा चालकों ने हड़ताल की थी। दीवाली के समय हुई इस नई कीमत बढ़ोतरी से रिक्शा चालकों समेत आम वाहन चालकों का घरेलू बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अडानी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) के एक प्रवक्ता ने इस बढ़ोतरी को जायज ठहराते हुए कहा है कि प्राकृतिक गैस की खरीद लागत में भारी वृद्धि के कारण यह कदम उठाना आवश्यक हो गया था। कंपनी ने घरेलू गैस की कम उपलब्धता, सप्लाई में कटौती और भू-राजनीतिक तनाव के चलते वैश्विक स्तर पर गैस की कीमतों में उछाल आने को लागत में वृद्धि का मुख्य कारण बताया। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद, कंपनी उपभोक्ताओं पर पड़ने वाले असर को कम करने और सीएनजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है।

ड्राइविंग लाइसेंस अब और मुश्किल, पासिंग मार्क्स बढ़े

नई दिल्ली। एजेंसी। ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करना अब और चुनौतीपूर्ण होने वाला है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सुरक्षित ड्राइविंग सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु न्यूनतम अंक 60 फीसदी से बढ़ाकर 75 फीसदी करने का प्रस्ताव किया है। इसके साथ ही, कई प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और कुछ सेवाओं को निशुल्क करने की भी तैयारी है, जिससे आवेदकों को सुविधा मिलेगी। मंत्रालय द्वारा जारी मसौदे के अनुसार सुरक्षित ड्राइविंग हेतु न्यूनतम 30 मिनट का एक अनिवार्य ऑनलाइन पाठ्यक्रम भी पास करना होगा। इन बदलावों का उद्देश्य सड़क सुरक्षा में सुधार लाना है। अच्छी खबर यह है कि आधार से सत्यापित कुछ चुनिंदा ऑनलाइन लाइसेंस सेवाओं के लिए शुल्क में छूट देने का भी प्रस्ताव है। साथ ही, लाइसेंस में नाम और पते में बदलाव के लिए अब कोई शुल्क नहीं लगेगा। लाइसेंस विवरण में बदलाव के आवेदनों पर 15 दिन के भीतर निर्णय लेना अनिवार्य होगा, और अस्वीकृति की स्थिति में कारण भी बताने होंगे। पहचान, आयु और निवास के प्रमाण के रूप में आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र, ई-राशन कार्ड और जन्म प्रमाणपत्र जैसे दस्तावेज स्वीकार किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, सभी नए और नवीनीकृत होने वाले ड्राइविंग लाइसेंस अब फॉर्म-7 के तहत लैमिनेटेड या पीवीसी कार्ड के रूप में जारी किए जाएंगे। मंत्रालय ने इन मसौदा नियमों पर संबंधित पक्षों से 30 दिन के भीतर आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए हैं।

रुपया तीन पैसे चढ़कर 94.78 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई। एजेंसी। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ तीन पैसे चढ़कर 94.78 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निकासी से घरेलू मुद्रा की बढ़त सीमित रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर डॉलर की मजबूती और ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों के 113 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बने रहने सहित लगातार बनी व्यापक आर्थिक चुनौतियों के कारण रुपये पर दबाव है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.78 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव के मुकाबले तीन पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को 94.81 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.64 पर आ गया।

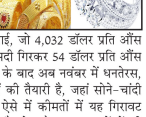
शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। गत दिवस भी बाजार में गिरावट रही थी जो आज भी जारी रही। सप्ताह के अंतिम कारोबार दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिनभर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 125.56 अंक टूटकर 73,123.83 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 87.65 अंक नीचे आकर 22,600.00 पर बंद हुआ। आज बाजार में व्यापक आधार पर बिकवाली हावी रही। इसी कारण निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,263.30 अंक टूटकर 55,800.65 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 536.45 अंक नीचे आकर 17,739.45 पर बंद हुआ। करीब सभी सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी मेटल , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी रियल्टी में सबसे अधिक गिरावट रही। वहीं सेंसेक्स पैक में एलएंडटी, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर लाभ में रहे जबकि टाटा स्टील, ट्रेंट, टेक महिंद्रा, बीईएल, इंटरग्लोब एविएशन, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, एसबीआई, ल, सन फार्मा, भारती एयरटेल, आईटीसी और एमएंडएम के शेयरा गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजा की तेजी के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स में खुलते ही 500 अंकों तक की रैली दर्ज की गई और निफ्टी 22,700 का महत्वपूर्ण स्तर पार करने में कामयाब रहा।



धनतेरस से पहले सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी। आगामी त्योहारी सीजन, विशेषकर धनतेरस और दिवाली से ठीक पहले सोने और चांदी की कीमतों में लगातार पांचवें दिन भारी गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 873 रुपये की बड़ी गिरावट के साथ 142436 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। वहीं, चांदी भी 3466 रुपये टूटकर 196133 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है। वैश्विक बाजार कॉमैक्स पर भी सोने की कीमत में 0.69 फीसदी की कमी आई, जो 4,032 डॉलर प्रति औंस पर दर्ज की गई, जबकि चांदी 1.69 फीसदी गिरकर 54 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। नवरात्रि और दशहरा के बाद अब नवंबर में धनतेरस, दिवाली और भाई दूज जैसे बड़े त्योहारों की तैयारी है, जहां सोने-चांदी की खरीदारी में भारी इजाफा होता है। ऐसे में कीमतों में यह गिरावट ग्राहकों के लिए एक सकारात्मक संकेत है। देश के प्रमुख शहरों में भी सोने की कीमतों में मामूली अंतर देखने को मिल रहा है। दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 14,622 रुपये प्रति ग्राम और 22 कैरेट की कीमत 13,404 रुपये प्रति ग्राम दर्ज की गई। वहीं, चेन्नई, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु जैसे अन्य प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोना लगभग 14,607 रुपये प्रति ग्राम और 22 कैरेट सोना 13,389 रुपये प्रति ग्राम पर उपलब्ध है। 18 कैरेट सोने के दाम भी शहरों के अनुसार 10,955 रुपये से 10,970 रुपये प्रति ग्राम के बीच बने हुए हैं। सोने-चांदी की खरीदारी का मन बना रहे ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे खरीदारी करने से पहले अपने स्थानीय ज्वैलर से मौजूदा भाव की पुष्टि अवश्य कर लें, ताकि वे सर्वोत्तम डील प्राप्त कर सकें।



एआई ने बैंकिंग में दी दस्तक, बार्कलेज 5000 नौकरियों की करेगा कटौती

नई दिल्ली। एजेंसी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का दोहरा प्रभाव अब स्पष्ट रूप से सामने आ रहा हैङ्क जहां एक ओर यह उत्पादकता बढ़ाता है, वहीं दूसरी ओर यह रोजगार पर तलवार बनकर लटक रहा है। आईटी क्षेत्र के बाद अब बैंकिंग सेक्टर भी इसकी चपेट में आ गया है। हाल ही में, ब्रिटेन के प्रमुख बैंक बार्कलेज ने घोषणा की है कि वह 5,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगा, जो उसके कुल कार्यबल का लगभग 5 फीसदी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बार्कलेज का लक्ष्य एआई के उपयोग से अपनी निश्चित लागतों को कम करना और लाभप्रदता में सुधार करना है। घोषित 5,000 नौकरियों की कटौती में से, लगभग 1,000 पद पहले ही समाप्त किए जा चुके हैं, जबकि शेष कर्मचारियों को साल 2026 के अंत तक बाहर किया जा सकता है। यह छंटनी ऐसे समय में हो रही है जब बैंक ने अपनी तीसरी तिमाही में 2.3 अरब पाउंड (लगभग 29,193 करोड़ रुपये) का प्रभावशाली मुनाफा दर्ज किया है। हालांकि, यह पिछले साल की तुलना में बेहतर था, विशेषज्ञों का अनुमान था कि मुनाफा और अधिक हो सकता था, जिसका मुख्य कारण बैंक के फिक्स्ड-इनकम ट्रेडिंग कारोबार का कमजोर प्रदर्शन रहा। इस छंटनी और कमजोर ट्रेडिंग प्रदर्शन को लेकर बार्कलेज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने निराशा व्यक्त की है। उन्होंने फिक्स्ड-इनकम ट्रेडिंग को बैंक की पारंपरिक ताकतों में से एक बताते हुए कहा कि इस पर उनका पूरा ध्यान रहेगा। इस खबर का असर बैंक के शेयर बाजार प्रदर्शन पर भी दिखा है। इस साल बार्कलेज के शेयरों में 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जो पिछले कई सालों की तेजी के बाद आया है। ऊंची ब्याज दरों से बढ़े मुनाफे के बावजूद, एआई आधारित लागत कटौती की रणनीति और कुछ क्षेत्रों में कमजोर प्रदर्शन ने निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। यह घटना दर्शाती है कि एआई का प्रभाव अब केवल तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोजगार के परिदृश्य को व्यापक रूप से बदल रहा है।



मेष- आज का दिन आपको धैर्य और समझदारी से आगे बढ़ने की सीख देगा। घर में किसी बात को लेकर माताजी आपसे नाराज़ हो सकती हैं, इसलिए अपनी बात रखने से पहले उनकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें। दूसरों के मामलों में बेवजह दखल देने से बचें और जरूरी कागजात संभालकर रखें, क्योंकि छोटी सी लापरवाही भी बड़ा खर्च करा सकती है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए खुशियों और अच्छी खबरों से भरा रह सकता है। संतान की किसी उपलब्धि से आपका सिर गर्व से ऊंचा होगा, वहीं परीक्षा का परिणाम भी उम्मीदों के अनुरूप आने की संभावना है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को कोई अच्छा अवसर मिल सकता है, जिससे भविष्य को लेकर मन में नया उत्साह जागेगा।

मिथुन- आज आपकी समझदारी और सही समय पर निर्णय लेने की क्षमता आपको दूसरों से आगे रख सकती है। आपके व्यवहार में प्रेम और अपनापन झलकेगा, जिससे रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। भाई-बहनों के साथ किसी खुशी के मौके पर छोटी पार्टी या मिलन समारोह की योजना बन सकती है। लंबे समय से चल रहे किसी कानूनी मामले में भी राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, किसी अनजान व्यक्ति पर आंख मूंदकर भरोसा करना ठीक नहीं होगा।

कर्क- आज आपके मन को संतोष और सुकून देने वाली परिस्थितियां बन सकती हैं। संतान की सफलता आपको खुशी देगी और उसकी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होगा। व्यापार में भी पहले के मुकाबले सुधार दिखाई दे सकता है, जिससे आगे बढ़ने का उत्साह मिलेगा। हालांकि, पिताजी की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है। दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से मिली खबर मन को उदास कर सकती है, इसलिए भावनाओं में बहने के बजाय धैर्य बनाए रखें।

सिंह- विद्यार्थियों के लिए आज का दिन राहत और नई ऊर्जा लेकर आ सकता है। पढ़ाई का दबाव कुछ कम महसूस होगा और मन पहले से हल्का रहेगा। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में लाभ मिलने की संभावना है, जिससे परिवार में भी खुशी का माहौल बन सकता है। हालांकि, सेहत से जुड़ी किसी छोटी परेशानी को नजरअंदाज न करें और जरूरत पड़ने पर उचित सलाह लें।

कन्या- आज का दिन हंसी-खुशी और छोटी-छोटी खुशियों के बीच बीत सकता है। किसी पुरानी गलती को सुधारने के लिए आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है, लेकिन आपकी मेहनत का परिणाम संतोषजनक रहने की उम्मीद है। ध्यान रखें कि काम टालने की आदत आपकी परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए जरूरी जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करें।

तुला- आज आपको अपनी आर्थिक स्थिति पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। आय और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखेंगे तो भविष्य की परेशानियों से बच सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी के साथ जरूरत से ज्यादा निजी बातें साझा करने से बचें, क्योंकि इसका गलत फायदा उठाया जा सकता है। काम समय पर पूरा करने के लिए अनुशासन और योजना के साथ आगे बढ़ना जरूरी होगा।

वृश्चिक- आज आपके लिए खुशियों, धन लाभ और नई उपलब्धियों के संकेत हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होने से मन प्रसन्न रह सकता है और भविष्य को लेकर भरोसा बढ़ेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह से जुड़ी रुकावट दूर करने में आपकी अहम भूमिका हो सकती है। आपके प्रयासों से घर में चल रही कोई चिंता कम हो सकती है। हालांकि, खान-पान को लेकर लापरवाही न करें, क्योंकि पुरानी स्वास्थ्य समस्या दोबारा परेशान कर सकती है।

धनु- आज आर्थिक मामलों में आपके लिए राहत और सकारात्मक बदलाव के संकेत हैं। आमदनी बढ़ाने या धन प्राप्ति के नए रास्ते सामने आ सकते हैं, जिससे भविष्य को लेकर उत्साह बढ़ेगा। पिताजी की सलाह किसी महत्वपूर्ण निर्णय में आपके बहुत काम आ सकती है, इसलिए उनकी बातों को ध्यान से सुनें।

मकर- आज आपका मन दूसरों की मदद करने और समाज के लिए कुछ अच्छा करने में लगेगा। परोपकार के कामों से आपको मानसिक संतुष्टि मिलेगी और लोगों के साथ आपके संबंध भी बेहतर हो सकते हैं। किसी विवाद में उलझने से बचें, क्योंकि बेवजह की बहस आपकी ऊर्जा और समय दोनों खराब कर सकती है। सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने से आपकी पहचान और प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है।

कुंभ- आज कोई अच्छी खबर आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों या करियर में बदलाव की सोच रहे जातकों को नया अवसर मिलने के संकेत हैं। भाई-बहनों का सहयोग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और अतिरिक्त आमदनी का कोई रास्ता भी खुल सकता है। हालांकि, किसी दूसरे का वाहन चलाने से बचना बेहतर रहेगा, क्योंकि अचानक आई तकनीकी खराबी परेशानी और खर्च बढ़ा सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए सामान्य से बेहतर रह सकता है, लेकिन छोटी-छोटी बातों में सावधानी बरतना जरूरी होगा। किसी अनजान व्यक्ति पर जल्द भरोसा करने से नुकसान हो सकता है, इसलिए सोच-समझकर ही किसी को अपनी निजी जानकारी दें। जीवनसाथी के साथ छोटी बातों पर मतभेद होने की आशंका है।

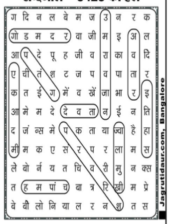
शब्दजाल - 8429

शब्दजाल में संजय दत्त की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

त	श	मु	प	रि	णि	ता	प	न	र	टें
था	क्रि	दी	ना	द	मु	सा	फि	र	कां	ल
स्तु	के	वा	हे	नि	रा	ना	न	व	टि	गे
बी	ट	र	न	शा	वा	जू	क	ले	ज	र
चो	दा	त	प	ने	तो	हो	चा	गो	बे	हो
ब	दु	त	खौ	ग	स	ए	व	चा	वाँ	मु
द	प	श्म	न	फ	व	ह	अ	गो	प्ला	ना
क	र	क	न	क्श	ह	भा	र	चो	आ	भा
र	व	त	म	ए	भी	र	क	अ	न	ई
रू	द्रा	क्ष	त	र	त	ता	ण	र	ह	ग
मुं	ब	र्ल	न	आ	प	र	क	प	स्त	ये

लगे रहो मुन्ना भाई, तथास्तु, परिणिता, मुसाफिर, दीवार, रुद्राक्ष, कांटे, राजू चाचा, खौफ, दुश्मन

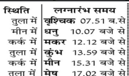
शब्दजाल - 8428 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

24 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.51 ब.से
चंद्र	मीन में	धनु	10.07 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	12.12 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.59 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.31 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	17.02 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.42 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.40 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.54 बजे से
		सिंह	01.10 बजे से
		कन्या	03.22 बजे से
		तुला	05.32 बजे से

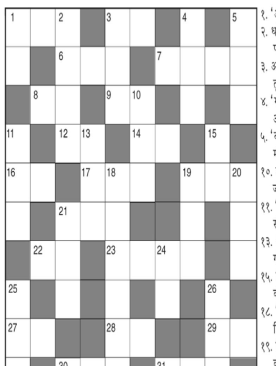
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 297 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 13.37 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराभाद्रपदा 20.32 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 20.01 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 13.37 बजे तदनन्तर गर 00.52 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 13.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 11° 41'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872872
जूलियन दिन 2461337.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल
तारीख 12

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से 07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक	
चर	11.46 से 01.14 बजे तक		चर	11.47 से 01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक		रोग	01.19 से 02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक		काल	02.51 से 04.23 बजे तक	
काल	04.10 से 05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7363



ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम है राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'अरे बाबा अरे बाबा' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाषा की 'दुनिया हसीनों का' गात वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गात वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमी' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग चला बहार चली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंगदे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजाक में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'विल यू मैरी मी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7362

बु	लं	दी	■	अं	दा	ज	■	य	श
झ	■	पा	की	जा	■	मी	ना	■	ह
मि	ली	■	■	म	द	र	■	स	जा
ल	■	सू	र्या	■	डॉ	■	शा	र	दा
ग	द	र	■	ध	न	वा	न	■	■
या	■	ज	ख्मी	■	■	रि	■	जी	त
■	डि	■	■	वि	श्वा	स	त	■	र
अ	नो	खा	अं	दा	ज	■	ला	ड़	ला
ना	■	मो	■	ई	■	जो	श	■	■
ड़ी	■	शी	बा	■	ड	र	■	जु	र्म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः इंसानियत का कारखाना

एक बार एक सज्जन महान वैज्ञानिक आइंस्टीन के पास आए। उन्होंने कुछ देर तक उनसे इधर-उधर की चर्चा की फिर बोले, 'आज विज्ञान ने एक से बढ़कर एक सुख-सुविधाओं के साधन बनाने में सफलता पा ली है। अब पलक झपकते ही दूरियां तय हो जाती हैं, कुछ ही क्षणों में सुविधाओं की सारी चीजें हमारे पास आ जाती हैं, मगर फिर भी जाने क्या बात है कि समाज में अशांति, असंतोष, कलह व बुराई पहले की अपेक्षा ज्यादा पनप रही है। आखिर इसका क्या कारण है? सुविधाएं अधिक होने पर तो इंसान को प्रसन्न होना चाहिए। उसके मन को शांति व संतोष भी मिलना चाहिए।' उस सज्जन की बातें सुनकर आइंस्टीन बोले, 'मित्र, हमने शरीर को सुख पहुंचाने वाले तरह-तरह के साधनों को खोजने में अवश्य सफलता प्राप्त कर ली है किंतु जीवन में असली सुख-शांति मन-मस्तिष्क को आंतरिक आनंद प्राप्त होने से मिलती है। क्या हमने इंसानियत का ऐसा कोई कारखाना लगाया है, जिससे लोगों के अंदर मर रही संवेदनाओं को जीवित किया जा सके, उनके अंदर त्याग, ममता, करुणा, प्रेम आदि को उत्पन्न किया जा सके? क्या हमने ऐसा कोई कारखाना बनाया है जहां पर मन-मस्तिष्क को आनंद देने वाले साधनों का निर्माण किया जाता हो?' आइंस्टीन की बात सुनकर वह सज्जन चकराए। उन्हें लगा शायद आइंस्टीन ऐसा कोई कारखाना लगाने के बारे में सोच रहे हों, तभी ऐसी बात कर रहे हैं। लेकिन उन्हें लगा कि यह तो मुमकिन नहीं है। इसलिए कुछ देर सोचने के बाद उन्होंने अपनी जिज्ञासा रखी, 'भला इंसानियत के कारखाने का निर्माण कैसे संभव है? इंसानी भावनाएं तो इंसान के अंदर पनपती हैं मशीन के अंदर नहीं।' उनकी बात सुनकर आइंस्टीन ने मुस्कराते हुए कहा, 'जनाब, बिल्कुल ठीक कहा आपने। अशांति-असंतोष दूर करने के लिए हमें लोगों में इंसानियत की भावना पैदा करने की ओर ध्यान देना होगा। भौतिक साधनों से सुख-शांति कदापि नहीं मिल सकती।' वह सज्जन आइंस्टीन की बात से सहमत हो गए।

सूडोकु नवताल- 7672

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7671 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8887



बाएँ से दाएँ

1. पाबंदी, संयम, पाश-3
3. मनुष्य, इंसान-3
5. शारीरिक ऊंचाई-2
6. नलका, टूंटी
8. प्रलय, महासंकट-4
11. दही से बना खाद्य पदार्थ-3
13. निर्माण, निर्मिती-3
14. हुनर, आर्ट-2
15. उम्मीद, आशा-2
16. खाना बनाना-3
18. असफल, अनुतीर्ण-3
20. आभास, भास-3
22. वध-2
24. जी, इच्छा, चित-2
25. सब्जी का सड़ना, बर्फ का पिघलना-3
26. याद करना-3

ऊपर से नीचे

1. हड़ताल, स्थिर, रुका हुआ-2
2. लवण -3
3. विश्राम, राहत-3
4. मछली, मत्स्य, राशि चक्र की एक राशि-2
5. बूंद-3
7. शरमाना-3
9. दोस्त, मित्र-2
10. बहुत प्यासा होना-4
12. एकटक निहारना-3
16. शरण, आश्रय-3
17. सम्मान-2
19. चिंतन-3
20. मकान, इमारत-3
21. कमी, थोड़ा-3
23. तज देना-2
24. इंकार, मनाही-2

शब्द पहेली -8886 का हल

न	भ	■	न	र	म	■	मा	त
म	■	शा	म	■	द	म	■	प
क	न	क	■	ज	■	ना	प	ना
■	मा	■	ख	न	क	■	र	■
रा	ज	दा	र	■	स	रो	व	र
■	गा	■	ल	गा	म	■	रि	■
र	ह	न	■	ल	■	मि	श	न
म	■	ख	त	■	पा	त्र	■	जा
ल	य	■	वा	च	क	■	ता	त

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शरद पूर्णिमा कल

मां लक्ष्मी की आराधना के साथ मनाया जाएगा कोजागरी पूर्णिमा का पर्व, चंद्रमा की सोलह कलाओं से जुड़ी है विशेष मान्यता

पद्मेश न्यूज। लांजी। शरद ऋतु की शीतल चांदनी, आस्था का उजास और मां लक्ष्मी की आराधना का विशेष अवसर लेकर शरद पूर्णिमा का पर्व रविवार, 25 अक्टूबर को मनाया जाएगा। हिंदू धर्म में इस पूर्णिमा का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। इस दिन चंद्रमा की पूजा, मां लक्ष्मी की आराधना और रात में खुले आसमान के नीचे खीर रखने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। घरों और मंदिरों में पूजा-अर्चना के साथ सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की जाएगी। आश्विन मास की पूर्णिमा को मनाई जाने वाली शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा और रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस रात चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण होता है और उसकी किरणों को अमृत के समान गुणकारी माना जाता है। यही वजह है कि शरद पूर्णिमा की रात खुले आसमान में रखी खीर का विशेष महत्व होता है। श्रद्धालु इस परंपरा को आस्था और विश्वास के साथ निभाते हुए खीर को प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं।



चंद्रमा की चांदनी में खीर रखने की परंपरा

शरद पूर्णिमा की सबसे खास परंपराओं में रातभर चांदनी में खीर रखना शामिल है। इस अवसर पर घरों में दूध, चावल और शक्कर से खीर तैयार की जाती है। इसके बाद खीर को खुले आसमान के नीचे रखा जाता है, ताकि उस पर चंद्रमा की रोशनी पड़े। धार्मिक विश्वास है कि शरद पूर्णिमा की चांदनी से खीर में अमृतमयी गुण समाहित हो जाते हैं। देर रात बाद अथवा अगले दिन सुबह इसे भगवान को अर्पित करने के बाद परिवार के सदस्यों और परिचितों में प्रसाद के रूप में बांटा जाता है। यह परंपरा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति, ऋतु परिवर्तन और पारिवारिक परंपराओं से जुड़े उत्सवों की झलक भी प्रस्तुत करती है। आज भी अनेक परिवार इस रात एक साथ बैठकर चंद्रमा के दर्शन करते हैं और खीर का प्रसाद ग्रहण करते हैं।

मां लक्ष्मी की पूजा से जुड़ी है मान्यता

शरद पूर्णिमा को मां लक्ष्मी की आराधना के लिए भी विशेष माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस रात मां लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और जागकर उनकी आराधना करने वाले भक्तों पर कृपा बरसाती हैं। इसी मान्यता के चलते इसे कोजागरी पूर्णिमा कहा जाता है। श्रद्धालु रात में जागकर दीप प्रज्वलित करते हैं, मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं और परिवार की सुख-समृद्धि, धन-धान्य तथा खुशहाली की कामना करते हैं। वहीं, भगवान चंद्रदेव को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-शांति और आरोग्य की प्रार्थना भी की जाती है। मान्यता और परंपराओं से जुड़ा यह पर्व लोगों को भक्ति, संयम और पारिवारिक एकजुटता का संदेश देता है।

25 अक्टूबर की रात निभाई जाएगी परंपरा

पंचांग के अनुसार, पूर्णिमा तिथि 25 अक्टूबर को सुबह 11 बजकर 55 मिनट से प्रारंभ होकर 26 अक्टूबर को सुबह 9 बजकर 41 मिनट तक रहेगी। शरद पूर्णिमा की प्रमुख पूजा और चांदनी में खीर रखने की परंपरा रविवार रात को निभाई जाएगी। शरद पूर्णिमा का पर्व आस्था, परंपरा और प्रकृति के अद्भुत संगम का प्रतीक है। चंद्रमा की उजली चांदनी के बीच पूजा-अर्चना, खीर का प्रसाद और मां लक्ष्मी के प्रति श्रद्धा इस पर्व को विशेष बनाती है। यही कारण है कि बदलते समय के बावजूद शरद पूर्णिमा से जुड़ी परंपराएं आज भी लोगों के जीवन में अपना विशेष स्थान बनाए हुए हैं।

परसोड़ी घाट पर खनिज विभाग की दबिश, रेत का अवैध उत्खनन करते दो ट्रैक्टर पकड़े

चालक मौके से फरार, दोनों ट्रैक्टरों पर नहीं है नंबर; विभाग ने लांजी थाने में खड़े कराए वाहन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन पर अंकुश लगाने के लिए खनिज विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। शुक्रवार, 23 अक्टूबर को विभाग की टीम ने लांजी थाना क्षेत्र के ग्राम परसोड़ी स्थित घाट पर दबिश देकर रेत का अवैध उत्खनन करते दो ट्रैक्टरों को पकड़ा। टीम को मौके पर देखकर दोनों ट्रैक्टरों के चालक वाहन छोड़कर फरार हो गए। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध रूप से रेत निकालने वालों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, खनिज विभाग की टीम ने शुक्रवार दोपहर करीब 2 से 2:30 बजे के बीच परसोड़ी घाट पर कार्रवाई की। इस दौरान टीम ने रेत का उत्खनन कर रहे दो ट्रैक्टरों को पकड़ा। इनमें एक मैसी और दूसरा पावरट्रैक कंपनी का ट्रैक्टर शामिल है। खास बात यह रही कि पकड़े गए दोनों ट्रैक्टरों पर स्पष्ट नंबर अंकित नहीं है, अथवा मिटा दिए गए हैं।



टीम को देखते ही चालक भागे

परसोड़ी घाट पर खनिज विभाग की टीम की दबिश पड़ते ही ट्रैक्टर चालकों में अफरा-तफरी मच गई। कार्रवाई के दौरान दोनों चालक मौके से भाग निकले। इसके बाद विभागीय टीम ने दोनों ट्रैक्टरों को अपने कब्जे में लेकर लांजी थाने पहुंचाया, जहां उन्हें खड़ा कराया गया।

अवैध उत्खनन पर कार्रवाई से मचा हड़कंप

क्षेत्र में रेत की मांग के बीच घाटों से अवैध उत्खनन की गतिविधियां सामने आती रहती हैं। ऐसे में खनिज विभाग की इस कार्रवाई को अवैध उत्खनन पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, बिना नंबर वाले दोनों ट्रैक्टरों के संबंध में आगे क्या कार्रवाई की जाएगी, इस पर विभागीय कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट होना बाकी है।

महिला रोग एवं बांझपन निवारण निःशुल्क चिकित्सा शिविर, 50 से अधिक महिलाओं को मिला विशेषज्ञ परामर्श

पद्मेश न्यूज। लांजी। महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं की समय पर पहचान, उचित उपचार और विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श की उपलब्धता बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसी उद्देश्य से लांजी-खैरागढ़ मार्ग स्थित डॉ. पशीने पॉली क्लीनिक एवं मल्टी फैसिलिटी हॉस्पिटल में 23 अक्टूबर को महिला रोग एवं बांझपन निवारण संबंधी निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 50 से अधिक महिलाओं को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज पहलाजानी एवं उनकी विशेषज्ञ टीम ने महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर परामर्श देते हुए उपलब्ध जांच और उपचार विकल्पों की जानकारी साझा की। पहलाजानी विमेंस हॉस्पिटल एवं टेस्ट ट्यूब बेबी (आईवीएफ) सेंटर, रायपुर के सहयोग से आयोजित इस शिविर का उद्देश्य महिलाओं को स्त्री रोगों, मातृत्व संबंधी जटिलताओं और संतान प्राप्ति में आने वाली कठिनाइयों के प्रति जागरूक करना था। उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं से जोड़ना रहा। ऐसे आयोजन महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर खुलकर चर्चा करने और सही समय पर उपचार प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने में उपयोगी साबित होते हैं।

स्त्री रोगों से लेकर बांझपन तक की समस्याओं पर मिला परामर्श

शिविर में अनियमित अथवा अत्यधिक मासिक धर्म, पीसीओडी/पीसीओएस, एंडोमेट्रियोसिस, बच्चेदानी एवं अंडाशय संबंधी समस्याओं, संक्रमण, सफेद पानी, गर्भावस्था की जटिलताओं और संतान प्राप्ति में कठिनाई जैसी समस्याओं पर विशेषज्ञ परामर्श दिया गया। इसके साथ ही आईवीएफ, आईयूआई, आईसीएसआई एवं टेस्ट ट्यूब बेबी जैसी आधुनिक प्रजनन चिकित्सा पद्धतियों के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। महिलाओं को बच्चेदानी की दूरबीन से जांच एवं शल्य चिकित्सा सहित विभिन्न उपचार प्रक्रियाओं के बारे में बताया गया। चिकित्सकों ने स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को नजरअंदाज न करने तथा लक्षण दिखाई देने पर समय रहते विशेषज्ञ से परामर्श लेने की आवश्यकता पर जोर दिया। समय पर जांच और उचित उपचार से कई स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान कर उनके प्रबंधन में मदद मिल सकती है।

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी सेवाएं, स्वास्थ्य जागरूकता पर जोर

शिविर में डॉ. नीरज पहलाजानी के साथ डॉ. मेघना, डॉ. नम्रता पशीने एवं डॉ. दिनेश राम सहित अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। चिकित्सकों ने महिलाओं को उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के अनुरूप आवश्यक परामर्श दिया और उपलब्ध उपचार विकल्पों की जानकारी साझा की। शिविर के सफल संचालन में शिविर अधिकारी रामकिशन देवांगन, विशाल मिश्रा सहित डॉ. पशीने हॉस्पिटल के समस्त कर्मचारियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। आयोजकों की इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण एवं आसपास के क्षेत्रों की महिलाओं तक विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं पहुंचाना और उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाना रहा। शिविर के माध्यम से महिलाओं को स्त्री रोगों की समय पर पहचान, नियमित स्वास्थ्य जांच और उचित चिकित्सकीय परामर्श के महत्व से अवगत कराया गया।



त्योहारों पर मिठाई-नमकीन की बढ़ती मांग, खाद्य विभाग की निगरानी पर उठे सवाल

बाजार में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना जरूरी, जांच अभियान और सैंपलिंग की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी। त्योहारों का मौसम आते ही बाजारों में मिठाई और नमकीन की मांग बढ़ने लगी है। घरों में खुशियां बांटने, मेहमानों की आवभगत करने और रिश्तों में मिठास घोलने के लिए लोग जमकर खरीदारी करते हैं। लेकिन त्योहारों की इस रौनक के बीच खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका आम लोगों की चिंता भी बढ़ा रही है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि बढ़ती मांग के बीच खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य विभाग कितना सक्रिय है? क्या मिठाई दुकानों, मिष्ठान प्रतिष्ठानों और खाद्य सामग्री के निर्माण एवं भंडारण स्थलों की नियमित जांच की जा रही है? क्या संदिग्ध खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता की पड़ताल हो रही है? त्योहारों के दौरान बाजार में खाद्य सामग्री की बिक्री बढ़ने के साथ ही निगरानी और जांच की जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे समय में विभागीय सक्रियता केवल शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि बाजारों में नियमित निरीक्षण और खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। हालांकि, खाद्य विभाग की कार्रवाई से संबंधित आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं होने के कारण यह कहना उचित नहीं होगा कि जांच नहीं की जा रही है। इसके बावजूद निरीक्षण अभियान, नमूनों की संख्या और जांच रिपोर्ट की जानकारी सार्वजनिक होने से व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ सकती है।

बिक्री बढ़ी तो जांच की रफ्तार क्यों नहीं दिख रही?

त्योहारी सीजन में मिठाई, नमकीन, मावा, पनीर, घी और खाद्य तेल सहित कई वस्तुओं की मांग बढ़ जाती है। अधिक बिक्री के इस दौर में इन खाद्य पदार्थों की शुद्धता, निर्माण स्थलों की स्वच्छता, भंडारण की उचित व्यवस्था और इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। खाद्य सुरक्षा व्यवस्था के तहत मिठाई दुकानों और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण, संदिग्ध खाद्य सामग्री के नमूने लेना तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करना महत्वपूर्ण है। यदि बाजार में बढ़ती बिक्री के बीच विभागीय निगरानी और कार्रवाई की जानकारी आम लोगों तक नहीं पहुंचती, तो व्यवस्था की प्रभावशीलता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। ऐसे में खाद्य विभाग को त्योहारों के मद्देनजर चलाए जा रहे जांच अभियान की जानकारी सामने लानी चाहिए। कितनी दुकानों का निरीक्षण किया गया, कितने खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए और जांच में क्या स्थिति सामने आई, इसकी जानकारी सार्वजनिक होने से लोगों का भरोसा बढ़ेगा। साथ ही खाद्य कारोबारियों को भी गुणवत्ता और स्वच्छता संबंधी नियमों का पालन करने का स्पष्ट संदेश मिलेगा।



मिलावट का खतरा, आम आदमी की सेहत दांव पर

मिठाइयों और नमकीन में इस्तेमाल होने वाले दूध से बने पदार्थों, घी, खाद्य तेल, रंगों तथा अन्य सामग्री की गुणवत्ता में गड़बड़ी उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकती है। दूषित या असुरक्षित खाद्य पदार्थों के सेवन से पेट संबंधी बीमारियों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है। बच्चों और बुजुर्गों सहित संवेदनशील लोगों के लिए ऐसी खाद्य सामग्री विशेष रूप से नुकसानदेह साबित हो सकती है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि दुकान पर सजी आकर्षक मिठाइयों और नमकीन को देखकर आम ग्राहक उनकी वास्तविक गुणवत्ता का अंदाजा नहीं लगा सकता। वह भरोसे के साथ खरीदारी करता है और परिवार के साथ उनका सेवन करता है। ऐसे में खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने की पूरी जिम्मेदारी उपभोक्ता पर नहीं छोड़ी जा सकती। इसके लिए खाद्य विभाग की सतर्कता, कारोबारियों की जवाबदेही और खाद्य सुरक्षा नियमों का प्रभावी पालन जरूरी है।

त्योहारों की खुशियों के साथ सेहत की सुरक्षा भी जरूरी

त्योहार खुशियां मनाने और आपसी सद्भाव बढ़ाने का अवसर हैं। ऐसे में आम नागरिकों को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रशासन और संबंधित विभागों की प्राथमिकता होनी चाहिए। खाद्य विभाग को बाजारों में नियमित निरीक्षण, संदिग्ध खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। अब जरूरत इस बात की है कि त्योहारों के दौरान खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति सामने आए। विभागीय जांच और कार्रवाई से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक होने से न केवल उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकती है। दूषित या असुरक्षित खाद्य पदार्थों के सेवन से पेट संबंधी बीमारियों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है। बच्चों और बुजुर्गों सहित संवेदनशील लोगों के लिए ऐसी खाद्य सामग्री विशेष रूप से नुकसानदेह साबित हो सकती है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि दुकान पर सजी आकर्षक मिठाइयों और नमकीन को देखकर आम ग्राहक उनकी वास्तविक गुणवत्ता का अंदाजा नहीं लगा सकता। वह भरोसे के साथ खरीदारी करता है और परिवार के साथ उनका सेवन करता है। ऐसे में खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने की पूरी जिम्मेदारी उपभोक्ता पर नहीं छोड़ी जा सकती। इसके लिए खाद्य विभाग की सतर्कता, कारोबारियों की जवाबदेही और खाद्य सुरक्षा नियमों का प्रभावी पालन जरूरी है।

बालासाहेब देवरस कारंजा में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर

पद्मेश न्यूज। लांजी। आंखों की रोशनी जीवन को सहज, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, लेकिन जागरूकता के अभाव, आर्थिक कठिनाइयों और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाओं तक सीमित पहुंच के कारण अनेक लोग नेत्र संबंधी समस्याओं का समय पर उपचार नहीं करा पाते। ऐसे लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने और नेत्र रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बालासाहेब देवरस नेत्रालय के सौजन्य से रविवार, 25 अक्टूबर 2026 को कारंजा में निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में नागपुर के माधव नेत्रालय के विशेषज्ञ चिकित्सक नेत्र रोगियों की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। शिविर के माध्यम से क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को आंखों की जांच, चश्मा वितरण, मोतियाबिंद परीक्षण तथा आवश्यकतानुसार दवाइयां उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। जनसेवा और समाज कल्याण की भावना से आयोजित इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को नेत्र चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराना है, ताकि वे समय रहते अपनी आंखों की जांच कराकर उचित उपचार प्राप्त कर सकें।



आंखों की जांच से लेकर मोतियाबिंद तक मिलेगा परामर्श

शिविर में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इस दौरान आंखों की जांच, चश्मे का वितरण, मोतियाबिंद की जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही आवश्यकतानुसार दवाइयां भी उपलब्ध कराई जाएंगी। माधव नेत्रालय नागपुर के विशेषज्ञ चिकित्सक नेत्र संबंधी समस्याओं की जांच कर मरीजों को उनकी स्थिति के अनुरूप आवश्यक सलाह देंगे। विशेषकर उन लोगों के लिए यह शिविर उपयोगी हो सकता है, जिन्हें धुंधला दिखाई देने, दृष्टि संबंधी परेशानी या मोतियाबिंद की आशंका के कारण जांच की आवश्यकता है। समय पर नेत्र परीक्षण कराने से आंखों की समस्याओं की पहचान करने और उचित उपचार की दिशा तय करने में मदद मिलती है। शिविर के माध्यम से ग्रामीण एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों तक पहुंचने का अवसर मिलेगा।

जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की पहल

बालासाहेब देवरस नेत्रालय द्वारा आयोजित इस शिविर के माध्यम से क्षेत्र में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंद लोगों को प्राथमिक जांच एवं चिकित्सकीय मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। आंखों की समस्या को सामान्य मानकर लंबे समय तक नजरअंदाज करने के बजाय समय पर जांच कराना आवश्यक है, ताकि संभावित जटिलताओं से बचने और उपलब्ध उपचार विकल्पों का लाभ लेने में मदद मिल सके। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे शिविर में पहुंचकर इस निःशुल्क सुविधा का लाभ लें तथा जरूरतमंद लोगों तक भी इसकी जानकारी पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग नेत्र परीक्षण और विशेषज्ञ परामर्श प्राप्त कर सकें। शिविर के माध्यम से आयोजकों ने समाज के लोगों से सेवा कार्य में सहभागी बनने और इस सूचना को जरूरतमंदों तक पहुंचाने का आह्वान किया है, ताकि आर्थिक या अन्य कारणों से नेत्र जांच नहीं करा पाने वाले लोगों को भी इसका लाभ मिल सके।

पुनाराम सोनवाने का निधन



पद्मेश न्यूज। लांजी। खजरी निवासी पुनाराम सोनवाने, पिता स्वर्गीय हरिराम सोनवाने का शुक्रवार, 23 अक्टूबर 2026 को दोपहर 2:45 बजे 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिजनों, रिश्तेदारों एवं परिचितों में शोक व्याप्त है। स्वर्गीय पुनाराम सोनवाने अपने पीछे तीन पुत्र सेवकराम सोनवाने, अशोक सोनवाने एवं उदाराम सोनवाने तथा दो पुत्रियों शीला तिड़के एवं राधिका हरडे सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन से परिवार को अपूरणीय क्षति पहुंची है। उनका अंतिम संस्कार शनिवार, 24 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे ग्राम खजरी स्थित मोक्षधाम में किया जाएगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्रॉडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

सालेकसा के लघु सिंचाई कार्यालय की इमारत जर्जर

दीवारें जर्जर, छत से टपकता है पानी, दरवाजे भी खराब; बड़ी दुर्घटना के बाद जागेगा प्रशासन?

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। सालेकसा तहसील के लघु सिंचाई कार्यालय की जर्जर इमारत के कारण कर्मचारियों की सुरक्षा का गंभीर सवाल खड़ा हो गया है. जिस सरकारी कार्यालय से नागरिकों के कार्यों का निपटारा और सिंचाई से संबंधित महत्वपूर्ण कामकाज किया जाता है, उसी कार्यालय में कर्मचारियों को जान जोखिम में डालकर काम करना पड़ रहा है. इमारत की दीवारें पूरी तरह जर्जर हो चुकी हैं, बरसात के दौरान छत से पानी टपकता है और कार्यालय के दरवाजों की हालत भी खराब है. इमारत की दयनीय स्थिति को देखते हुए संबंधित विभाग की देखरेख और मरम्मत व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं.

लघु सिंचाई कार्यालय की इमारत की स्थिति लगातार चिंताजनक बनी हुई है. दीवारों की खराब हालत, छत से पानी का रिसाव और टूटे-फूटे दरवाजों के कारण कर्मचारियों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. विशेष रूप से बरसात के दिनों में छत से पानी टपकने के कारण कार्यालयीन कामकाज प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है. यदि समय रहते मरम्मत नहीं की गई, तो भविष्य में गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है. हालांकि, इमारत की वास्तविक संरचनात्मक स्थिति कितनी खतरनाक है, इसका पता तकनीकी जांच के बाद ही चल सकेगा. ऐसे में संभावित खतरे को देखते हुए संबंधित विभाग द्वारा तत्काल निरीक्षण कराया जाना आवश्यक है।



कर्मचारियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी?

सरकारी कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को सुरक्षित और सुविधाजनक कार्यस्थल उपलब्ध कराना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है. इसके बावजूद यदि कर्मचारियों को जर्जर इमारत में बैठकर काम करना पड़ रहा है, तो यह गंभीर चिंता का विषय है. इमारत की नियमित देखरेख, समय पर मरम्मत और आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता पर भी सवाल उठ रहे हैं. संबंधित विभाग द्वारा अब तक इमारत की मरम्मत के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और इसकी देखभाल की जिम्मेदारी किस अधिकारी के पास है, इसकी जानकारी सामने आना जरूरी है.

सरकारी दस्तावेजों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका

लघु सिंचाई कार्यालय में विभिन्न सरकारी कार्यों से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज और अभिलेख रखे जाते हैं. छत से पानी टपकने के कारण इन दस्तावेजों के खराब होने की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता. ऐसे में यह समस्या केवल कर्मचारियों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकारी रिकॉर्ड और कार्यालयीन कामकाज की सुरक्षा से भी जुड़ी हुई है।

वरिष्ठ अधिकारी तत्काल करें निरीक्षण

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को कार्यालय की इमारत का तत्काल निरीक्षण करना चाहिए. इमारत का तकनीकी परीक्षण कराकर आवश्यक मरम्मत का काम प्राथमिकता से शुरू किया जाना चाहिए. यदि जांच में इमारत असुरक्षित पाई जाती है, तो कर्मचारियों को किसी सुरक्षित वैकल्पिक स्थान पर स्थानांतरित करने की व्यवस्था की जानी चाहिए. इसके साथ ही मरम्मत के लिए आवश्यक निधि, काम पूरा करने की समयसीमा और संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर ठोस कार्रवाई करना भी जरूरी है.

क्या बड़ी दुर्घटना के बाद जागेगा प्रशासन?

सालेकसा के लघु सिंचाई कार्यालय की जर्जर इमारत ने सरकारी कार्यालयों के रखरखाव और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं. आखिर इस इमारत की मरम्मत कब होगी? कर्मचारियों को सुरक्षित वातावरण कब मिलेगा? क्या संबंधित प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना की प्रतीक्षा कर रहा है? कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है. किसी अप्रिय घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय समय रहते इमारत का निरीक्षण, तकनीकी जांच और आवश्यक मरम्मत की जानी चाहिए. अब देखना होगा कि संबंधित विभाग इस समस्या को गंभीरता से लेकर कब तक ठोस कदम उठाता है।

बनगांव प्रादेशिक जलापूर्ति योजना के लिए 3 करोड़ रु. की मांग



पदमेश न्यूज़। गोंदिया। आमगांव व सालेकसा के 47 ग्राम मिलकर बनगांव प्रादेशिक जलापूर्ति योजना का निर्माण किया गया. जिसका क्रियान्वयन गोंदिया जिला परिषद के ग्रामीण जलापूर्ति विभाग द्वारा किया जाता है. जिसमें 47 ग्राम के नागरिकों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति होती है. यह योजना जब से शुरू हुए है तब से किसी न किसी कारणवश बंद पड़ जाती है. अभी पूरा राज्य सूखा घोषित हो चुका है. इस योजना को चलने के लिए बिजली बिल, मरम्मत व देखभाल के काम को नियमित करने के लिए आमगांव दौरे पर आए हुए जिल्हे के पालकमंत्री इंद्रनिल नाईक से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी आमगांव के शिष्टमंडल द्वारा 3 करोड़ की निधि की मांग की गई है. उसी प्रकार जीर्ण अवस्था में चली गई पाइप लाइन को फिर से पुनर्जीवित करने व आवश्यक कामों की दुरुस्ती के काम मंजूर किया जाए. निधि के अभाव में यह जलापूर्ति योजना कभी भी बंद हो जाती है जिससे आमगांव व सालेकसा तहसील के नागरिकों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति नहीं हो पाती इसलिए इस योजना को सुचारू रूप से शुरू रखने के लिए इस जलापूर्ति योजना पर विशेष ध्यान देकर निधि उपलब्ध की जाए. पालकमंत्री को निवेदन देते समय विधायक राजकुमार बडोले, पूर्व महाडा सभापति नरेश माहेश्वरी, जिला परिषद उपाध्यक्ष सुरेश हर्षे, कमल बाहेकर, रवि श्रीसागर, जियालाल पंधरे, टीकाराम मेंढे, राजेश भक्तवर्ती, सुभाष येवलकर, महेंद्र राहंगडाले, स्वप्निल कावड़े, ऋषि शर्मा, आनंद शर्मा आदि पदाधिकारी उपस्थित थे.

तिरोड़ा में विधान परिषद चुनाव के लिए जनप्रतिनिधियों ने किया मतदान



पदमेश न्यूज़। गोंदिया। महाराष्ट्र विधान परिषद के नागपुर विभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में तिरोड़ा तहसील के मतदाताओं ने मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लिया। इस चुनाव में कांग्रेस के अभिजीत वंजारी और भाजपा के सुधाकर कोहले के बीच प्रमुख मुकाबला रहा। मतदान के दौरान विधायक विजय रहांगडाले, तिरोड़ा नगराध्यक्ष अशोक असाटी, नगर परिषद उपाध्यक्ष राजेश गुनेरिया, डॉ. अविनाश जयस्वाल, युवा नेता एड. प्रणय भांडारकर, कांग्रेस के तहसील अध्यक्ष रमेश टेंभरे, लक्ष्मीनारायण दुबे, राधेलाल पटले और ओम पटले सहित विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के इस चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी के बीच तिरोड़ा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक पदाधिकारियों ने भी मतदान कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

महिलाओं का मासिक यात्रा खर्च पुरुषों से 302 रूपए कम

भोपाल । महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता का रास्ता केवल रोजगार मिलने से नहीं, बल्कि काम तक पहुंचने के लिए सुरक्षित, सस्ता और भरोसेमंद परिवहन उपलब्ध होने से भी जुड़ा है। राष्ट्रीय घरेलू यात्रा सर्वेक्षण (एनएचटीएस) के आंकड़े कामकाजी महिलाओं और पुरुषों के आवागमन खर्च में अंतर दिखाते हैं। तय कार्यस्थल तक आने-जाने वाले पुरुष औसतन हर महीने 835 रुपये खर्च करते हैं, जबकि महिलाओं का औसत मासिक खर्च 533 रुपये है। यानी महिलाओं का खर्च 302 रुपये कम है। यह अंतर केवल बचत का संकेत नहीं, बल्कि महिलाओं के यात्रा विकल्पों और रोजगार तक पहुंच से जुड़े सवाल भी खड़े करता है।

सर्वे के अनुसार, महिलाओं का औसत मासिक आवागमन खर्च पुरुषों से करीब 36 प्रतिशत कम है। हालांकि, इस अंतर को सीधे आर्थिक बचत मानना सही नहीं होगा। कम खर्च के पीछे कार्यस्थल की कम दूरी, पैदल यात्रा या परिवहन के सीमित विकल्प जैसे कारण भी हो सकते हैं। परिवहन विशेषज्ञ हिरदेश भारती के मुताबिक, यदि महिलाओं को सुरक्षित और भरोसेमंद परिवहन उपलब्ध नहीं होता, तो वे घर के आसपास रोजगार तलाशने को प्राथमिकता दे सकती हैं। इससे दूर स्थित बेहतर वेतन वाले कामों और रोजगार के व्यापक अवसरों तक उनकी पहुंच सीमित हो सकती है। ऐसे में महिला रोजगार से जुड़ी नीतियों में सार्वजनिक परिवहन और अंतिम दूरी तक पहुंचने की सुविधा को भी महत्व देना जरूरी है।

गांवों में हर तीन में एक कामगार पैदल जाता है

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में काम पर जाने के साधनों का अंतर भी सामने आया है। ग्रामीण क्षेत्रों में 36.6 प्रतिशत कामगार पैदल कार्यस्थल पहुंचते हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह हिस्सेदारी 13.5 प्रतिशत है। दोपहिया वाहन ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में आवागमन का प्रमुख साधन है। ग्रामीण क्षेत्रों में 37.1 प्रतिशत कामगार दोपहिया का उपयोग करते हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 52.3 प्रतिशत है। बस से कार्यस्थल पहुंचने वाले कामगारों की हिस्सेदारी गांवों में 5.3 प्रतिशत और शहरों में 9.2 प्रतिशत है। वहीं, ऑटो-रिक्शा का इस्तेमाल ग्रामीण क्षेत्रों में 5 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 8.8 प्रतिशत कामगार करते हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि कामकाजी यात्रा के साधन केवल उपलब्ध परिवहन पर ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय परिस्थितियों और लोगों की पहुंच पर भी निर्भर करते हैं।

सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल सीमित

देशभर में तय कार्यस्थल तक जाने वाले कामगारों में 42.6 प्रतिशत दोपहिया वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। इसके मुकाबले बस से यात्रा करने वालों की हिस्सेदारी 6.7 प्रतिशत और ऑटो-रिक्शा का उपयोग करने वालों की हिस्सेदारी 6.4 प्रतिशत है। शहरी क्षेत्रों में मेट्रो, लोकल ट्रेन और ट्राम जैसे साधनों की हिस्सेदारी 5 प्रतिशत बताई गई है। सार्वजनिक परिवहन की सीमित हिस्सेदारी का असर उन लोगों पर अधिक पड़ सकता है, जिनके पास निजी वाहन नहीं है या जो वाहन चलाने में सक्षम नहीं हैं। महिलाओं के लिए सुरक्षित यात्रा, नियमित सेवा और घर से कार्यस्थल तक सुगम संपर्क विशेष महत्व रखते हैं।

घर से जुड़े काम भी यात्राओं का बड़ा हिस्सा

एनएचटीएस के अनुसार, रोजगार और पढ़ाई के अलावा होने वाली यात्राओं में 54.1 प्रतिशत यात्राएं परिवार के सदस्यों के लिए अवैतनिक घरेलू सेवाओं से जुड़ी थीं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह हिस्सेदारी 51.5 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 60.1 प्रतिशत रही।

विधायक राजकुमार बडोले ने सडक अर्जुनी में किया मतदान



पदमेश न्यूज़। गोंदिया। महाराष्ट्र विधान परिषद आम चुनाव 2026 के अंतर्गत नागपुर विभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में अर्जुनी-मोर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजकुमार बडोले ने आज तहसील कार्यालय, सडक अर्जुनी स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का उपयोग किया।

मतदान के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विधायक राजकुमार बडोले ने उम्मीद जताई कि अर्जुनी-मोर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सडक अर्जुनी, अर्जुनी-मोर और गोरेगांव, इन तीनों तहसीलों से महायुति के उम्मीदवार सुधाकर कोहले को बड़ी संख्या में वोट मिलेंगे। नागपुर विभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के इस चुनाव पर राजनीतिक हलकों की नजरें टिकी हुई हैं। स्नातक मतदाताओं के मतदान के बाद चुनाव में किस उम्मीदवार को समर्थन मिलता है, इसे लेकर उत्सुकता बनी हुई है।

तिरोड़ा बस डिपो को मिलीं 5 नई राजमाता जिजाऊ बसें

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडल तिरोड़ा बस डिपो को पांच नई राजमाता जिजाऊ बसों की सौगात मिली है। दशहरे के शुभ अवसर पर इन बसों को यात्री सेवा में शामिल किया गया। नई बसों के शुरू होने से तिरोड़ा डिपो की परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी, वहीं यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और आरामदायक यात्रा का लाभ मिलने की उम्मीद है। लंबे समय से तिरोड़ा डिपो में नई बसें उपलब्ध कराने की मांग की जा रही थी। इस मांग के पूरा होने से एसटी यात्रियों में संतोष का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाल ही में 5 नई बसें तिरोड़ा बस डिपो पहुंचीं।

तिरोड़ा बस डिपो में नई बसें उपलब्ध कराने की मांग महाराष्ट्र राज्य श्रमिक संघ के तिरोड़ा अध्यक्ष निजाम शेख और कंडक्टर राजेश चव्हाण द्वारा लगातार उठाई जा रही थी। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और परिवहन विभाग के समक्ष यह मांग रखी थी। इसी मांग को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2026 में जिले के पालक मंत्री एवं राज्य मंत्री इंद्रजीत नाइक को ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन के माध्यम से राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक से तिरोड़ा बस डिपो के लिए नई राजमाता जिजाऊ बसें उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था।

56 सीटों वाली बसों में सुरक्षा के विशेष इंतजाम

पांचों नई राजमाता जिजाऊ बसें 56 सीटों वाली हैं। इन बसों में यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सीसीटीवी कैमरे और आपातकालीन बटन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन आधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से यात्रा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। नई बसों के संचालन से यात्रियों को अपेक्षाकृत बेहतर परिवहन सुविधा मिलने की उम्मीद है। विशेष रूप से त्योहारों, बाजार के दिनों और यात्रियों की अधिक आवाजाही के समय इन बसों से एसटी महामंडल को सेवा व्यवस्था को लाभ मिल सकता है। हालांकि, बसों के विभिन्न मार्गों पर संचालन और समय-सारणी का निर्धारण डिपो प्रशासन की व्यवस्था के अनुसार किया जाएगा।

भाजपा विधायक का अपनी ही सरकार पर तंज

भोपाल । मध्य प्रदेश के राजनीतिक गलियारों से एक बड़ी खबर सामने आई है। जबलपुर की पाटन विधानसभा सीट से भाजपा के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री अजय विश्नोई ने एक बार फिर अपनी ही सरकार को घेरे में लिया है। जबलपुर में बनने वाले नए इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को लेकर उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तीखा पोस्ट शेयर किया है, जिसमें प्रशासनिक प्रक्रियाओं और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी को लेकर नाराजगी जताई गई है। अजय विश्नोई ने अपने पोस्ट के जरिए तंज कसते हुए लिखा है कि यदि यह योजना बनते समय सरकार या संबंधित विभाग उनके जैसे छोटे नेताओं से भी चर्चा कर लेता, तो शायद स्थिति कुछ और होती।

उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि उन्हें इस बड़े प्रोजेक्ट की जानकारी प्रशासनिक बैठकों या किसी आधिकारिक फाइल से नहीं, बल्कि अखबारों में छपने वाली फोटो और सोशल मीडिया पर वायरल हो रही उद्योगपतियों की प्रसन्न मुद्रा वाली तस्वीरों से मिल रही है। विधायक का कहना है कि उनकी अपनी विधानसभा क्षेत्र का हिस्सा भी इस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में शामिल है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें यह तक नहीं पता है कि उनकी विधानसभा में आखिर कौन सा उद्योग आ रहा है और उसका धरातल से क्या लेना-देना है।

अब तक उद्योगों के आने का इंतजार

पूर्व मंत्री ने आगे लिखा कि पहले हुई इन्वेस्टर मीट से लेकर अब तक जितने भी आयोजन हुए हैं, उन्हें लगातार इस बात का इंतजार है कि आखिर धरातल पर उद्योग कब और कैसे उतर रहे हैं। उनका यह बयान एक बार फिर पार्टी के भीतर संवाद की कमी और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता नजर आ रहा है। फिलहाल, सोशल मीडिया पर अजय विश्नोई का यह पोस्ट राजनीतिक हलचल तेज कर गया है और विपक्षी दलों के साथ-साथ राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान भी इस ओर आकर्षित हो रहा है।

मंदिर से चांदी के दो मुकुट हुए चोरी

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। जिले में नवरात्रि का उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। वहीं शारदा उत्सव भी बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। उत्सव के दौरान माता के एक मंदिर से चोरी की घटना सामने आने से श्रद्धालुओं में आक्रोश है। बताया गया है कि आमगांव पुलिस थानांतर्गत बनगांव में स्थित माता मंदिर से चांदी के दो मुकुट चोरी हो गए हैं। घटना 22 अक्टूबर को सुबह के दौरान सामने आयी। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। इस संदर्भ में जानकारी दी गई कि आमगांव शहर से सटकर बनगांव ग्राम है।

इस ग्राम परिसर में माता का मंदिर स्थापित है। मंदिर की साफ-सफाई करने जब मंदिर के पुजारी गए तो इस दौरान मंदिर का ताला टूटा हुआ दिखाई दिया। जिसके बाद मंदिर में जाकर देखा तो चांदी के दो मुकुट चोरी होने की बात सामने आयी। इस घटना की जानकारी माता मंदिर के पदाधिकारियों को दी गई। बताया गया है कि चोरी गए दो चांदी के मुकुट का वजन 400 ग्राम है। इस घटना की शिकायत आमगांव पुलिस थाने में की गई। शिकायत के आधार पर अज्ञातों के खिलाफ धारा 305 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

खेत और ढाबे से शराब जब्त

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। दवनीवाडा पुलिस ने दो कार्रवाई में खेत और ढाबे से देशी शराब की जब्त किया। पहली कार्रवाई परसवाडा के खेत परिसर में की गई। इस कार्रवाई में पुलिस ने परसवाडा निवासी निशांत परमानंद टेंभुर्णीकर (35) के पास से 5 लीटर देशी शराब जब्त की। जिसकी कीमत 1 हजार 500 रुपए बताई गई है। पुलिस ने उक्त आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई पुलिस हवलदार महेंद्र अंबादे और अमोल राऊत ने की। दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने परसवाड़ा निवासी मुकेश मदन मेश्राम (45) के ढाबे से 6 लीटर देशी शराब की जब्त किया। जिसकी कीमत 1 हजार 800 रुपए बताई गई है।

बालिका और युवती को सर्पदंश

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में एक बालिका और एक युवती सर्पदंश का शिकार हो गई। पहली घटना तिरोड़ा तहसील अंतर्गत बेरडीपार की बताई गई है। इस घटना में काव्या आशीष चौधरी (4) को सांप ने डस लिया जिसमें वह जख्मी हो गई। इसके बाद उसे तिरोड़ा के उपजिला अस्पताल में भर्ती किया गया। हालत गंभीर होने पर उसे आगे के उपचार के लिए शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय ले जाया गया। ऐसी ही दूसरी घटना सड़क अर्जुनी तहसील अंतर्गत कोहमारा में सामने आई। इस घटना में रिनाक्षी किरण ठाकरे (24) को सांप ने डस लिया जिसमें वह जख्मी हो गई। इसके बाद उसे सड़क अर्जुनी के ग्रामीण अस्पताल में भर्ती किया गया। वहां से उसे आगे के उपचार के लिए शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय में रेफर किया गया। दोनों घटनाओं को लेकर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

दोपहिया से गिरकर युवक घायल

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। देवरी तहसील अंतर्गत डोंगरगांव निवासी तेजराम आसाराम चाकाटे (20) ग्राम परसोड़ी में दोपहिया वाहन से गिर गया जिसमें वह घायल हो गया। इस घटना को लेकर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

बस्तर दशहरा सामाजिक समरसता, सामूहिक आस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक-राष्ट्रपति

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आज बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी की पावन भूमि जगदलपुर में आयोजित विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा उत्सव में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने बस्तर दशहरा की विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की सराहना करते हुए इसे छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक गौरव, सामूहिक आस्था, सामाजिक समरसता और जनजातीय विरासत का जीवंत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 75 दिनों तक चलने वाला यह अनूठा उत्सव विभिन्न समुदायों को एक सूत्र में बांधने और पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं को संरक्षित रखने का उत्कृष्ट उदाहरण है।



राष्ट्रपति ने माँ दंतेश्वरी को नमन करते हुए कहा कि बस्तर दशहरा जैसे विश्वप्रसिद्ध उत्सव में शामिल होना उनके लिए विशेष प्रसन्नता का विषय है। इस उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें विभिन्न गोत्रों, समुदायों और समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता रहती है। रथ निर्माण से लेकर रथ खींचने, पूजा-अर्चना और विभिन्न अनुष्ठानों तक प्रत्येक समुदाय अपनी परंपरागत जिम्मेदारी का निर्वहन करता है। यह सामूहिक सहभागिता सामाजिक एकता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक निरंतरता का असाधारण उदाहरण है।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने बस्तर दशहरा के अंतर्गत आयोजित होने वाले मुरिया दरबार की परंपरा को जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस परंपरा में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि एक साथ बैठकर जनसमस्याओं, आवश्यकताओं और सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श करते हैं। सामूहिक संवाद के माध्यम से निकाले गए समाधान समाज की खुशहाली और आपसी सहयोग का मार्ग प्रशस्त करते हैं। ऐसी परंपराएं भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करती हैं और लोकतांत्रिक मूल्यों को नई प्रतिष्ठा प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि लगभग दो माह पूर्व राष्ट्रपति भवन में बस्तर के प्रतिनिधिमंडल से उनकी मुलाकात हुई थी। इसमें बस्तर पंडुम के विजेताओं के साथ बस्तर के परगना मांझी और चालकी भी शामिल थे। बस्तर पंडुम जैसे आयोजन जनजातीय युवाओं को अपनी संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय समाज में अपार प्रतिभा और संभावनाएं हैं। उचित अवसर, प्रोत्साहन और संसाधन उपलब्ध होने पर जनजातीय समाज के बेटे-बेटियां जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बस्तर ओलंपिक में जनजातीय युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि खेल प्रतिभाओं को उचित मंच मिलने से बस्तर के युवा भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं और ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ा सकते हैं। राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की समस्या से मुक्ति और सुरक्षा एवं विकास के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों का उल्लेख करते हुए केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद की पीड़ा से मुक्त होकर यह क्षेत्र प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बस्तर के युवा और जनजातीय समुदाय के लोग अपनी प्रतिभा, परिश्रम और सहभागिता से देश की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने बस्तर क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि रामायण में इस अंचल का संबंध दंडकारण्य से जोड़ा जाता है। भगवान श्रीराम के वनवास से संबंधित अनेक प्रसंग इस क्षेत्र की सांस्कृतिक स्मृतियों में विद्यमान हैं। माता शबरी के प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत भारतीय परंपरा का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्शों, माता सीता की पवित्रता और माता शबरी की भक्ति से प्रेरणा लेकर समाज को नैतिकता, मर्यादा और मानवीय मूल्यों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। बस्तर की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी भारतीय टीम

क्राइस्टचर्च । भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को यहां दूसरे टी20 मुकाबले में मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज कर अपनी बढ़त को 2-0 करने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले टी20 में चार विकेट से जीत दर्ज कर अभी सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की है। जिससे उसके हौंसले बुलंद है। ऐसे में भारतीय टीम इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है हालांकि इस मैच में भारतीय गेंदबाजों का अपना प्रदर्शन बेहतर करना होगा। पहले मैच में भारतीय गेंदबाज असफल रहे थे जिसे मैचबान टीम 225 रनों का स्कोर बनाने में सफल रही थी। भारतीय टीम ने बल्लेबाजी के बल पर ये मैच जीता था पर उसके गेंदबाजों को अब बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज पहले मैच में मेजबान बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये थे।



पांचवें गेंदबाज के तौर नीतीश रेड्डी भी प्रभावित नहीं कर पाये। ऐसे में टीम को हार्दिक पंड्या की कमी महसूस हुई। पहले मैच में कोई भी गेंदबाज मेजबान बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना पाया। यहां तक की चार साल बाद वापसी करने वाले भुवनेश्वर कुमार ने भी चार ओवरों में 49 रन दिये और एक भी विकेट नहीं ले पाये। उन्हें इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी वापसी को सही साबित करना होगा।

दूसरे मैच में भी बल्लेबाजों के हावी रहने की उम्मीद है। ऐसे में गेंदबाजों को सही लाइन व लैंथ रखनी होगी। पहले टी20 में सबसे ज्यादा रन देने वाले स्पिर अक्षर पटेल को हालात के अनुसार गेंदबाजी करनी होग।

वहीं बल्लेबाजी में संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा से इस मैच में भी बेहतर बल्लेबाजी जारी रखने की उम्मीद रहेगी। ईशान किशन के चोटिल होने के कारण वैभव सूर्यवंशी को इस मैच में मौका मिल सकता है। ऐसे में वैभव अभिषेक शर्मा के साथ पारी शुरु कर सकते हैं जबकि संजू सैमसन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। किशन के चोटिल होने के कारण तिलक वर्मा को पहले मैच में तीसरे नंबर पर उतारा गया था पर अब उनके पांचवें या छठे नंबर पर उतरने की उम्मीद है।

दूसरी ओर कीवी टी की बात करें तो उसके तेज गेंदबाज मैट हेनरी और एडम मिल्ने इस मैच में अपनी पिछली गलतियों से सबक लेते हुए बेहर प्रदर्शन क के लिए उतरेंगे। कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी माना है कि उनके गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों को रोकने में विफल रहे थे के लिए भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। इसी कारण सैमसन और अभिषेक ने तेजी से रन बनाकर मैच का रुख पलट दिया था। स्पिनर मिशेल सैंटनर और माइकल ब्रैसवेल ने बीच के ओवरों में भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने का प्रयास किया था। वह इस सिलसिले को बनाये रखने का प्रयास करेंगे। मेजबान टीम के गेंदबाज पिच की तेजी औरउछाल का लाभ उठाने का पूरा प्रयास करेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं -

भारत - श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव।

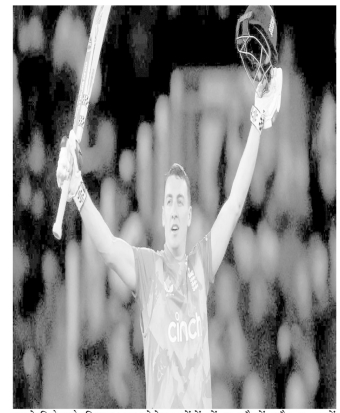
न्यूजीलैंड -

मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रैसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, जैक फाउल्स, मैट हेनरी, बेवन जैकब्स, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नाथन स्मिथ।

हैरी ब्रूक एकदिवसीय में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

रावलपिंडी। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने यहां त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज के तीसरे मैच में श्रीलंका के खिलाफ केवल 114 गेंदों में ही दोहरा शतक लगाकर एक विश्व रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही हैरी ने सबसे तेज दोहरे शतक का भारतीय टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल का रिकार्ड तोड़ दिया है। शुभमन ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ 117 गेंदों में दोहरा शतक लगाया था। हैरी एकदिवसीय क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले इंग्लैंड के एकमात्र बल्लेबाज हैं।

हैरी ने श्रीलंकाई गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं देते हुए 116 गेंदों पर 202 रन बना दिये। अपनी इस आतिशी पारी में उन्होंने 21 चौके और 10 छक्के लगाये। ब्रूक अपनी इस पारी से इंग्लैंड के लिए एकदिवसीय में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड बेन स्टोक्स के नाम था। स्टोक्स ने साल साल 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 182 रन बनाये थे।



हैरी के दोहरे शतक से ही इंग्लैंड टीम 429 रन बनाने में सफल रहे हालांकि इसके बाद भी उसे हार का सामना करना पड़ा।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी रही। ओपनर टॉम बैंटन (50) और बेन डकेट (29) ने पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। इसके बाद जो रूट (69) और हैरी ब्रूक ने तीसरे विकेट के लिए 127 गेंदों में 159 रनों की मजबूत साझेदारी की। रूट के आउट होने के बाद रावलपिंडी में हैरी ब्रूक और विल जैक्स का तूफान आया। ब्रूक और जैक्स ने मिलकर महज 77 गेंदों में 185 रनों की आतिशी साझेदारी की। जैक्स ने सिर्फ 30 गेंदों में 8 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 66 रनों की धुआंधार पारी खेली। इन तूफानी पारियों के दम पर इंग्लैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 429 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया। वनडे क्रिकेट के इतिहास में यह 8वां मौका है जब इंग्लैंड ने 400 से अधिक का स्कोर बनाया है।

पैरा एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी, नितेश, नवीन ने जीते स्वर्ण

संदीप ने नया विश्व रिकार्ड बनाया, मुरुगेसन और नित्या को रजत

नागोया । जापान में जारी एशियाई पैरा खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के पदक जीतने का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को यहां नितेश कुमार और नवीन शिवकुमार ने जहां बैडमिंट में दो स्वर्ण जीते। वहीं संदीप ने पुरुषों की 400 मीटर टी64 रेस में एक नया विश्व रिकार्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके अलावा, हरविंदर सिंह और विजय सुंडी की जोड़ी ने पैरा रिकर्व पुरुष युगल तीरंदाजी में दो स्वर्ण पदक जीते।

बैडमिंटन में पुरुषों के एसएल3 वर्ग के फाइनल में भारत के नितेश कुमार ने अपने ही साथी खिलाड़ी प्रमोद भगत को सीधे सेटों में 21-18, 21-16 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। अपनी जीत पर खुशी जताते हुए नितेश ने कहा, एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतकर बहुत खुश हूं। पिछली बार मैं पदक नहीं जीत पाया था। इसलिए इस बार जीतना और प्रमोद के खिलाफ दो गेम में जीत दर्ज करना बेहद खास बात रही है। वहीं पुरुषों के एसएल4 वर्ग में नवीन ने भी अपना बेहतरीन खेल दिखाते हुए इंडोनेशिया के फेबी सेतियावान को 36 मिनट में 21-9, 21-17 से हराकर स्वर्ण पदक जीतकर बैडमिंटन में भारत की दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। इस तरह भारतीय खिलाड़ियों ने पुरुषों के दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीते हैं।



वहीं एथलेटिक्स में संदीप ने पुरुषों की 400 मीटर टी64 स्पर्धा में असाधारण प्रदर्शन करते हुए 52.28 सेकंड का समय निकालकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाने के साथ ही स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अपने करीब प्रतिद्वंद्वी सऊदी अरब के नूर अलसाना को 0.85 सेकंड से पीछे छोड़ा। नूर ने 53.13 सेकंड समय निकलकर रजत पदक जीता। इसी स्पर्धा में भारत के अजय कुमार ने 53.61 सेकंड समय निकालकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

इसके अलावा पैरा रिकर्व पुरुष युगल तीरंदाजी फाइनल में हरविंदर सिंह और विजय सुंडी की भारतीय जोड़ी ने चीन को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। मुकाबले की शुरुआत में पहले सेट का स्कोर 35-35 से बराबर रहा, पर इसके बाद भारतीय जोड़ी ने बेहतरीन तालमेल और सटीक निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए दूसरे सेट में 37-36 और तीसरे सेट में 38-36 से जीत दर्ज करते हुए खिताब जीता। भारतीय जोड़ी ने मुकाबले के अंतिम दोनों सेटों में अपनी पकड़ मजबूत रखी और चीनी प्रतिद्वंद्वी यून डुओ और झाओ लिशुए को वापसी का कोई अवसर नहीं दिया।

दूसरी ओर वहीं महिलाओं के पैर बैडमिंटन मुकाबलों में थुलासिमथी मुरुगेसन और नित्या श्री सुमति सिवन ने रजत पदक जीते। महिला एकल एसएच6 फाइनल में भारत की नित्या श्री सुमति सिवन को चीन की ली फेंगमेई के हाथों 12-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले, पेरिस पैरालंपिक में रजत पदक विजेता थुलसिमथी मुरुगेसन को इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में खेले गए महिला एकल एसयू 5 फाइनल में चीन की यांग किउक्सिया से 18-21, 11-21 से हराया, जिसके बाद उन्हें रजत पदक ही मिला।

ईशान के चोटिल होने से वैभव को मिल सकता है अवसर

क्राइस्टचर्च। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन चोटिल होने के कारण मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच से तकरीबन बाहर हो गये हैं। ईशान की जांघ के ऊपरी हिस्से (ग्रोइन) में खिंचाव आया है। इसी को लेकर भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भी बताया है। उन्होंने बताया कि पहले मैच के दौरान भी ईशान को परेशानी महसूस हो रही थी, जिसके चलते उनके बल्लेबाजी क्रम में बदलाव कर तिलक वर्मा को तीसरे नंबर पर भेजा गया था।

कोटक ने कहा कि किसी भी



जोखिम से बचाने के लिए ईशान को दूसरे मैच में आराम दिया जाएगा और ऐसे में उनकी जगह पर वैभव सूर्यवंशी को अंतिम ग्यारह में शामिल किया जा सकता है। इसके बाद से ही वैभव के प्रशंसकों में उत्साह की लहर है। मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान श्रेयस अय्यर ने पहले कहा था कि संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा के टीम में होने के कारण वैभव को अपनी बारी का थोड़ा इंतजार करना होगा पर अब ईशान के चोटिल वैभव को अवसर मिलना तय हो गया है। सीरीज का दूसरा मैच 24 फरवरी को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम अपनी बढ़त को 2-0 करने उतरेगी। वैभव ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में अब तक आठ टी-20 मैच खेले हैं। जिम्बाब्वे दौरे पर उन्होंने दो शानदार अर्धशतक जमाकर अपनी प्रतिभा दिखायी थी।

न्यूजीलैंड ए और भारत ए के बीच चार दिवसीय टेस्ट आज से

लिंकन। भारत और मेजबान न्यूजीलैंड की ए टीमों के बीच तीन चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट मैचों की सीरीज शनिवार से शुरु होने जा रही है। इसके लिए न्यूजीलैंड ए ने 19 सदस्यीय टीम घोषित की है। इसमें 11 मौजूदा और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। शुरुआती दो मुकाबलों में न्यूजीलैंड ए टीम की कप्तानी राइस मारियू संभालेंगे। इसका पहला चार दिवसीय मुकाबला शनिवार को 24 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक लिंकन में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मैच 31 अक्टूबर से 3 नवंबर के बीच क्राइस्टचर्च में और तीसरा मैच 7 से 10 नवंबर तक लिंकन में खेला जाएगा। कीवी टीम ने घरेलू हालातों से लाभ उठाने और भारत ए को कड़ी चुनौती देने के लिए हेनरी निकोल्स, बेन लिस्टर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट और एडी अशोक जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया है। दूसरी ओर भारत ए की कप्तानी ध्रुव जुरेल कर रहे हैं। भारतीय टीम में यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल और वॉशिंगटन सुंदर को शामिल किया गया है। चोटिल होने के कारण अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत शुरुआती मुकाबलों से बाहर रहेंगे। उनकी जगह कुमार कुशाग्र को शामिल किया गया है। भारत ए टीम में साई सुदर्शन, आकाश दीप, मुकेश कुमार, अंशुल कंबोज, मानव सुथार और आकिब नबी शामिल हैं। यह अनौपचारिक टेस्ट सीरीज दोनों देशों के खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम मानी जा रही है क्योंकि इसके बाद सीनियर टीमों के बीच टेस्ट सीरीज होगी।

सिम्पसन की कप्तानी में खिताब की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी इंग्लैंड

हांगकांग । इंग्लैंड ने विकेटकीपर-बल्लेबाज जॉन सिम्पसन को हांगकांग सिक्सेस 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम का कप्तान बनाया है। सिम्पसन अभी ससेक्स क्रिकेट क्लब के कप्तान हैं। टूर्नामेंट के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा भी कर दी गयी है। यह टूर्नामेंट 30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन मैदान में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के लिए इंग्लैंड की टीम काफी संतुलित होने के कारण खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है।

हांगकांग सिक्सेस प्रारुप में मैदान पर छह खिलाड़ी होते हैं और हर पारी में छह ओवर ही फेंके जाते हैं। यह टूर्नामेंट आक्रामक क्रिकेट के साथ ही तेजी से रन बनाने और खिलाड़ियों के बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी और फील्डिंग में तेजी पर आधारित है। सिम्पसन इसमें सात सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे, जिसमें एडवर्ड बर्नार्ड, फिन हडसन-प्रेंटिस, जैक कार्सन, मार्टिन एंडरसन, डैनियल मौस्ली और नाथन गिलक्रिस्ट भी शामिल हैं। टीम को पास सिम्पसन जैसा अनुभवी कप्तान है। इसके अलावा टीम के पास गेंद और बल्ले से बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भी हैं। जिससे इस तेजी से रन बनाने वाले प्रारुप में इंग्लैंड एक बड़े दावेदार के तौर पर उतरेगी। इसमें इंग्लैंड ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया और हांगकांग (चीन) के साथ रखा गया है। टीम 2025 में सेमीफाइनल तक पहुंचने के अपने प्रदर्शन से इस बार और बेहतर करने के प्रयास करेगी।

गौरतलब है कि सिम्पसन एक दशक से भी अधिक समय से ईस्टिश काउंटी क्रिकेट में शामिल रहे रहे हैं। उन्होंने 2024 में ससेक्स को काफी सफलतापूर्ण दिलायी हैं। साल 2025 में काउंटी चैंपियनशिप में उन्होंने 1,086 रन बनाए थे। उन्होंने जुलाई 2021 में पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड टीम की ओर से तीन एकदिवसीय मैच भी खेले थे। वह 2017 में हांगकांग सिक्सेस के लिए एमसीसी की टीम में भी शामिल थे। वहीं टीम में शामिल एडवर्ड बर्नार्ड वार्विकशायर के लिए सभी प्रारुपों में कप्तानी करते हैं, वह उस वॉर्सेस्टरशायर टीम का में शामिल थे जिसने साल 2018 में टी20 ब्लास्ट जीता था। वहीं, ससेक्स के ऑफ-स्पिनर जैक कार्सन ने इस सत्र में वन डे कप के दौरान अपनी काउंटी टीम की कप्तानी की थी। वहीं डर्बीशायर के ऑलराउंडर मार्टिन एंडरसन शानदार फॉर्म में हैं। मई में वाइटैलिटी ब्लास्ट के दौरान उन्होंने लीसेस्टरशायर के खिलाफ 23 रन देकर 6 विकेट लिए थे। ये डर्बीशायर के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ टी20 आंकड़े हैं। इसके लिए उन्हें मई 2026 का पीसीए प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड भी मिला। वार्विकशायर के बाएं हाथ के बल्लेबाज और ऑफ-स्पिन गेंदबाज डैनियल मौस्ली के पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। वह इंग्लैंड के लिए वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय खेल चुके हैं।

श्रीलंका ने लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को हराकर भारतीय टीम का रिकार्ड तोड़ा

रावलपिंडी। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज के तीसरे मुकाबले में इंग्लैंड को दो विकेट से हराकर एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने का भारतीय टीम का रिकार्ड तोड़ दिया है। इंग्लैंड ने 430 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए, श्रीलंकाई टीम पर एक गेंद शेष रहते हुए जीत हासिल की है। यह एकदिवसीय इतिहास का लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी सबसे बड़ी जीत है। वहीं 22 दिन पहले ही भारतीय टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 406 रनों का रिकार्ड बनाया था जो अब टूट गया है। इससे पहले भारतीय टीम ने गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

वहीं इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हैरी ब्रूक के तूफानी दोहरे शतक की सहायता से 50 ओवर में चार विकेट पर 429 रन बनाये थे। ब्रूक ने केवल 116 गेंदों पर 21 चौकों और 10 छक्कों की मदद से नाबाद 202 रन बनाए, जो एकदिवसीय इतिहास में किसी हारने वाली टीम के बल्लेबाज का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर भी बन गया है। उनके अलावा विल जैक्स ने 66, जो रूट ने 69 और टॉम बैंटन ने 50 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्रीलंका की ओर से दुनिथ वेलालागे ने दो विकेट लिए।

वहीं 430 रनों के असंभव से प्रतीत हो रहे लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो के 97 रनों की तेज पारी खेली।

रिंकू या नमन में कौन रहेगा टीम के लिए बेहतर ?

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट में आजकल रिंकू सिंह और नमन धीर में कौन टीम के लिए अधिक बेहतर साबित रहेगा। इसको लेकर बहस चल रही है। इसके साथ ही ये भी सवाल उठ रहा है कि क्या टीम को एक विशेषज्ञ मैच फिनिशर की आवश्यकता है या फिर एक बहुआयामी खिलाड़ी को, जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में योगदान दे सके। रिंकू सिंह जहां बेहतर फिनिशर हैं। वहीं नमन जरुर के अनुन्सा बल्लेबाजी के साथ-साथ स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं।

रिंकू ने पिछले कुछ समय से भारतीय क्रिकेट में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्हें एक विशेषज्ञ मैच फिनिशर के रूप में जाना जाता है, जिनकी क्षमता कठिन परिस्थितियों में भी अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से मैच का रुख पलटने की है। दबाव के क्षणों में बड़े शॉट खेलने और लक्ष्य का पीछा करते समय शांत रहते हुए अपनी टीम को जीत दिलाना उनकी खासियत रही है। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए, उन्होंने कई मौकों पर अपनी इस क्षमता का



प्रदर्शन किया है, जिससे वे भारतीय टी-20 सेटअप का एक महत्वपूर्ण अंग बन गए हैं। उनका अनुभव और मैच को अंत तक ले जाकर खत्म करने का बेजोड़ रिकॉर्ड उनका सबसे मजबूत पक्ष है।

वहीं दूसरी ओर उभरते हुए बल्लेबा नमन धीर एक उभरते हुए सितारे हैं, जो बल्लेबाजी के साथ-साथ स्पिन गेंदबाजी का भी विकल्प प्रदान करते हैं। वहीं एक क्रिकेट कोच का मानना है कि आधुनिक टी-20 क्रिकेट में अब केवल बड़े शॉट लगाने वाले बल्लेबाजों की जगह ऐसे खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जा रही है जो दोहरी भूमिका निभा सकें। धीर न केवल आक्रामक बल्लेबाजी करने का कौशल रखते हैं, बल्कि वे जरूरत पड़ने पर उपयोगी ऑफ-स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं। इससे वह उन्हें टीम संयोजन के लिए एक बेहतर संतुलन प्रदान करते है, विशेष कर उन हालातों में जब पिच स्पिनरों के लिए मददगार हो या टीम को एक अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प की आवश्यकता हो, जिससे कप्तान को अधिक सामरिक लचीलापन मिलता है।

टी-20 क्रिकेट के बदलते स्वरूप में, एक ऐसा खिलाड़ी होना जो बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दे सके, टीम की रणनीतिक लचीलेपन को बढ़ाता है। इससे कप्तान को अधिक विकल्प मिलते हैं और टीम गहराई प्रदान करती है, चाहे वह बल्लेबाजी क्रम में हो या गेंदबाजी आक्रमण में। ऐसे में, जब दो खिलाड़ियों की तुलना होती है, तो टीम प्रबंधन की प्राथमिकताएं सबसे महत्वपूर्ण हो जाती हैं। क्या टीम को एक ऐसे बल्लेबाज की जरूरत है जो सुनिश्चित रूप से मैच को फिनिश कर सके और जिसका अंतरराष्ट्रीय अनुभव एक मजबूत पक्ष हो, या एक ऐसे खिलाड़ी की, जो दो अलग-अलग विभागों में टीम को विकल्प दे और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाता हो?

रिंकू का अनुभव और मैच खत्म करने का बेजोड़ रिकॉर्ड उन्हें चयन में एक मजबूत दावेदार बनाता है, जिसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बनाने में मदद की है। इसके विपरीत, नमन को खुद को शीर्ष स्तर पर लगातार साबित करना अभी बाकी है, हालांकि उनकी बहुआयामी क्षमता में अपार संभावनाएं दिखती हैं। टी-20 क्रिकेट में संतुलन बनाए रखने और विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल ढलने के लिए ऑलराउंडरों की अहमियत निश्चित रूप से बढ़ी है, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि चयनकर्ता विशुद्ध आक्रामक मैच फिनिशर पर अपना भरोसा कायम रखते हैं या फिर बहुआयामी कौशल वाले युवा खिलाड़ी को टीम में मौका देकर भविष्य के लिए एक नया विकल्प तलाशते हैं।

अर्णव सहित पांच खिलाड़ी मुंबई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

मुम्बई । भारत के अर्णव पापरकर, करण सिंह और दिग्विजय प्रताप सिंह के अलावा अमेरिका के समीर बनर्जी और गैरेट जॉन्स ने मुंबई ओपन आईटीएफ पुरुष एम25 टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। पापरकर ने थाईलैंड के थानापेट को 6-2, 6-4 से हराया। वहीं तीसरी वरीयता प्राप्त करण सिंह ने आदिल कल्याणपुर को 6-1, 6-1 से जबकि चौथी वरीयता प्राप्त दिग्विजय प्रताप सिंह ने कड़े मुकाबले के बाद अमेरिका के अधिल्य गणेशन को तीन सेट तक चले मुकाबले में 6-3, 4-6, 7-5 से पराजित किया। वहीं अमेरिका के छठी वरीयता प्राप्त समीर बनर्जी ने भी सीधे सेटों में जीत दर्ज की। उन्होंने भारत के समर्थ सहिता को 6-3, 6-2 से हराया। एक अन्य मुकाबले में भारत के ही सातवीं वरीयता प्राप्त सिद्धार्थ रावत ने अपनी ही साथी खिलाड़ी सूरज आर. प्रबोध को 7-6, 6-1 से हराया। चिराग दुहान ने भी अंतिम आठ में प्रवेश किया। अमेरिका के गैरेट जॉन्स ने भारत के मनीष सुरेश कुमार को 7-6, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। वहीं युगल वर्ग में भी भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त एसडी प्रज्वल देव और नितिन कुमार सिन्हा की जोड़ी ने आदित्य बालसेकर और रोहन मेहरा को 7-6 (6), 6-4 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई।



पंचायत चुनाव 2027 को लेकर सरकार की तैयारी तेज

पंचायत राज व्यवस्था में बदलाव की तैयारी, ग्राम सभा के अधिकारों पर होगा फैसला

भोपाल। मध्य प्रदेश में पंचायत राज व्यवस्था में बदलाव की तैयारी है। डॉ. मोहन यादव सरकार ग्राम सभा के अधिकार पंचायत समितियों को सौंपने के लिए पंचायत राज नियमों में संशोधन करने जा रही है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल के अनुसार, ग्राम सभा की अनिवार्यता बनी रहेगी, लेकिन उसके अधिकारों में बदलाव किया जाएगा। वहीं, प्रदेश में 2027 में प्रस्तावित त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव एक से दो महीने पहले कराने की तैयारी भी की जा रही है।

मंत्री प्रहलाद पटेल ने बालाघाट जिले के वारासिवनी जनपद की ग्राम पंचायत गर्रा में आयोजित सरपंच सम्मेलन में पंचायत राज व्यवस्था में बदलाव के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा के अधिकार पंचायत समितियों को देने के लिए नियमों में बदलाव की प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए अधिसूचना जारी करने की तैयारी है। ग्राम सभा गांव के विकास कार्यों,

म. प्र. राज्य निर्वाचन आयोग

सरकारी योजनाओं और स्थानीय समस्याओं पर चर्चा करने का प्रमुख मंच है। ऐसे में उसके अधिकारों में बदलाव से पंचायत स्तर पर फैसले लेने की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। हालांकि, प्रस्तावित बदलाव के बाद अधिकारों का सटीक बंटवारा किस तरह होगा, यह नियमों की अधिसूचना जारी होने के बाद ही स्पष्ट होगा।

कार्यकाल खत्म होने से पहले होंगे पंचायत चुनाव

प्रदेश में पिछला त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव जून-जुलाई 2022 में हुआ था। अब सरकार 2027 में होने वाले अगले पंचायत चुनाव एक या दो महीने पहले कराने की तैयारी कर रही है। मंत्री के मुताबिक, इसका उद्देश्य नई पंचायतों को समय पर कार्यभार सौंपने की प्रक्रिया पूरी करना है। प्रदेश में 2028 में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे में पंचायत चुनाव का कार्यक्रम राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, पंचायत चुनाव की अंतिम तारीखों की घोषणा राज्य निर्वाचन आयोग की आधिकारिक प्रक्रिया के तहत होगी।

पंचायतों को टैक्स लगाने का अधिकार देने की तैयारी

सरकार पंचायतों को नगरपालिका की तरह कर लगाने के अधिकार के इस्तेमाल की दिशा में भी काम कर रही है। फिलहाल किन मदों में कर लगाया जा सकेगा और इसकी प्रक्रिया क्या होगी, इस बारे में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

25 दिसंबर को 2,472 पंचायत भवनों का लोकार्पण

मंत्री ने बताया कि प्रदेश में 2,472 पंचायत भवन बनकर तैयार हैं। इनका लोकार्पण 25 दिसंबर को अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर प्रस्तावित है। प्रत्येक भवन के लिए 37.50 लाख रुपये दिए गए हैं। इसके अलावा, प्रदेश में 3,700 से अधिक सामुदायिक भवनों के निर्माण की जानकारी भी दी गई। पंचायत राज नियमों में प्रस्तावित बदलाव और चुनाव कार्यक्रम को लेकर अब आधिकारिक अधिसूचनाओं पर नजर रहेगी। इन्हीं से स्पष्ट होगा कि ग्राम सभा और पंचायत समितियों के अधिकारों में क्या बदलाव होंगे और पंचायत चुनाव किस समय कराए जाएंगे।

मांगें नहीं मानीं तो ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर देंगे धरना

- मास्टर प्लान-2047 के विरोध में टीएनसीपी दफ्तर पहुंचकर किसानों ने सौंपी आपत्तियां, दी चेतावनी

भोपाल। भोपाल मास्टर प्लान-2047 के ड्राफ्ट के विरोध में शुक्रवार को बड़ी संख्या में किसान शाहपुरा स्थित टीएनसीपी दफ्तर पहुंचे। भारतीय किसान संघ के बैनर तले पहुंचे किसानों ने उपसंचालक हरिओम महेश्वरी को आपत्तियां सौंपीं। किसानों ने कृषि भूमि के भू-उपयोग में बदलाव, बड़े तालाब के कैचमेंट एरिया में निर्माण और सरपंचों को बैठकों में नहीं बुलाने पर सवाल उठाए।

जनपद पंचायत अध्यक्ष फंदा प्रमोद सिंह राजपूत ने कहा कि अधिकारी गड़बड़ी कर रहे हैं और वे मास्टर प्लान के खिलाफ हैं। सरपंच प्रतिनिधि घनश्याम पाटीदार ने आरोप लगाया कि मास्टर प्लान में शामिल सरपंचों को किसी बैठक में नहीं बुलाया गया। किसान गीता प्रसाद पाटीदार ने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर आएंगे और टीएनसीपी दफ्तर के सामने धरने पर बैठ जाएंगे। प्रदर्शन के दौरान किसान 'किसान शक्ति जागेगी, सारी समस्या भागेगी' लिखे बोर्ड लेकर पहुंचे। पुलिस-प्रशासन भी सक्रिय रहा।

कृषि भूमि और कैचमेंट एरिया के प्रावधानों पर किसानों की आपत्ति

किसानों की मांग है कि कृषि भूमि का भू-उपयोग बदलने से पहले उनकी समस्याओं और अधिकारों पर गंभीरता से विचार किया जाए। इससे पहले गुरुवार को नीलबड़ में किसानों ने सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया था। भारतीय किसान संघ के तहसील अध्यक्ष अखिलेश मीणा ने भी किसानों की निजी भूमि, कृषि कार्य और अधिकारों को प्रभावित करने वाले प्रावधानों पर आपत्तियां दर्ज कराने की बात कही थी। किसानों ने बड़े तालाब के कैचमेंट क्षेत्र में निर्माण संबंधी प्रावधानों पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि आम लोगों के मकानों पर रोक के बीच प्रभावशाली लोगों के बंगलों और फार्म हाउस वाले क्षेत्रों में निर्माण की सीमा बढ़ाई जा रही है।

कन्वर्जन फीस 5 प्रतिशत करने की मांग

मास्टर प्लान-2047 के ड्राफ्ट पर आपत्तियां दर्ज कराने किसानों से पहले व्यापारी शाहपुरा स्थित टीएनसीपी दफ्तर पहुंचे। व्यापारियों ने व्यावसायिक भू-उपयोग, एफएआर, कन्वर्जन फीस और सीलिंग की कार्रवाई को लेकर आपत्तियां जताईं। व्यापारियों ने मांग की कि कन्वर्जन फीस एकमुश्त और कुल 5 प्रतिशत तय की जाए। फीस जमा करने पर पूरा कमर्शियल एफएआर दिया जाए और पुराने बाजारों को राहत मिले। किसानों का कहना है कि मास्टर प्लान में 66 गांवों की कृषि भूमि को रिवरफ्रंट, फॉरेस्ट, ग्रीन बेल्ट और अन्य आरक्षित श्रेणियों में शामिल करने का प्रस्ताव है। इससे उनकी निजी जमीन, खेती और आजीविका प्रभावित हो सकती है।

2 महीने बाद भी 196 पदोन्नत व्याख्याताओं की पोस्टिंग नहीं

- प्रदेश में प्राचार्यों के हजारों पद खाली, रिटायरमेंट के करीब पहुंचे शिक्षकों को नई पदस्थापना का इंतजार

भोपाल । मध्य प्रदेश के हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में प्राचार्यों के पद रिक्त होने के बावजूद पदोन्नत व्याख्याताओं की पदस्थापना के आदेश दो महीने बाद भी जारी नहीं किए गए हैं। इससे विद्यालयों की प्रशासनिक एवं शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। वहीं, दूसरी ओर पदोन्नति मिलने के बाद भी शिक्षक अपने नए पद का दायित्व संभालने से वंचित हैं। पदस्थापना में हो रही इस अनावश्यक देरी से शिक्षकों में नाराजगी बढ़ रही है। उधर, जनजातीय कार्य विभाग ने भी एक दिन पहले 272 शिक्षकों की पदोन्नति सूची जारी की है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने 25 अगस्त को आदेश जारी कर 196 व्याख्याताओं को प्राचार्य पद पर पदोन्नत किया था। इन पदोन्नत शिक्षकों को अब तक हाईस्कूल प्राचार्य के रूप में पदस्थ करने के आदेश जारी नहीं हुए हैं। इन्हें अपनी नई पदस्थापना का इंतजार है, लेकिन लोक शिक्षण आयुक्त कार्यालय ने अब तक पदस्थापना के आदेश जारी नहीं किए हैं। मध्यप्रदेश अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने कहा कि प्रदेश में प्राचार्यों के हजारों पद रिक्त हैं और व्याख्याताओं को पदोन्नति भी दी जा चुकी है। इसके बावजूद दो महीने बीत जाने पर भी पदस्थापना के आदेश जारी नहीं होना समझ से परे है। विभागीय प्रक्रिया में हो रहे विलंब के कारण पदोन्नत शिक्षक अपने नए पद का दायित्व संभालने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इनमें ऐसे शिक्षक भी शामिल हैं, जो सेवानिवृत्ति के करीब पहुंच चुके हैं।

पोस्टिंग नहीं होने से पदोन्नति के लाभ से वंचित

कौशल ने कहा कि प्राचार्यों के पद रिक्त रहने से विद्यालयों की प्रशासनिक निगरानी, शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन तथा संस्थागत व्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। वहीं, पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी पदस्थापना के आदेश जारी नहीं होने से शिक्षकों को पदोन्नति का वास्तविक लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है। सेवानिवृत्ति के करीब पहुंचे शिक्षकों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग से मांग की कि पदोन्नत व्याख्याताओं की पदस्थापना के आदेश तत्काल जारी किए जाएं तथा सेवानिवृत्ति के करीब पहुंचे शिक्षकों के मामलों को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही, प्राचार्यों के रिक्त पदों को भरने की लंबित प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाए, ताकि विद्यालयों में प्रशासनिक एवं शैक्षणिक व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो सके।

मुंबई में 117 साल पुरानी एडवर्ड विला बेचेगी सरकार!

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए मुंबई में स्थित अपनी 117 साल पुरानी ऐतिहासिक इमारत एडवर्ड विला से कमाई करने की तैयारी कर रही है। सरकार ने इस संपत्ति के व्यावसायिक इस्तेमाल और इसके पट्टे के बचे हुए अधिकारों को बेचने या हस्तांतरित करने की संभावनाएं तलाशनी शुरू कर दी हैं। इसके लिए लेनदेन सलाहकार नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। बताया गया है कि पिछले एक साल में नौ कंपनियों ने इस काम के लिए रुचि दिखाई है।

मुंबई के पॉश इलाके कोलाबा में स्थित एडवर्ड विला का इस्तेमाल फिलहाल मध्यप्रदेश सरकार वीवीआईपी गेस्ट हाउस के रूप में करती है। संपत्ति की कीमत अधिक होने के साथ ही इसके कानूनी, वित्तीय और व्यावसायिक पहलू जटिल हैं। इसलिए सरकार एक विशेषज्ञ सलाहकार नियुक्त करना चाहती है, जो संपत्ति के व्यावसायिक मूल्य का आकलन करने के साथ सौदे का तरीका तय करने और बोली प्रक्रिया पूरी करने में मदद करेगा।

कोलाबा जैसे महंगे इलाके में है संपत्ति

एडवर्ड विला दक्षिण मुंबई के कोलाबा क्षेत्र में कैप्टन प्रकाश पेठे मार्ग पर स्थित है। यह इलाका मुंबई के प्रमुख व्यावसायिक केंद्र नरीमन पॉइंट के नजदीक है। इमारत का निर्माण वर्ष 1909 में हुआ था। यह नौसेना छावनी क्षेत्र में स्थित है और इसे ऐतिहासिक महत्व वाली संपत्ति माना जाता है। रियल एस्टेट विशेषज्ञों के मुताबिक, इस इलाके में करीब 1,000 वर्गफीट के दो बेडरूम वाले फ्लैट की कीमत 10 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है। इसी वजह से एडवर्ड विला की संभावित कीमत भी कई सौ करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि, वास्तविक मूल्यांकन संपत्ति की शेष लीज अवधि, विरासत संबंधी नियमों और कानूनी विवादों सहित कई पहलुओं पर निर्भर करेगा।

12,581 वर्गफीट का प्लॉट, 2035 तक लीज

मध्यप्रदेश सरकार के उपक्रम प्रोविडेंट इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड (पीआईसीएल) की ओर से जारी रुचि आमंत्रण दस्तावेज के अनुसार, संपत्ति का कुल भूखंड 1,168.90 वर्गमीटर यानी करीब 12,581 वर्गफीट है। भवन का कुल निर्मित क्षेत्र 1,246.07 वर्गमीटर है। इसमें भूतल, पहली और दूसरी मंजिल शामिल हैं। यह जमीन बृहन्मुंबई महानगरपालिका से 30 साल की लीज पर ली गई है। यह अवधि 13 नवंबर 2012 से 13 नवंबर 2035 तक है। दस्तावेज के अनुसार, इसका सालाना लीज किराया 13.71 लाख रुपये है। इससे पहले संपत्ति की मूल 99 साल की लीज 11 मार्च 1911 से शुरू हुई थी, जो 2005 में समाप्त हो गई थी।

सलाहकार तय करेगा सौदे का तरीका

सरकार जिस सलाहकार को नियुक्त करेगी, वह संपत्ति की व्यावसायिक संभावनाओं का आकलन करेगा। साथ ही यह भी सुझाएगा कि लीज के बचे हुए अधिकारों को किस तरह बेचना, सौंपना या हस्तांतरित करना उचित होगा। सलाहकार बोली प्रक्रिया, जरूरी सरकारी मंजूरियों, कानूनी अनुपालन और दस्तावेजों से जुड़े मामलों में भी मार्गदर्शन देगा। प्रस्तावित सौदा संपत्ति की मौजूदा स्थिति और उससे जुड़े अधिकारों के आधार पर किया जाएगा। इसमें पहले से मौजूद अधिकारों, हितों और संभावित कानूनी देनदारियों को भी ध्यान में रखना होगा। अधिकारियों के अनुसार, खरीदार को लीज की शर्तों, इमारत की विरासत संबंधी स्थिति और लंबित कानूनी मामलों का आकलन करने के बाद ही सौदे की व्यावसायिक उपयोगिता तय करनी होगी। अंतिम सौदे का स्वरूप सलाहकार की सिफारिशों और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद तय होगा। फिलहाल सरकार ने सलाहकार नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू की है। संपत्ति की अंतिम कीमत और सौदे की शर्तें अभी तय नहीं हुई हैं।

निकाय-पंचायत चुनाव से पहले वोटर लिस्ट की होगी पड़ताल

भोपाल। मध्य प्रदेश में अगले साल प्रस्तावित नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव से पहले मतदाता सूचियों के मिलान की कवायद अहम हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग और भारत निर्वाचन आयोग की मतदाता सूचियों में 21.66 लाख से अधिक मतदाताओं का अंतर सामने आने के बाद अब विशेष सांक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) के जरिए सूची का मिलान किया जाएगा। इसके बाद अंतिम मतदाता सूची तैयार होगी।

राज्य निर्वाचन आयोग की 27 जुलाई 2026 को जारी सूची में 5 करोड़ 67 लाख 21 हजार 353 मतदाता दर्ज हैं। वहीं, भारत निर्वाचन आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद जारी सूची में यह संख्या 5 करोड़ 45 लाख 54 हजार 655 है। दोनों सूचियों के आंकड़ों में कुल 21 लाख 66 हजार 698 मतदाताओं का अंतर है। इस अंतर को लेकर प्रदेश कांग्रेस भी आपत्ति दर्ज करा चुकी है। अब आगामी स्थानीय चुनावों से पहले सूची का मिलान करना आयोग के लिए महत्वपूर्ण प्रक्रिया होगी।

एसआईआर में 34.25 लाख नाम हटने के बाद बढ़ा ध्यान

भारत निर्वाचन आयोग की एसआईआर प्रक्रिया के बाद मध्य प्रदेश की मतदाता सूची से 34 लाख 25 हजार 78 नाम हटाए गए थे। इनमें मृत, अनुपस्थित और स्थायी रूप से दूसरे स्थान पर जा चुके मतदाता शामिल थे। दूसरी ओर, राज्य निर्वाचन आयोग ने अपनी मतदाता सूची तैयार करने के लिए पिछले साल की सूची को आधार बनाया था। रिपोर्ट के अनुसार, भारत निर्वाचन आयोग ने प्रक्रिया पूरी नहीं होने का हवाला देते हुए राज्य निर्वाचन आयोग को अपनी सूची उपलब्ध नहीं कराई थी। दोनों आयोगों की अलग-अलग प्रक्रियाओं के कारण मतदाताओं की संख्या में अंतर बना हुआ है।

एसएसआर में दावे-आपत्तियों के आधार पर होगा संशोधन

राज्य निर्वाचन आयोग घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन नहीं करता, बल्कि दावे और आपत्तियां मिलने पर सूची में संशोधन किया जाता है। अब एसएसआर के बाद जारी होने वाली सूची से मौजूदा सूची का मिलान कर अंतिम आंकड़े तय किए जाएंगे। इस प्रक्रिया में यह स्पष्ट हो सकेगा कि दोनों सूचियों में अंतर किन कारणों से है और कितने नामों में संशोधन की जरूरत है। फिलहाल 21.66 लाख का अंतर अपने आप में फर्जी मतदाताओं की संख्या नहीं है; वास्तविक स्थिति सत्यापन के बाद ही स्पष्ट होगी। प्रदेश में अगले साल मई-जून में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव प्रस्तावित हैं। ऐसे में मतदाता सूची का सही और अद्यतन होना जरूरी है, ताकि पात्र मतदाताओं के नाम दर्ज रहें और गलत प्रविष्टियों को नियमों के अनुसार सुधारा जा सके। आयोग की ओर से एसएसआर के बाद सूची का मिलान करने का निर्णय इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। हालांकि, अंतिम सूची में कितने नाम जुड़ेंगे, हटेंगे या संशोधित होंगे, इसकी स्पष्ट तस्वीर प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही सामने आएगी।

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए टेस्ट में 75 प्रतिशत अंक लाना होगा

पहले 60 प्रतिशत अंक जरूरी था, कार में नाम-पता बदलवाना फ्री

भोपाल। अगर आपको नया ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना है, तो अब टेस्ट में पास होने के लिए 75 प्रतिशत अंक लाना होगा। पहले टेस्ट में पास होने के लिए कम से कम 60 प्रतिशत अंक जरूरी था। परिवहन मंत्रालय ने ड्राइविंग लाइसेंस के नियमों का नया ड्राफ्ट तैयार किया है। इसके तहत कम से कम 30 मिनट का सेफ-ड्राइविंग ट्रयूटोरियल देखने के बाद टेस्ट पास करना जरूरी होगा। इसके अलावा सरकार ने आधार वेरिफिकेशन के जरिए ऑनलाइन मिलने वाली कुछ सर्विस की फीस माफ करने का प्रस्ताव दिया है। इसमें कार्ड में नाम, पता बदलवाने जैसी सर्विस शामिल हैं। अब नया ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने या पुराना रिन्यू कराने पर आपको साधारण कागज के बजाय फॉर्म 7 वाला मजबूत और वाटरप्रूफ पीवीसी कार्ड ही मिलेगा। ड्राइविंग लाइसेंस के दस्तावेज के लिए पहचान, उम्र और पते के सबूत के तौर पर आप आधार कार्ड, पासपोर्ट, वोटर आईडी, ई-राशन कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ड्राइविंग लाइसेंस में 15 दिन में नाम-पता बदले जाएंगे

अगर आप ड्राइविंग लाइसेंस में अपना नाम, पता या कोई अन्य जानकारी बदलवाने के लिए आवेदन करते हैं, तो आरटीओ अधिकारी को 15 दिन के अंदर आपका काम पूरा करना होगा या आवेदन खारिज करना होगा। यदि आपका आवेदन किसी वजह से रिजेक्ट किया जाता है, तो आरटीओ को उसका सही और स्पष्ट कारण भी लिखित में बताना होगा।

आधार वेरिफिकेशन से फी में नाम-पता बदलवाएं

अगर आप ऑनलाइन अपने आधार वेरिफिकेशन के जरिए ड्राइविंग लाइसेंस में नाम या पता बदलवाते हैं, तो आपसे एक भी रुपया फीस नहीं ली जाएगी। डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने नाम, पता और अन्य पर्सनल डिटेल्स अपडेट करने का शुल्क पूरी तरह माफ करने का प्रस्ताव रखा है।

मप्र में पुलिस ट्रेनिंग का बदलेगा तरीका

भोपाल। मध्य प्रदेश समेत देशभर में पुलिस प्रशिक्षण की व्यवस्था में बदलाव की तैयारी है। अब आरक्षक से लेकर डीएसपी तक के प्रशिक्षण में एकरूपता लाने के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय के ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ने इसके लिए आदर्श प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार कर सभी राज्यों को भेजा है। मध्य प्रदेश में भी मौजूदा पाठ्यक्रम में नए विषय शामिल करने की तैयारी शुरू हो गई है।

नई व्यवस्था में पुलिसकर्मियों को केवल कक्षा में कानून और ड्यूटी से जुड़ी जानकारी देने के बजाय वास्तविक परिस्थितियों से भी परिचित कराया जाएगा। वीवीआईपी ड्यूटी, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा प्रबंधन जैसे विषयों में प्रशिक्षण के दौरान ही मौके पर ले जाकर व्यावहारिक जानकारी देने पर जोर रहेगा। इससे प्रशिक्षुओं को नौकरी संभालने से पहले ही ड्यूटी के दौरान आने वाली चुनौतियों और उनसे निपटने के तरीकों को समझने का अवसर मिलेगा।

एआई और साइबर अपराधों की जांच पर फोकस

बदलते अपराधों और तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए नए प्रशिक्षण मॉड्यूल में कई महत्वपूर्ण विषय शामिल किए गए हैं। जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा,मानसिक स्वास्थ्य, व्यावहारिक प्रशिक्षण, नियमित मूल्यांकन शामिल हैं। पुलिस के सामने अब पारंपरिक कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारियों के साथ साइबर अपराध, डिजिटल साक्ष्य और तकनीक के दुरुपयोग जैसी चुनौतियां भी हैं। ऐसे में प्रशिक्षण के दौरान तकनीकी दक्षता, व्यावहारिक अनुभव और मानसिक स्वास्थ्य को महत्व देना पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

सभी राज्यों में एक जैसा होगा मूल पाठ्यक्रम

केंद्रीय गृह मंत्रालय का उद्देश्य देशभर की पुलिस के प्रशिक्षण में बुनियादी एकरूपता लाना है। इसके लिए ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ने आदर्श प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किया है। राज्य अपनी स्थानीय जरूरतों और परिस्थितियों के अनुसार इसमें अतिरिक्त विषय भी शामिल कर सकेंगे। इस व्यवस्था से पुलिसकर्मियों को उभरती सुरक्षा चुनौतियों, आधुनिक तकनीकों और अपराधों की जांच के नए तरीकों के अनुरूप प्रशिक्षित करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

प्रदेश में नए प्रशिक्षण सत्र से लागू करने की तैयारी

मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय की प्रशिक्षण शाखा ने नए मॉड्यूल पर काम शुरू कर दिया है। स्पेशल डीजी (ट्रेनिंग) रवि गुप्ता के अनुसार, पहले से लागू पाठ्यक्रम में ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट की ओर से सुझाए गए विषयों को शामिल किया जा रहा है। प्रदेश में नए प्रशिक्षण सत्र से उप निरीक्षकों के प्रशिक्षण में इस बदलाव को लागू करने की तैयारी है। हालांकि, आरक्षक से लेकर डीएसपी तक सभी पदों पर इसे लागू करने का विस्तृत कार्यक्रम अभी स्पष्ट नहीं किया गया है।

पीएम स्वनिधि योजना के तहत पथ विक्रेताओं को क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने में भोपाल बना देश में अव्वल

भोपाल। कोरोना कॉल में रेहड़ी पटरी, ठेला आदि लगाकर व्यवसाय करने वाले छोटे-छोटे पथ विक्रेताओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई पीएम स्वनिधि योजना के तहत भोपाल नगर निगम सीमा के अंतर्गत 01 लाख 38 हजार 64 प्रकरणों में पथ विक्रेताओं को ऋण की राशि उपलब्ध कराई है साथ ही तीसरे चरण के पात्र पथ विक्रेताओं को 30 हजार रूपये तक की लिमिट के सर्वाधिक क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने में भोपाल देश में सबसे अव्वल है। पीएम स्वनिधि योजना का क्रियान्वयन नगर पालिक निगम, भोपाल द्वारा किये जाकर पथ विक्रेताओं को तीन चरणों में 15 हजार, 25 हजार एवं 50 हजार रुपए तक का ऋण बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। इस योजना के प्रारंभ से वर्तमान तक तीनों चरणों में 01 लाख 38 हजार 64 ऋण प्रकरणों से बैंकों से स्वीकृत कराकर ऋण राशि उपलब्ध कराई गई है साथ ही नवीन ऋण हेतु आवेदन एवं स्वीकृत ऋण प्रदाय करने की प्रक्रिया भी सतत रुप से जारी है। वर्तमान में मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित जन विश्वास अभियान के माध्यम से भी प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है जिसके तहत शुक्रवार, 23 अक्टूबर 2026 को वार्ड 45 अंतर्गत आयोजित जन विश्वास शिविर में महापौर श्रीमती मालती राय, संभाग आयुक्त कर्मवीर शर्मा, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा एवं निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार की उपस्थिति में पथ विक्रेताओं को लाभान्वित किया गया।

एसआईआर पर सियासी संग्राम तेज करने की तैयारी में भाजपा

भोपाल। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी राजनीतिक टकराव अब जनसंपर्क और संगठनात्मक अभियान का रूप लेने जा रहा है। विपक्ष के आरोपों का जवाब देने के साथ भाजपा इस मुद्दे पर अपनी बात जनता तक पहुंचाने की रणनीति बना रही है। पार्टी ने इसके लिए 'लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र छोड़ो' नारे के साथ 24 अक्टूबर से 5 नवंबर तक अभियान चलाने की तैयारी की है। मध्य प्रदेश में इस अभियान को लेकर प्रदेश भाजपा कार्यालय में बैठक कर कार्यक्रमों और जिम्मेदारियों का खाका तैयार किया गया है। पार्टी की योजना राष्ट्रीय स्तर की प्रेस कॉन्फ्रेंस से लेकर विधानसभा क्षेत्रों में संवाद कार्यक्रम, पदयात्रा और सोशल मीडिया अभियान चलाने की है। इससे एसआईआर को लेकर चल रही बहस को स्थानीय स्तर तक ले जाने पर जोर रहेगा।

भाजपा की रणनीति केवल विपक्ष के आरोपों का जवाब देने तक सीमित नहीं रहेगी। पार्टी नेताओं के अनुसार, मतदाता सूची के पुनरीक्षण और चुनावी पारदर्शिता से जुड़े मुद्दों पर जनता के बीच तथ्य रखने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा विपक्ष के विरोध को लेकर भी सवाल उठाने की तैयारी में है। पार्टी का तर्क है कि मतदाता सूची से अपात्र नाम हटाना चुनावी प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए जरूरी है। दूसरी ओर, स्ट्रक्चर को लेकर विपक्ष की आपत्तियों और आशंकाओं पर राजनीतिक बहस जारी है।

24 अक्टूबर से 5 नवंबर तक कार्यक्रम

प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय स्तर पर पत्रकार वार्ता आयोजित करने और चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंपने की योजना है। प्रदेश में विधानसभा क्षेत्रों के स्तर पर बुद्धिजीवी सम्मेलन और संवाद कार्यक्रम किए जाएंगे। अभियान के दौरान आपातकाल और 1984 के सिख विरोधी दंगों जैसे ऐतिहासिक मुद्दों को भी उठाने की तैयारी है। इसके अलावा पदयात्रा, युवा संवाद, छात्र प्रतियोगिताओं और जनसंपर्क गतिविधियों के जरिए पार्टी अपनी बात विभिन्न वर्गों तक पहुंचाएगी।

नेताओं को सौंपी गई अलग-अलग जिम्मेदारियां

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश पर तैयार कार्ययोजना में मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और संगठन के पदाधिकारियों को अलग-अलग कार्यक्रमों की जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. निशांत खरे को अभियान का संयोजक बनाया गया है। सांसद एवं प्रदेश महामंत्री लता वानखेड़े, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार, प्रदेश उपाध्यक्ष नंदिता पाठक, सांसद आलोक शर्मा और विधायक राजेश सोनकर को सह-संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है।

पदयात्रा से युवा संवाद तक, अलग-अलग टीमें तैयार

कार्ययोजना के अनुसार, मंत्री केलाश विजयवर्गीय, प्रदेश महामंत्री रणवीर रावत और वैभव पवार को पदयात्रा की जिम्मेदारी दी गई है। राष्ट्र चिंतन संवाद के लिए मंत्री राकेश सिंह, विधायक गौरव पारधी और विधायक रीति पाठक को जिम्मेदारी सौंपी गई है। युवा संवाद की कमान मंत्री इंदर सिंह परमार, युवा मोर्चा अध्यक्ष श्याम टेलर और मुदित शेजवार को दी गई है। छात्र प्रतियोगिताओं के लिए मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, युवा अयोग अध्यक्ष प्रवीण शर्मा और विधायक नीरज ठाकुर की जिम्मेदारी तय की गई है। वहीं, इन्फ्लुएंसर्स आउटरीच कार्यक्रम के लिए उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, विधायक अर्चना चिटनिस और मनोरंजन मिश्रा को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मीडिया और सोशल मीडिया पर भी रहेगा जोर

अभियान में मीडिया प्रबंधन और डिजिटल प्रचार को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस और लेखों के प्रबंधन की जिम्मेदारी प्रदेश मीडिया प्रभारी बृजगोपाल लोया, दीपक जैन और आशुतोष तिवारी को दी गई है। सोशल मीडिया अभियान के लिए राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, सुयश त्यागी और सुरेंद्र शर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, विशेषांक पत्रिकाओं और प्रचार सामग्री के प्रबंधन के लिए भी अलग-अलग पदाधिकारियों को शामिल किया गया है।

बालाघाट
शनिवार 24 अक्टूबर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

03 साल बाद बालाघाट को मिली मेजबानी

योग के आसनों में दम दिखाने जुटे प्रदेशभर के खिलाड़ी

राज्यस्तरीय योग खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आगाज, 8 संभागों के 350 से ज्यादा खिलाड़ी मैदान में, योग की थीम पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां







पद्मेश न्यूज। बालाघाट। योग के आसन, अनुशासन और शारीरिक संतुलन का हुनर दिखाने के लिए शुक्रवार को बालाघाट में प्रदेशभर के स्कूली खिलाड़ियों का जमावड़ा लगा। बताया गया कि तीन साल बाद जिले को राज्यस्तरीय योग खेलकूद प्रतियोगिता की मेजबानी का मौका मिला है। प्रतियोगिता के शुभारंभ के साथ ही बालाघाट में खेल और योग का माहौल बन गया। प्रदेश के 8 संभागों से पहुंचे 350 से अधिक बालक-बालिका खिलाड़ी अब अपने-अपने संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए योग में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। तीन दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ समारोह करीब चार घंटे तक चला, जिसमें खिलाड़ियों ने योग पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया।

8 संभागों के खिलाड़ियों में होगा मुकाबला

राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भोपाल, रीवा, जबलपुर, इंदौर, नर्मदापुरम, सागर, शहडोल और उज्जैन संभाग के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। अलग-अलग संभागों से पहुंचे प्रतिभागियों के बीच योग कौशल, अभ्यास और प्रदर्शन को लेकर मुकाबला होगा। प्रतियोगिता में बालक और बालिका दोनों वर्गों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। जिला शिक्षा अधिकारी धनश्री जैन के अनुसार, प्रतियोगिता में प्रदेशभर से 350 से अधिक प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। शनिवार से खिलाड़ी प्रतियोगिता में अपने-अपने संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे।25 अक्टूबर को समापन होगा।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में दिखा योग का संदेश

शुक्रवार शाम पांच बजे तक चले शुभारंभ कार्यक्रम में खिलाड़ियों ने योग पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों के जरिए योग के महत्व, शारीरिक स्वास्थ्य और अनुशासित जीवनशैली का संदेश दिया गया। समारोह में पहुंचे अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बालाघाट की पहचान खेल और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से रही है।जिले के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराकर जिले का नाम रोशन किया है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

अतिथियों ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

शुभारंभ कार्यक्रम में आयोग सदस्य मौसम हरिनखेड़े, नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने विभिन्न संभागों से बालाघाट पहुंचे खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। योग ऐसी विधा है, जो शारीरिक क्षमता के साथ मानसिक एकाग्रता को भी मजबूत करती है।

25 अक्टूबर को होगा समापन

तीन दिवसीय आयोजन के दौरान संभागीय खिलाड़ी योग में अपनी श्रेष्ठता साबित करने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रतियोगिता का समापन 25 अक्टूबर को होगा। बालाघाट को मिली इस मेजबानी से जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ ही प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिला है। अब सबकी निगाहें प्रतियोगिता में होने वाले मुकाबलों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों पर टिकी हैं।

आगरवाड़ा के जंगल में भालू का हमला-ग्रामीण घायल

तीन बार किया हमला, हाथ, पीठ और पैर में आई चोटें

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वन परिक्षेत्र बालाघाट के अंतर्गत ग्राम आगरवाड़ा के समीप जंगल में लकड़ी लेने गए एक ग्रामीण पर भालू ने हमला कर दिया। भालू के हमले में ग्राम आगरवाड़ा निवासी छगनलाल पिता रेखलाल ठाकरे 45 वर्ष घायल हो गए। उनके हाथ, पीठ और पैर में चोटें आई हैं। परिजनों ने उन्हें 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया जहां उनका उपचार जारी है। घटना शुक्रवार, 23 अक्टूबर की सुबह की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार छगनलाल ठाकरे ठाकरे खेती-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। 23 अक्टूबर को सुबह करीब 6 बजे छगनलाल अपने गांव के ही सावन कुंजाम के साथ लकड़ी लेने के लिए जंगल गए थे। दोनों अलग-अलग स्थानों पर लकड़ी तलाश रहे थे। इसी दौरान अचानक एक भालू अपने दो शावकों के साथ छगनलाल के सामने आ गया और उस पर हमला कर दिया।भालू ने छगनलाल के हाथ को अपने जबड़े में पकड़ लिया। छगनलाल ने किसी तरह खुद को छुड़ाकर भालू को भगाया लेकिन भालू ने दोबारा हमला कर दिया। उन्होंने दूसरी बार भी भालू से बचने का प्रयास किया और उसे भगाने में सफल रहे। इसके बाद भालू ने तीसरी बार फिर हमला कर दिया। लगातार हुए हमलों में छगनलाल घायल हो गए। अपनी जान बचाने के लिए वे वहां से भागे और कुछ दूर पहुंचकर मदद के लिए आवाज लगाई।



साथी की सूचना पर पहुंचे परिजन-अस्पताल में भर्ती कराया

छगनलाल की आवाज सुनकर उनके साथी सावन कुंजाम मौके पर पहुंचे। उन्होंने फोन कर छगनलाल के परिजनों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिजन मोटरसाइकिल से जंगल पहुंचे और घायल छगनलाल को घर लेकर आए। इसके बाद 108 एंबुलेंस की सहायता से उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया, जहां भर्ती कर उनका उपचार किया जा रहा है।घटना की जानकारी मिलने पर वन विभाग के कर्मचारी भी जिला अस्पताल पहुंचे। वन कर्मचारियों ने घायल छगनलाल को प्राथमिक सहायता के रूप में एक हजार रुपये प्रदान किए। वहीं जिला अस्पताल पुलिस ने घायल के बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई के लिए मामला भरवेली थाना पुलिस को भेज दिया है।

रेत के ट्रैक्टर रोकने पर चेक पॉइंट कर्मियों से मारपीट-दी जान से मारने की धमकी

गायखुरी घाट पर आधी रात को हुई घटना-दो युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैनगंगा नदी के गायखुरी रेत घाट पर रेत से भरे ट्रैक्टरों की जांच करने पहुंचे दो युवकों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। ट्रैक्टर रोककर रॉयल्टी की जांच करने के दौरान हुए विवाद में दो युवकों ने कथित तौर पर चेक पॉइंट पर तैनात अनुज सोनी और उसके साथी प्रियांशु कुमार के साथ मारपीट की। घटना में दोनों घायल हो गए। अनुज के सिर में चोट आई है। दोनों ने जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचकर उपचार कराया। मामले में जिला अस्पताल पुलिस ने अनुज के बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई के लिए प्रकरण कोतवाली थाना भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वार्ड नंबर 7 मरारी मोहल्ला निवासी अनुज सोनी 22 वर्ष रेत घाट के चेक पॉइंट पर रेत से भरे ट्रैक्टरों को रोककर उनकी रॉयल्टी की जांच करने का काम करता है। 22 और 23 अक्टूबर की दरमियानी रात करीब 12:30 बजे वह अपने साथी प्रियांशु कुमार के साथ भमोड़ी और गायखुरी की ओर ट्रैक्टरों की जांच के लिए गया था। इसी दौरान रेत से भरा एक ट्रैक्टर रोकने के बावजूद नहीं रुका। इसके बाद देवा धुर्वे और रोहित तांडे वहां पहुंचे। दोनों ने अनुज और प्रियांशु के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और मारपीट करने लगे।

ट्रैक्टर रोकने पर विवाद-दोबारा रोकने पर जान से मारने की धमकी

आरोप है कि देवा धुर्वे और रोहित तांडे ने दोनों युवकों से कहा कि वे कंपनी की गाड़ियों को नहीं रोक सकते। इसके बाद उनके साथ मारपीट की गई। घटना में अनुज सोनी के सिर में चोट आई जबकि प्रियांशु कुमार को भी सिर में चोट लगी। मारपीट के बाद दोनों आरोपी मौके से चले गए। घायल अनुज और प्रियांशु मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल पहुंचे जहां उनका उपचार किया गया।घटना के संबंध में जिला अस्पताल पुलिस ने अनुज सोनी के बयान दर्ज किए। इसके बाद मामला आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना पुलिस को भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा प्रकरण में आगे की कार्रवाई की जानी है।





स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट